जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 216 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 10 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मेघालय के मु.मंत्री खुश हैं, हनीमूनर्स की वारदात से उनके टूरिज़्म पर आँच नहीं आयेगी

उनकी खुशी का कारण है, वारदात ''उन नॉर्थ इण्डियन्स'' का आपसी मामला निकला, मेघालय की जनता का उस वारदात से कुछ लेना-देना नहीं था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। क्या सोनम बेवफा थी?

इंदौर के जोड़े की रहस्यमय हत्या की इस गुत्थी ने पूरे देश को झकझोर दिया है।

घटना को लेकर सदमा, अविश्वास और दुख है तथा यह सवाल पूछा जा रहा है कि समाज कितना नीचे गिर चुका है, और क्या यह जातिगत राजनीति (कास्ट पॉलिटिक्स) का परिणाम है, जो उन परिवारों में निभाई जाती है, जहाँ एक उच्च जाति की लड़की को निम्न जाति के अपने प्रेमी से शादी करने की इजाज़त नहीं दी जाती। ज्यादातर मामलों में, टियर 2-3 शहरों में माता-पिता अपनी बेटियों को परिवार की इज्जत, और समाज में अपनी स्थिति की वजह से अपनी ही जाति के लड़के शादी करने के लिए मजबूर करते हैं।

क्या सोनम के साथ यही हुआ?

- पर, क्या यह जानकर, कि सोनम ने सुपारी देकर, अपने पति की हत्या करवायी, इस काण्ड की इतिश्री मान ली जाएगी, जो इस समय पूरे देश को झकझोरे हुए है?
- पर, इस काण्ड का असली गुनाहगार वह जात (कास्ट सिस्टम) है, जिसके कारण एक संभ्रांत परिवार सामाजिक इज़्ज़त की वजह से अपनी बेटी के प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाता, क्योंकि उनकी पुत्री का प्रेमी नीची जात का व्यक्ति है।
- प्रेम संबंध फलीभूत न होता देख, प्रेमी युगल कुण्ठा में, इस तरह की घिनौनी हत्या को अंजाम देता है।
- ऐसी सामाजिक इज़्ज़त को बचाने के प्रयास की घटनाएं आम तो नहीं हैं, नॉर्थ इंडिया'' में, पर अनहोनी भी नहीं हैं, छोटे-छोटे शहरों और कस्बों में।

सोनम और राजा, इंदौर के एक जोड़े ने शादी की और मेघालय हनीमून पर गए।

बाद में पति राजा गायब हो गया और मृत पाया गया।

आज उसकी पत्नी सोनम गाज़ीपुर में पाई गई है और उसका दावा है कि उसे अगवा किया गया और वहां छोड़ दिया गया। लेकिन सोनम का एक प्रेमी है, राज कुशवाहा है, जो पिछड़ी जाति से है, और कथित रूप से दो सुपारी किलर हैं, जिन्होंने राज और सोनम के निर्देश पर पति राजा की हत्या कर दी।

सोनम अपने हनीमून पर जाते समय शादी में मिले सोने के सारे जेवर लेकर गई थी और अपने पिता के खाते से 10 लाख रुपये भी निकाल लिए थे। अब सोनम के पिता सी.बी.आई. जांच की मांग कर रहे हैं।

पुलिस का दावा है कि सोनम और राज इस हत्या में शामिल थे। आगे की पूछताछ से और तथ्य सामने आएंगे।

जब इस जोड़े की गुमशुदगी और राजा रघुवंशी की हत्या की खबरें सुर्खियों में आईं, तो मेघालय के मुख्यमंत्री ने अपने शीर्ष पुलिस अधिकारी को फोन कर जांच तेज़ करने को कहा।

मेघालय सरकार नहीं चाहती थी कि यह संदेश जाए कि इस प्रकरण में स्थानीय लोगों का हाथ है, क्योंकि इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टाइगर के हमले में जैन मंदिर के चौकीदार की मौत

सवाई माधोपुर, 9 जून (निसं)। प्रदेश के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बाघ ने सोमवार को फिर एक जिंदगी छीन ली। रणथंभौर किले में टाइगर ने जैन मंदिर के चौकीदार को मार डाला। करीब पौने दो माह में टाइगर अटैक के कारण होने वाली यह तीसरी मौत है।

घटना को लेकर रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि रणथंभौर में वन विभाग का सिस्टम बिलकुल फेल है। यहां अधिकारी सिर्फ टाइगर को प्रमुखता

- गत पौने दो माह में टाइगर के हमले से हुई यह तीसरी मौत है।
- स्थानीय लोगों ने रणथंभौर में वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गणेश धाम आने वाले भक्तों को सुरक्षा के भी कोई इतंज़ाम नहीं हैं।

देते हैं, लोगों की सुरक्षा को नहीं। पहले टाइगर ने एक बालक को मार डाला, फिर वन विभाग के एक कर्मचारी को और फिर आज एक मंदिर के चौकीदार को। लोगों का कहना है कि वन विभाग या पुरातत्व विभाग सुरक्षा के कोई कदम नहीं उठा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वन विभाग गणेश भक्तों की सुरक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''बाहरी'' व्यक्तियों को खदेड़ने के खिलाफ अमेरिका में भारी विरोध व प्रदर्शन

ट्रम्प ने सशस्त्र ''नैशनल गार्ड'', अर्द्ध सैनिक बल को लॉस एंजलिस भेजा प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए, उनके एक उच्चाधिकारी ने ''मरीन्स'' को प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए तैयार रहने के आदेश भी दिये बताये

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। अब तक उम्मीदों और सपनों की धरती रहा अमेरिका, एक दु:स्वप्न में बदल गया है। देश के सबसे प्रसिद्ध शहरों में से एक, लॉस एंजलिस में संघीय आप्रवासन (फैडरल इमिग्रेशन) अधिकारियों की ज़ोर जबरदस्ती के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन देखे गए हैं।

लॉस एंजलिस में विरोध प्रदर्शन भड़क उठा है, लेकिन देश के ऐसे कई अन्य हिस्से भी हैं, जहां हालात संवेदनशील हैं। जिनके पास वैध दस्तावेज हैं, वे भी सड़कों पर उतर आए हैं, क्योंकि उन्हें भी टारगैट किया जा रहा है।

लेकिन वर्तमान प्रदर्शनों को दबाने के लिए जो उपाय किए गए हैं, वे अब मूल समस्या से भी बदतर साबित हो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बयानों के साथ स्थिति को और जटिल बना दिया है। ट्रंप ने प्रदर्शनों को कंट्रोल करने के लिए, स्थानीय प्रशासन को दरकिनार करते हुए, नैशनल गार्ड्स को तैनात करने की बात कही है, जो एक पैरा मिलिटरी फोर्स है।

- अपनी जनता से अपने ही देश में इतनी भारी सख्ती देखकर अचंभित व क्षुब्ध हैं, अमेरिकावासी।
- पर, देर रात प्राप्त जानकारी के अनुसार, इयॉन मस्क, जिनसे ट्रम्प का सार्वजनिक झगड़ा हुआ था, ने भी ट्रम्प की इस सख्ती का समर्थन किया है।
- अमेरिका के वैस्ट कोस्ट पर बसे इस जाने-माने शहर की गवर्नर, डेमौक्रेटिक पार्टी से सम्बद्ध राजनीतिज्ञ हैं, अतः ट्रम्प को आशंका थी कि शायद प्रदशनकारियों से उनका कुछ सहानुभूति पूर्ण रवैया होगा, इसीलिए ट्रंप ने अर्द्ध सैनिक बल (पैरामिलिटरी फोर्स) भेजने का निर्णय लिया।
- पर, यह सवाल पूरे देश में गूंज रहा है, क्या प्रदर्शनकारियों से इतनी बेरहमी से पेश आना जरूरी था। क्योंकि, ऐसे प्रदर्शन अब व्यापक रूप से फैलने की प्रबल आशंका बनी हुई है तथा अमेरिका में पढ़ने व काम करने के इच्छुक विदेशी विद्यार्थियों के अब अमेरिका जाने पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग गया है।

अब इस बात पर बहस हो रही है कि क्या विरोध प्रदर्शनों की घटनाएं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी जी ने, 11 जून को भाजपा कवर करने वाले पत्रकारों को लंच पर आमंत्रित किया था

पर, अचानक सूचना आयी, वे लंच पर मौजूद नहीं रहेंगे, उनके स्थान पर राजनाथ सिंह मेज़बानी करेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो 11 जून को अपनी सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा को कवर करने वाले पत्रकारों और संपादकों के लिए दोपहर भोज का आयोजन कर रहे थे, अब लगता है कि उन्होंने अपना मन बदल लिया है।

यह समझा जा रहा है कि वे स्वयं भोज ने उपस्थित नहीं होंगे, बल्कि उन्होंने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को दोपहर भोज की मेजबानी के लिए नियुक्त किया है।

इसकी अटकलें तब शुरू हुईं, जब मोदी ने सत्ता में अपने 11 वर्षों का जश्न मनाने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की (जो कि उनकी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस थी), और फिर बात संपादकों और भाजपा कवर करने वाले पत्रकारों के लिए भोज आयोजित करने तक आ गई।

अब सात रेस कोर्स रोड से आई ताज़ा सूचना यह है कि प्रधानमंत्री स्वयं

- अवसर महत्वपूर्ण था, क्योंकि मोदी सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सरकार अपने शासन की उपलब्धियाँ व विशेषताओं पर चर्चा करना चाहती थी, पत्रकारों से।
- पर, कई तरह के सवाल भी उठाये जा सकते थे, जैसे, क्या भाजपा व संघ में मतैक्यता बन गई है, नये पार्टी अध्यक्ष के प्रश्न पर।
- क्या इसी कारण मंत्रिमंडल में फेरबदल अटका हुआ है।
- भारत बार-बार ट्रंप की ज्यादतियों व बड़बोलेपन को क्यों स्वीकार कर रहा है। ट्रंप बार-बार यह कह रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाक को व्यापार न करने की धमकी देकर, ''सीज़फायर'' करवायी तथा जब भी चाहा, भारत पर काफी कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

अनुपस्थित रह सकते हैं और राजनाथ सिंह को अपना प्रतिनिधि बना सकते हैं।

पार्टी और सरकार के भीतर वास्तव में क्या चल रहा है, यह बदलाव उसके बारे में बहुत कुछ कहता है।

अगले भाजपा अध्यक्ष को लेकर भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के बीच कोई आम सहमति नहीं बन पाई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई पेपर लीक केस में 3 दर्जन आरोपियों ने जमानत याचिका लगाई

जयपुर, 9 जून। एसआई भर्ती पेपर लीक-2021 मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे करीब तीन दर्जन आरोपियों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं पेश कर अंतरिम जमानत और जमानत पर रिहा करने की गुहार की। अदालत ने सभी याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए मामले की सुनवाई 2 जुलाई को तय की है। जस्टिस आनंद शर्मा की अवकाशकालीन

- किसी ने बेटे या बेटी की शादी का कारण दिया तो महिला आरोपी ने गर्भावस्था को वजह बताकर जमानत मांगी।

एकलपीठ ने ये आदेश दिए।

आरोपी ट्रेनी एसआई मोनिका की ओर से अधिवक्ता धर्मेन्द्र फगोरिया ने अंतरिम जमानत अर्जी पेश कर कहा कि वह छह माह की गर्भवती है। ऐसे में उसे उचित देखभाल और चिकित्सा सुविधा की जरूरत है। इसलिए उसे अंतरिम जमानत का लाभ दिया जाए। वहीं, एक अन्य आरोपी श्रवण की ओर से कहा गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'11 साल का कार्यकाल 11 साल का सेवाकाल है, जिसमें क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं'

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि, उनकी एनडीए सरकार ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास'' के सिद्धांत पर काम करती है

नई दिल्ली, 09 जून। मोदी सरकार ने सोमवार को सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने, शासन काल को '' 11 साल का सेवा काल'' बताया और भारत में हुए क्रांतिकारी बदलाव पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है।

मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज़ भी बन गया है।

- प्रधानमंत्री ने लोगों से नमो ऐप के जरिए भारत की विकास यात्रा देखने का भी आह्वान किया।
- प्रधानमंत्री ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद तथा सामूहिक भागीदारी के बल, भारत ने सभी क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। हम एक नए विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास तथा संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं।

मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केन्द्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा व विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है।

मोदी ने सरकार की उपलब्धियों को संवाद-शैली के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए देशवासियों को प्रोत्साहित भी किया है। इस ऐप के जरिए इंटरैक्टिव गेम, क्विज़, सर्वेक्षण और अन्य प्रारूपों के माध्यम से प्रेरणादायी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो ऐप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा के बारे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजा हत्याकांड के तीन आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

इंदौर, 09 जून। मध्यप्रदेश के इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की मेघालय के शिलांग में हुई हत्या के मामले में राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी के उत्तरप्रदेश के गाजीपुर से बरामद होने के बाद, तीन अन्य आरोपियों को इंदौर से हिरासत में लिया गया है, जिनसे मेघालय पुलिस पूछताछ कर रही है।

इंदौर पुलिस के एक वरिष्ठ

- तीनों आरोपियों से मेघालय पुलिस पूछताछ कर रही है, एक अभी भी फरार है उसकी तलाश जारी है।

अधिकारी ने इस संबंध में बताया कि 23 मई को रघुवंशी दंपति के लापता होने के बाद, परिजनों के आग्रह पर यहां एक विशेष टीम तैनात की गई। दो जून को राजा रघुवंशी का शव बरामद होने के बाद इस मामले में शिलांग के ईस्ट सोहरा के सोहरा थाने में प्रकरण दर्ज हुआ।

उन्होंने बताया कि कल देर रात इंदौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महागठबंधन (आर.जे.डी., कांग्रेस, वामपंथी पार्टियाँ आदि) दो-तिहाई बहुमत की आशा कर रहा है

महागठबंधन का मानना है कि एन.डी.ए. में काफी अंदरूनी खींचतान है तथा नीतीश कुल 243 सीटों में से 122 सीटों की मांग पर अडिग हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। भारतीय जनता पार्टी बिहार में अपनी भविष्य की संभावनाओं को लेकर बढ़ती जा रही अंदरूनी चिंताओं से जूझ रही है। दरअसल, आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट-शेयरिंग को लेकर अपने प्रमुख सहयोगी दल जनता दल (यू) के साथ उसका तनाव बढ़ता ही जा रहा है।

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि पार्टी नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 243 विधानसभा सीटों के बड़े हिस्से की माँग पर अड़े होने से अप्रसन्न हैं। बताया जा रहा है कि वे अपनी पार्टी के लिये कम से कम 122 सीटें दिये जाने पर अडिग हैं।

इस गतिरोध के कारण एनडीए खेमे के अंदर का माहौल बड़ा असहज हो गया है। इस स्थिति ने उस समय एक नाटकीय मोड़ ले लिया, जब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने एक साहसिक बयान देते हुए सभी 243 सीटों पर एनडीए को पूरा समर्थन एवं सहयोग देने की घोषणा कर दी।

जहाँ चिराग पासवान के इस बयान को एनडीए की एकता की छलाँग के रूप में प्रोजैक्ट किया गया, वहीं जाने-माने पत्रकार अशोक ठाकुर ने इसके महत्व को खारिज कर दिया। ठाकुर ने कहा, ''चिराग की यह घोषणा अखबारों की

- साथ ही, अभी भी कोई चेहरा व व्यक्तित्व नहीं, जो भाजपा की ओर से मु.मंत्री के रूप में पेश किया जा सके।
- साथ ही, महागठबंधन में कोई मतभेद नहीं है कि उनकी ओर से तेजस्वी यादव मु.मंत्री पद के उम्मीदवार हैं।
- तथा, तेजस्वी यादव व राहुल गांधी में खूब पट रही है तथा दोनों का जोर युवा, महिला, ओबीसी व अल्पसंख्यकों पर है, तथा वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक से खफा मुस्लिम समुदाय का झुकाव भी महागठबंधन की ओर हो रहा है।

सुर्खियों का हिस्सा तो बन सकती है, लेकिन चिराग में वोटरों को बड़ी संख्या में भाजपा के पक्ष में लाने की क्षमता नहीं है।'' इस घोषणा को पासवान के अल्पकालीन फिल्मी कैरियर के समकक्ष बताते हुए, ठाकुर ने भविष्यवाणी की कि उनके राजनैतिक हस्तक्षेप का भी वही हश्र होना है।

दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस, कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) तथा अन्य वामपंथी दलों से मिलकर बना ''महागठबंधन'' अच्छी गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। छोटे-छोटे राजनैतिक दल, जैसे पशुपति पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, भी विपक्षी गठबंधन के सम्पर्क में बताये जाते हैं, जो भाजपा के खिलाफ एक बड़ी एकता एवं जमावड़े का संकेत हैं।

महागठबंधन ने अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर कोई अस्पष्टता नहीं है। आरजेडी के तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच काम करने का एक नज़दीकी तालमेल बन चुका है तथा आगामी महीनों में पूरे बिहार में संयुक्त रैलियाँ आयोजित करने की योजना विचाराधीन है। आरजेडी के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने कहा, ''राहुल और तेजस्वी के बीच मिलकर काम करने का रूझान बड़ा स्वाभाविक, अनौपचारिकतापूर्ण एवं प्रभावी प्रतीत हो रहा है। उनके प्रचार की गूँज युवाओं, महिलाओं और पिछड़े समुदायों के मन घर बनाती जा रही है।''

जमीनी हकीकत मतदाता की सोच में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत दे रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई में लोकल ट्रेन से गिरे यात्री

मुंबई, 9 जून। महाराष्ट्र के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर कसारा से आने वाली एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने से सोमवार को पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने यह जानकारी दी। शिंदे ने कहा, यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे हुई और हमें सवा नौ बजे सूचना मिली और हम मौके पर पहुंचे तो पाया कि करीब सात लोग

- मुंब्रा स्टेशन पर हुए इस हादसे में 5 की मौत हो गई व 7 घायल हो गए।

घायल हैं और कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों और मृतकों को तुरंत नजदीकी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा ले जाया गया, जिनमें से चार घायल खुद जुपिटर अस्पताल चले गए।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि घटना के दौरान 10 से 12 यात्री ट्रेन से गिरे थे। अधिकारियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ऐश्वर्य उपाधि में नहीं बल्कि इस चेतना में है कि हम उसके योग्य हैं। –अरस्तु

सरकारी कार्यालय - जनता की दृष्टि में

मैं समय-समय पर इसी संपादकीय स्तंभ में सीधे जनता से संपर्क वाले विभागों की कार्यशैली और व्यवहार के बारे में लिखता रहा हूं। जनता का कार्य समय पर और चक्कर लगाए बिना करते रहने की आवश्यकता पर बल देता रहा हूँ। ऐसा करने हेतु विभिन्न प्रकार के सुझाव भी समय-समय पर इसी स्तंभ के माध्यम से दिए गए हैं ।

इसी परिप्रेक्ष्य में यह आलेख, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के राजस्थान चैप्टर के माध्यम से किए गए सर्वे के परिणामों से पाठकों और सरकार को अवगत कराने के उद्देश्य से लिखा गया है। यह इस धारणा को जांचने का भी एक प्रयास था कि विभागों में पारदर्शिता की कमी कैसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है।

हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के राजस्थान चैप्टर द्वारा, जयपुर स्थित जनता से सीधे संपर्क वाले कार्यालयों में विभिन्न कामों से आने वाले सामान्य लोगों का अनुभव क्या रहा है, यह पता करने हेतु एक सर्वेक्षण किया गया। यह उल्लेखनीय है कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल, बर्लिन स्थित एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो प्रतिवर्ष विभिन्न राष्ट्रों में भ्रष्टाचार के स्तर का सर्वेक्षण करा के रैंकिंग जारी करती है। कुछ वर्षों से भारत का स्थान लगभग 100 के आसपास रहा है ।

इस सर्वेक्षण के लिए राजस्थान चैप्टर द्वारा जिन प्रमुख सरकारी कार्यालयों का सर्वेक्षण हेतु चयन किया गया वे हैं - नगर निगम लाल कोठी, जयपुर विकास प्राधिकरण, आरटीओ ऑफिस झालाना, कलेक्ट्रेट रजिस्ट्रेशन ऑफिस और कलेक्ट्रेट कार्यालय।

यह सर्वे उन व्यक्तियों से किया गया जो इन कार्यालयों से बाहर निकल रहे थे। यह सर्वे जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के विद्यार्थियों के माध्यम से किया गया। इसके लिए एक प्रश्नावली तैयार की गई। कार्यालयों से बाहर निकलने वाले नागरिकों से बात करने के लिए एवं कार्यालय में उनके अनुभव को ज्ञात करने हेतु पांच-पांच व्यक्तियों के पांच दल बनाए गए। जिन व्यक्तियों का सर्वेक्षण के लिए चयन किया गया वे प्रबंधन के विद्यार्थी थे। इन्हें अच्छी तरह इस बारे में पहले ब्रीफ किया गया था । उनसे यह अपेक्षा की गई थी कि वे उन्हीं से बात करें जो इस बारे में बात करना चाहें । उन्हें आश्वस्त किया जाए कि उनके द्वारा दी गई जानकारी का कोई नुकसान उन्हें नहीं होगा, न ही उनकी पहचान को सार्वजनिक किया जाएगा । इन विद्यार्थियों को एक प्रश्नावली दी गई, जिसमें मुख्य रूप से पूछे जाने वाले निम्न प्रश्न थे:-

आप इस कार्यालय में किस कार्य से आए थे?
आपको अपने कार्य हेतु कितनी बार आना पड़ा?
क्या आपका कार्य पूरा हो गया है?
क्या आपसे किसी ने रिश्वत की मांग की?
क्या आपको अपने काम के लिए किसी एजेंट के पास भेजा गया?
आपके साथ कार्यालय में किस प्रकार का व्यवहार था? क्या आप इस कार्यालय में प्राप्त अनुभव से पूर्णतया संतुष्ट हैं, संतुष्ट हैं, असंतुष्ट हैं अथवा नितांत असंतुष्ट हैं?

यह सर्वेक्षण एक दिन में 5-6 घंटे में किया गया ।

इसमें कुल 25 विद्यार्थी सम्मिलित थे जिन में लगभग आधी छात्राएं थीं। इन लोगों के द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जो जानकारी प्राप्त हुई इसका संक्षिप्त विवरण कार्यालय वार निम्न प्रकार है :-

1.नगर निगम कार्यालय, लाल कोठी, जयपुर

कुल 57 व्यक्तियों से चर्चा की गई। 65% व्यक्तियों ने यह बताया कि वे नगर निगम के कार्य से असंतुष्ट अथवा अति असंतुष्ट थे। 33% ने कहा कि वे सन्तुष्ट थे है और 2% ने कहा कि वे बहुत संतुष्ट थे। इस कार्यालय में आने वाले व्यक्तियों में से अधिकांश का कार्य कोई प्रमाण पत्र जैसे जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना, आधार कार्ड से संबंधित अथवा भूमि की समस्या के बारे में था। 42% व्यक्तियों ने बताया कि उन्हें नगर निगम के 5 से लेकर 30 बार तक चक्कर लगाने पड़े। जिन व्यक्तियों से बात की गई, उनमें से 80% का काम अभी तक नगर निगम में लंबित था।

इस कार्यालय मैं आने वाले 80% व्यक्तियों ने कहा कि उनसे कोई रिश्वत नहीं मांगी गई, 20₹ से 15000 तक की रिश्वत ली गई।

2. जयपुर विकास प्राधिकरण

यहां अधिकांश व्यक्ति रजिस्ट्रेशन के लिए, भूमि संबंधी विवाद के लिए तथा शिकायत लेकर आए थे। इनमें से 65% ऐसे थे जो अपने अनुभव से असंतुष्ट अथवा बहुत ही अधिक असंतुष्ट थे। केवल 35% ऐसे थे जो अनुभव से संतुष्ट थे। लगभग 28% व्यक्तियों का काम न्यूनतम 6 माह से अधिक समय से लंबित था। जेडीए में अपने काम के लिए 32% लोगों को पांच बार, 7% लोगों को 10 बार और 9% लोगों को 30 बार तक आना पड़ा था। जेडीए में 21%लोगों ने कहा कि उनसे रिश्वत की मांग की गई, जबकि 79%लोगों ने कहा कि उनसे रिश्वत की मांग नहीं की गई।

3. आर टीओ झालाना

यह सर्वे हालांकि एक ही दिन में किया गया और कुल 347 व्यक्तियों से ही किया गया, किंतु इससे यह संकेत तो मिलता है कि जनता को इन पांच कार्यालयों से काम कराने में कितनी कठिनाई होती है। परिवहन कार्यालय में शायद अधिकांश लोग एजेंट के माध्यम से काम कराते हैं अतः वहां पर संतुष्टि का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया। प्रश्न फिर भी यही है कि क्यों एजेंट के पास जाने की आवश्यकता होती है ?

इस कार्यालय के संबंध में कुल 71 व्यक्तियों से बात की गई। यहां आने वाले लोगों में 50% वाहन के स्थानांतरण के लिए, 30% ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए एवं शेष जप्त वाहन को छुड़ाने एवं वाहन के पंजीकरण के लिए आए थे। इस कार्यालय के अनुभव से 57%व्यक्ति संतुष्ट थे जब कि 43% असंतुष्ट थे। जिन व्यक्तियों से बात की गई उनमें से 70% का काम लंबित था और 30% का हो चुका था। आरटीओ में 70% व्यक्तियों का काम 6 महीने या उससे अधिक समय से लंबित था। लगभग 51% व्यक्तियों को पांच बार तक एवं 18% को 30 बार तक कार्यालय के चक्कर लगाना पड़े थे। 21% ने कहा कि उनसे रिश्वत मांगी गई जबकि 79% ने कहा कि उनसे रिश्वत की मांग नहीं की गई।

4. कलेक्ट्रेट कार्यालय (रजिस्ट्रेशन)

यहां कुल 78 व्यक्तियों से बात की गई । इनमें से 58% व्यक्ति असंतुष्ट थे जबकि 12% अति असंतुष्ट थे। इसके विपरीत 30% ऐसे थे जो या तो संतुष्ट अथवा बहुत ही संतुष्ट थे। जिनसे बात की गई उनमें से 38%का काम हो चुका था एवं 62% का काम लंबित था। जिनका काम लंबित था उनमें से 90% का काम 1 महीने से कम समय से एवं शेष का 6 महीने से या उसके अधिक समय से पेंडिंग था। 43% व्यक्तियों का काम एक बार में एवं 50% व्यक्तियों का काम 5 से कम बार में पूरा हो चुका था। 90% से कोई रिश्वत नहीं मांगी गई जबकि 10% से 15000 रुपए तक की रिश्वत की मांग की गई।

5. कलेक्ट्रेट कार्यालय

यहां से निकलने वाले कुल 84 व्यक्तियों से बात की गई। यहां आने वालों में 81% छात्रवृत्ति के लिए आए थे जबकि शेष भूमि विवाद अथवा वृद्धावस्था पेंशन हेतु आए थे। केवल तीन प्रतिशत ने कहा कि उनसे रिश्वत की मांग की गई, शेष से किसी प्रकार की रिश्वत की मांग नहीं की गई थी। यहां आने वाले लोगों में से 44% का काम एक बार में और 50% का पांच बार से कम समय में हो गया था। इसके बावजूद केवल 30% लोग इस कार्यालय के अनुभव से संतुष्ट थे, जबकि 70% संतुष्ट नहीं थे। इनमें भी 12% तो बहुत ही असंतुष्ट थे। यहां आने वालों में 46% का काम हो चुका था और 54 प्रतिशत का लंबित था।

निष्कर्ष :-

उपरोक्त सभी कार्यालयों से कुल मिलाकर 50% से अधिक लोग असंतुष्ट थे। असंतुष्टि का स्तर कलेक्ट्रेट के पंजीयन कार्यालय और नगर निगम के कार्यालय में अधिक था।

सर्वेक्षित लोगों में से 65% ने कहा कि उनका काम उस दिन, 6 महीने से लंबित था।

जहां रिश्वत की मांग केवल 15% प्रकरण में की गई, वहीं 17% प्रकरणों में किसी-किसी बिचौलिए के पास भेजा गया।

सभी कार्यालयों में काम के लिए बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता लगभग सभी को पड़ी ।

यह सर्वे हालांकि एक ही दिन में किया गया और कुल 347 व्यक्तियों से ही किया गया, किंतु इससे यह संकेत तो मिलता है कि जनता को इन पांच कार्यालयों से काम कराने में कितनी कठिनाई होती है। परिवहन कार्यालय में शायद अधिकांश लोग एजेंट के माध्यम से काम कराते हैं अत: वहां पर संतुष्टि का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया । प्रश्न फिर भी यही है कि क्यों एजेंट के पास जाने की आवश्यकता होती है?

हो सकता है, कुछ विभाग, सर्वेक्षण के परिणामों को स्वीकार न करें, किंतु यह प्रबंधन के विद्यार्थियों के द्वारा बिना किसी लाग लपेट के किया गया है जिसे न मानने का कोई कारण नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि जिन कारणों से काम बहुत विलंब से होता है उनके मूल में जाया जाए। इससे यह पता लगे कि प्रक्रियाओं को सरलीकृत करने और स्पष्ट बनाने तथा प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध निष्पादन करने की आवश्यकता है । जो भी लोग इसे अटकाने का काम करें अथवा एजेंट के पास भेजने का काम करें, उनकी जवाबदेही तय की जाकर उन्हें समुचित दंड दिया जाए। तब संभव है, लोगों के काम अधिक आसानी से हो पाएंगे। सरकार की छवि सामान्यतया उन्हीं विभागों के द्वारा बनाई या बिगाड़ी जाती है, जहां सामान्य जनता का संपर्क अधिक होता है। संवेदनशीलता का अभाव सामान्यत: सभी सरकारी कार्यालयों में देखा गया है ।

आशा की जाती है कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल, राजस्थान चैप्टर द्वारा किए गए सर्वे के परिणाम और निष्कर्ष पर सरकार विचार करेगी और इन कार्यालयों में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाएगी। यह लिखना आवश्यक है कि सर्वे के आधार पर जो निष्कर्ष निकला है वह प्रचलित जन धारणा की तुलना में बेहतर है। उन कार्यालय का भी अध्ययन किया जाना चाहिए जहां संतुष्टि का स्तर बेहतर है। एक सामान्य निष्कर्ष तो यही निकलता है कि जहां पर भी पारदर्शिता का अभाव होता है वहां जवाबदेही तय करना कठिन होता है और वही भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होता है। सभी कार्यालयों की कार्य निष्पादन की प्रक्रिया को न केवल सरल एवं स्पष्ट किया जाए अपितु उसे सार्वजनिक भी किया जाकर सर्व सुलभ करवाया जाए । तब ही बिचौलियों का दखल इनमें कम हो पाएगा और सीधे नागरिक इन कार्यालय से अपने काम करवा पाने में सफल हो पाएंगे।

हालांकि यह सर्वे बहुत छोटे स्तर पर था और बहुत ही कम कार्यालयों का किया गया, इस प्रकार के सर्वे सामान्य जनता के हित में, बड़े स्तर पर और अनेक कार्यालयों में समय-समय पर किए जाने की आवश्यकता है ताकि तुलनात्मक रूप से होने वाले सुधार का भी समय समय पर अध्ययन किया जा कर आवश्यक कदम सरकार द्वारा उठाए जा सकें ।

–अतिथि सम्पादक,
राजेंद्र भाणावत, पूर्व आई ए एस,
उपाध्यक्ष, ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया, राजस्थान चैप्टर

भक्तिकाल के क्रांतिकारी समाज सुधारक "संत कबीर"

डॉ. जे.के. गर्ग

अनेको मान्यताओं के अनुसार काशी के एक जुल्लाह नीरू अपनी बीबी नीमा का गोना कराकर लहरतारा तालाब से होते हुए घर आ रहे थे तो उसकी बीबी नीमा को प्यास लगने लगी तब दोनों तालाब पर पानी पीने तब उन्होंने एक टोकरी में फूल-पत्ते की शय्या पर एक नवजात शिशु को देखा। नीरू-नीमा उस शिशु को उठाकर अपने घर ले आये और उसका लालन-पालन करने लग गये। वही बालक कबीर के नाम से प्रख्यात हुआ। इस प्रकार कबीर साहेब का जन्म-स्थान काशी है। कुछ लोगों का विचार है कि नीरू-नीमा को अपने गौना के समय नहीं, किन्तु उसके कई वर्षों के बाद लहरतारा पर बालक को देखा था। सवाल उत्पन्न होता है कि शिशु लहरतारा तालाब पर कहाँ से आया? इस बारे में मान्यता है कि एक विधवा या कुमारी ब्राह्मणी की कोख से यह शिशु पैदा हुआ था वो समाज से अपमानित होने के भय से नवजात बालक को लहरतारा तालाब पर छोड़ गयी थी। इस तरह से कबीर जन्म से हिन्दू थे किन्तु उनका लालन-पालन मुस्लिम परिवार के अंदर हुआ था।

बालक कबीर की शादी बचपन में ही कर दी थी। कबीर दास जी की पत्नी का नाम लोई था कबीर दास जी के एक पुत्र और एक पुत्री भी थी पुत्र का नाम कमाल था और पुत्री का नाम कमाली था यह उनकी रचनाओं द्वारा प्रमाणित होता है। मान्यताओं के अनुसार सद्गुरु कबीर का जन्म विक्रमी संवत 1456 की जेष्ठ शुल्क पूर्णिमा को काशी में हुआ था। कबीर पंच तत्वों में विलीन माघ शुक्ल एकादशी संवत् 1575 को मगहर में हुए थे। कबीर साहेब ने 120 वर्ष तक सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश दिया था। समस्त देश के अंदर 11 जून 2025 को संत कब्बर का जन्मोत्सव हर्ष उल्लास के साथ मनाया जायगा।

कबीर दास जी काशी के गंगा घाट के किनारे रहा करते थे ऐसा कहा जाता है कि कबीर दास जी गंगा घाट के किनारे बैठे हुए थे तभी वहां पर भक्गुति काल के प्रुरमुख गुरु रामानंद जी स्नान कर रहे थे रामानंद की नजर कबीर दास पर पड़ी जिसके कारण कबीर के मुंह से राम शब्द निकल पड़ा इसी राम शब्द को सुनकर गुरु रामानंद अत्यधिक प्रसन्न हुए तभी से रामानंद ने कबीर दास जी को अपना शिष्य बना लिया। उन्हें शिक्षा दी इस प्रकार कबीर दास जी के गुरु श्री रामानंद जी थे गुरु रामानंद जी ने कबीर दास को ज्ञान और भक्ति के दर्शन कराएं तथा उनके ज्ञान को विकसित करने में गुरु रामानंद जी ने भूमिका निभाई। कबीर दास जीसंत की साथ साथ दार्शनिककवि और समाज सुधारक भी थे। कबीर दास जी के मुख्य रचनाएंक रचनाएं (1) कबीर की साखियां (2) सबद (3) रमणी हैं। कबीर दास जी की सर्वोत्तम रचनाओं में उन पुस्तक सबद भी है है इस रचना में कबीर दास जी ने प्रेम और अंतरंग साधना का वर्णन खूबसूरती से किया गया है। संत कबीर की साखियां में ज्यादातर कबीर दास जी की शिक्षाओं का उल्लेख मिलता है और उसके सिद्धांतों का वर्णन इस रचना में बखूबी से किया गया है। कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन काशी में रहकर ही लोगों के कल्याण के लिए और सामाजिक बुराइयों और कुरुतियों का अंत करने के लिए लगा दिया मृत्यु के समय कबीरदास जी मगहर चले गए जो कि उत्तर प्रदेश में पड़ता है ऐसा कहा जाता है कि उस समय मगहर में रहने वाले लोगों को नर्क की प्राप्ति होती थी कबीर दास जी ने इसी अंधविश्वास को झूठा साबित करने के लिए मगहर चले गए कबीर दास जी की मृत्यु के समय मगहर चले गए ताकि समाज में फैली हुई अंधविश्वास को जड़ से रोका जा सके।

कबीर की निष्पक्षता, दो टूक कहने का ढंग और बड़े-बड़े रहस्यात्मक गुत्थियों को सरल-सहज उपमाओं के द्वारा व्यक्त करने की शैली की वजह कबीर को भक्ति काल के संतों में प्रमुख संत माना गया है। कबीर जी का मानना है कि जीवात्मा कह रही है कि 'तू है' 'तू है' कहते-कहते मेरा अहंकार समाप्त हो गया। इस तरह भगवान पर न्यौछावर होते-होते मैं पूर्णतया समर्पित हो गई। अब तो जिधर देखती हूँ उधर तू ही दिखाई देता है। संत कबीर कहा करते थे कि मेरे पास अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति, मेरी शारीरिक-मानसिक शक्ति, सब कुछ तुम्हारी ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है तो उसके प्रति ममता कैसी? तेरी दी हुई वस्तुओं को तुम्हें समर्पित करते हुए मेरी क्या हानि है? इसमें मेरा अपना लगता ही क्या है?

इसीलिए उन्होंने बतलाया कि मेंरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा। तेरा तुझकों सौंपता, क्या लागै है मेरा।

कबीरजी ने उपदेश दिया की यह माया बड़ी पापिन है। यह प्राणियों को परमात्मा से विमुख कर देती है तथा उनके मुख पर दुर्बुद्धि की कुंडी लगा देती है और राम-नाम का जप नहीं करने देती। अत: संत कहते है की कबीरमाया पापणीं, हरि सूँ करे हराम। मुखि कड़ियाली कुमति की, कहण न देई राम।। यह माया बड़ी पापिन है। यह प्राणियों को परमात्मा से विमुख कर देती है तथा उनके मुख पर दुर्बुद्धि की कुंडी लगा देती है और राम-नाम का जप नहीं करने देती।

सारे संसारिक लोग पुस्तक पढ़ते-पढ़ते मर गए कोई भी पंडित (वास्तविक ज्ञान रखने वाला) नहीं हो सका। परंतु जो अपने प्रिय परमात्मा को सुमिरन करता है अथवा अक्षर जपता है (या प्रेम का एक अक्षर पढ़ता है) वही सच्चा ज्ञानी होता है। वही परम तत्त्व का सच्चा पारखी होता है।

पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होइ।। आवन जावन व्है रहा, ज्यौं कीड़ी का नाल।

बेटा पैदा होने पर हे प्राणी थाली बजाकर इतनी प्रसन्नता क्यों प्रकट करते हो? जीव तो चौरासी लाख योनियों में वैसे ही आता जाता रहता है जैसे जल से युक्त नाले में कीड़े आते-जाते रहते हैं। कीड़े, यह तुम्हारी मूर्खता है कि तुम पहले जाति पूछते हो, फिर उसके हाथ का पानी पीते हो। तुम जिस मिट्टी के घर में बैठे हो उसमें सारी सृष्टि समाई हुई है। छप्पन करोड़ यादव और अठासी हज़ार मुनि यहाँ डूब गए और क़दम-क़दम पर गड़े हुए पैग़म्बरों की लाशें सड़कर मिट्टी हो गई है। अरे पाँड़े, ये बर्तन उसी मिट्टी के हैं और तुम जाति पूछकर पानी पीते हो। इस पानी में मगर, कछुए और घड़ियाल बच्चे देते हैं और उनका ख़ून पानी में मिल जाता है। इस नदी के पानी में सारा नर्क (गंदी चीज़ें) बहकर आता है और जानवर और इंसान सब इसमें सड़ते हैं। जब हड्डी और गूदा गल जाता है तब दूध बनता है। इस दूध को लेकर पाँड़े भोजन करने बैठते हैं लेकिन सारी छुआछूत मिट्टी में मानते हैं। हे पाँड़े, वेद और क़ुरान सबको छोड़ दो। ये सब दिल का धोखा है। कबीर कहते हैं कि ये तुम्हारे कर्म हैं जो तुम्हारे सामने आते हैं। शाश्वत सत्य की बातें कहते हुए भी किसी परंपरा से जुड़े रहकर किसी धर्मग्रंथ, ईश्वर-अवतार, पैगंबर आदि की बैसाखी पकड़े रहे, वहाँ कबीर सारी परंपराओं से हटकर सबके सार-तत्व को स्वीकार करते हुए पक्षपात नहि बचन, सबहिं के हित की बातें कहते रहे, वह भी सरे बाजार चौराहे पर खड़े होकर एक अकेला और निद्वन्द्वी।

उनकी सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्षता ने उनके व्यक्तित्व को ऐसा महनीय मोहक और चुम्बकीय बना दिया था कि जो उनके पास गया, उनका ही होकर रह गया।

कबीरदेव ऐसे महत्तम संत हैं जो केवल भारतीय परंपरा ही नहीं, अपितु विश्व मानवता के मूल उत्स को पकड़ते हैं और सबको वहीं ले जाना चाहते हैं, जहाँ पहुँचकर वर्ण, वर्ग एवं मत-पंथगत सारे भेदभाव निस्सार हो जाते हैं और जहाँ से प्रेम की निर्मल, स्निग्ध और शीतल धारा प्रवाहित होकर सबको सराबोर कर देती है। पूरी मानवता को आत्मसात करने वाली प्रेम की निर्मल धारा में कबीरदेव ऐसे चौराहे पर खड़े हैं, जहाँ सारे रास्ते आकर मिलते हैं। यह कहना अतिश्योक्तेकति नहीं होगी कि कबीर में पूरी मानवता का सार समाया हुआ है। कबीर पहले भारतवासी हैं, जिन्होंने सारी मानव जाति के लिए एक सामान्य धर्म का निर्भीकता के साथ उपदेश दिया। कबीर साहेब की वाणियों में आये हुए आध्यात्मिक रूपकों के रहस्य को न समझकर तथा उनका मूल रहस्य खोल कर महान काम किया है। विद्वानों ने उनको गृहस्थ सिद्ध करने की चेष्टा की है जो सर्वथा अनर्थ है।

कुछ विद्वान कबीर साहेब को आजीवन गृहस्थ बताते हैं और कुछ बताते हैं कि वे पहले गृहस्थ थे किन्तु पीछे से विरक्त हो गये थे। यह सर्वविदित है कि कबीर साहेब देश विदेशे हौं फिरा होते हुए भी जीवात्मा कह रही है कि 'तू है' 'तू है' कहते-कहते मेरा अहंकार समाप्त हो गया। इस तरह भगवान पर न्यौछावर होते-होते मैं पूर्णतया समर्पित हो गई। अब तो जिधर देखती हूँ उधर तू ही दिखाई देता है।

तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही
संत कबीर के चरणो मैं कोटि कोटि नमन्।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्ण संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा

कृत्रिम बुद्धिमता क्रांति : विकसित भारत का रोडमैप

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एक महत्वकांक्षी दस्तावेज "इंडिया एआई क्रांति: विकसित भारत के लिए रोडमैप" जारी किया गया है जो भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनाने की दिशा में एक रणनीतिक खाका प्रस्तुत करता है। यह मिशन न केवल तकनीकी नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, बल्कि रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी व्यापक संभावनाएँ प्रस्तुत करता है। इस रिपोर्ट के रोजगार सृजन से संबंधित डेटा और इसके प्रभावों का विश्लेषण है साथ ही यह विश्लेषण भी है कि अगले दशक में यह भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को कैसे प्रभावित कर सकता है।

इंडिया एआई मिशन 2024 में 10,372 करोड़ के बजट के साथ स्वीकृत मिशन है जो अगले पांच वर्षों में भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने का लक्ष्य रखता है। यह मिशन सात प्रमुख क्षेत्रों 1. कम्प्यूटिंग/एआई बुनियादी ढांचा , 2. डेटा, 3. प्रतिभा, 4. अनुसंधान और विकास, 5. पूंजी, 6.एल्गोरिदम, और 7.अनुप्रयोग पर केंद्रित है । इसके लिए डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के तहत एक स्वतंत्र व्यवसाय इकाई, 'इंडिया एआई' स्थापित की है।

इस मिशन का उद्देश्य भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और डेटा-आधारित शासन को बढ़ावा देना है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक 967 बिलियन डॉलर का योगदान दे सकता है और 2025 तक भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी लक्ष्य में 450-500 बिलियन डॉलर का योगदान दे सकता है, जो कुल जीडीपी का 10 फीसदी है। यह आर्थिक वृद्धि रोजगार सृजन के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगी, विशेष रूप से तकनीकी और डेटा संचालित क्षेत्रों में।

इंडिया एआई मिशन और संबंधित रिपोर्टें रोजगार सृजन की अपार संभावनाओं की ओर इशारा करती हैं। विश्व आर्थिक मंच की फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत में एआई और संबंधित प्रौद्योगिकियों के बढ़ते उपयोग से तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। लगभग 67 फीसदी भारतीय कंपनियाँ विविध प्रतिभा पूल से कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना बना रही हैं, जो वैश्विक औसत 47 प्रतिशत से कहीं अधिक है। ईवाई इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक जेनेरेटिव एआई भारत में 38 मिलियन नौकरियों को प्रभावित कर सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था में 2.61 फीसदी की उत्पादकता वृद्धि होगी। असंगठित क्षेत्र में जेन ए आई को अपनाने से अतिरिक्त 2.82 फीसदी उत्पादकता वृद्धि हो सकती है।

इंडियन एक्सप्रेस का अनुमान है कि 2025 तक एआई के क्षेत्र में लगभग 20 मिलियन नौकरियाँ सृजित हो सकती हैं, जो चिकित्सा, कृषि, मौसम पूर्वानुमान, शहरी नियोजन, और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे विविध क्षेत्रों में होंगी।

एआई और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ, डेटा वैज्ञानिक, सूचना और सुरक्षा विश्लेषक, और बिग डेटा विशेषज्ञ जैसे नए रोजगार क्षेत्र उभर रहे हैं। सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से डिजिटल सेवाएँ, वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवाएँ, और ई-कॉमर्स 2030 तक 100 मिलियन से अधिक नौकरियाँ सृजित करने की क्षमता रखते हैं।भारत में सेमीकंडक्टर और क्वांटम एन्क्रिप्शन जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ रहा है, जिससे तकनीकी नौकरियों में वृद्धि होगी। 35 फीसदी भारतीय नियोक्ता सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों को अपनाने की योजना बना रहे हैं, जो वैश्विक औसत से अधिक है।

इंडिया एआई मिशन के तहत 'फ्यूचर स्किल्स प्राइम' और 'यूवाएआई: यूथ फॉर उन्नित एंड विकास विद एआई' जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जो युवाओं को एआई-संबंधित कौशल प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

वर्ल्ड इकोनोमिक फोर्म की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत के 63 फीसदी श्रमिकों को प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी, लेकिन 12 फीसदी को अपस्किलिंग में कठिनाई हो सकती है, जो लगभग 70 मिलियन श्रमिकों को प्रभावित कर सकता है।

मिशन समावेशी रोजगार सृजन पर जोर देता है। भारत में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी दर लगभग 33 फीसदी है जो वैश्विक औसत 50 फीसदी से थोड़ा कम है। इंडिया एआई मिशन और संबंधित पहल ठाामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को लक्षित करके विविध कार्यबल निर्माण पर ध्यान दे रही हैं। भाषाई विविधता को संबोधित करने के लिए, भाशिनी जैसे प्रोजेक्ट्स के माध्यम से 500 मिलियन डिजिटल रूप से असंबद्ध भारतीयों को वॉयस-आधारित इंटरफेस के माध्यम से सेवाएँ प्रदान करने की योजना है। रोजगार सृजन की संभावनाओं के बावजूद, कुछ चुनौतियाँ हैं जो इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं।

डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तकनीकी प्रतिभा की कमी नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने में बाधा डाल रही है। इकोनॉमिक सर्वे 2024-25 में चेतावनी दी गई है कि एआई के कारण निम्न-कौशल वाली नौकरियाँ, जैसे प्रशासनिक और डेटा प्रविष्टि भूमिकाएँ, खतरे में पड़ सकती हैं। इसके अलावा एआई और डीपटेक में दीर्घकालिक निवेश की कमी एक चुनौती है।

ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए समावेशी कौशल प्रशिक्षण चुनौती से निपटने में कारगर हो सकता है साथ ही इंडिया डेटासेट्स प्रोग्राम जैसे प्लेटफॉर्म डेटा की सटीकता और गोपनीयता सुनिश्चित करेंगे। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है।

कुल मिलाकर इंडिया एआई मिशन भारत के लिए एक परिवर्तनकारी अवसर प्रस्तुत करता है, जो न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। 2030 तक 38 मिलियन नौकरियों को प्रभावित करने और 2025 तक 20 मिलियन नई नौकरियाँ सृजित करने की संभावना के साथ, यह मिशन भारत को वैश्विक एआई हब बनाने की दिशा में अग्रसर है। हालांकि, कौशल विकास, समावेशी नीतियों और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। भारत सरकार की यह पहल न केवल तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगी, बल्कि एक समावेशी और सतत आर्थिक भविष्य का निर्माण भी करेगी।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक है।)

राशिफल मंगलवार 10 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधो नक्षत्र सायं 6:02 तक, सिद्ध योग दिन 1:44 तक, वणिज करण दिन 11:36 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सायं 6:02 तक है। राजयोग दिन 11:36 से सायं 6:02 तक है। भद्रा दिन 11:36 से रात्रि 12:25 तक है। आज बुध उदय पश्चिम में दिन 12:19 पर होगा। आज चांद पूर्णिमा व्रत, चम्पक चतुरदशी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:01 से 10:43 तक, लाभ अमृत 10:43 से 2:08 तक, शुभ 3:51 से 5:33 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:31, सूर्यास्त 7:16

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कर्क
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अतिथियों का आगमन रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

सार-समाचार

प्याऊ का संचालन शुरू

करौली, (निसं)। नव सृजन फाउंडेशन की ओर से करौली के राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रेरित युवा भाई धीरज की पुण्य स्मृति में एक विनम्र नवाचार पानी की प्याऊ का संचालन शुरू किया है। करौली शहर के फूटाकोट स्थित टंटा हनुमान मंदिर पर पानी कि प्याऊ का संचालन किया गया है आगे भी इनकी स्मृति के रूप में सेवाभाव के कार्य टीम के द्वारा संचालित होते रहेंगे। इस अवसर पर युवा वैभव पाल ने बताया की सभापति प्रतिनिधि सुशील शर्मा सहित शहर के गणमान्य वरिष्ठ नागरिकएव वैभव शुक्ला, तपन व्यास, राहुल जादौन, महेंद्र जादौन, मन्नू शर्मा,यश पाराशर, आकाश राजावत, नीरज शर्मा,उत्कर्ष शर्मा, केशव भारद्वाज,कान्हा व्यास, पंकज जोशी,लवकुश शुक्ला शिवम सैन एवं आदि युवा उपस्थित रहे।

सतसंग व प्रसादी का कार्यक्रम आज

हिण्डौन सिटी, (कासं)। महवा रोड स्थित महन्त केवलदास समाधि स्थल पर हर वर्ष की इस बार भी सदगुरू कबीर प्रागटय दिवस के अवसर पर शोभायात्रा व सत्संग का कार्यक्रम मंगलवार को रखा जाएगा। जानकारी देते हुए प्रकाश कबीरा व रिटा. अध्यापक गिर्राज प्रसाद बताया कि 10 जून मंगलवार को महन्त, दीवान, संत श्रद्धालु स्नेहीजन को आमंत्रित करते हुए सदगुरू कबीर साहेब की असीम कृपा से कबीर आश्रत पर सदगुरू कबीर प्रागटय दिवस 10 जून मंगलवार को होगा। इस अवसर पर शोभायात्रा आनन्दी चौका, सत्संग एवं भोजन प्रसादी का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रातः 7.15 बजे से शोभायात्रा जाटव छात्रावास से सदगुरू कबीर आश्रम तक दोपहर 1 बजे से सायं 5 बजे तक भोजन प्रसादी व सायं 6 बजे से आनन्दी चौका व सत्संग का कार्यक्रम होगा।

जुआ खेलते चार जने गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। उदेई मोड थाना पुलिस ने राजमहल होटल के पीछे शानू फॉर्म हाउस से जुआ खेलते चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 12,400 रुपए नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना के सुपरविजन में थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। सहायक उप निरीक्षक भगवत सिंह को नादौती सर्किल गंगापुरसिटी में मुखबिर से सूचना मिली थी। गिरफ्तार आरोपियों में हिंडौनसिटी के अल्ताब उर्फ गुल्लक (24), गंगापुरसिटी के रामकेश (35), श्रीमहावीरजी के संजय (25) और गंगापुरसिटी के मोनू जाटव (28) शामिल हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ थाना उदेई मोड में मामला दर्ज कर लिया है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक भगवत सिंह, कॉन्स्टेबल पवन कुमार, बनवारीलाल और जयप्रकाश की टीम शामिल रही।

सोनोग्राफी सेंटर का किया निरीक्षण

करौली, (निसं)। जिले में पीसीपीएनडीटी अधिनियम की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीएमएचओ डॉ जयंतीलाल मीणा ने 3 सोनोग्राफी सेंटर का औचक निरीक्षण एफ फॉर्म की जांच की और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के निर्देश प्रदान किये। सीएमएचओ द्वारा भगवान महावीर हॉस्पिटल स्थित सोनोग्राफी सेंटर, पारस सोनोग्राफी सेंटर और एस. आर. सोनोग्राफी का औचक निरीक्षण किया जहां उन्होंने सेंटर संचालक को पीसीपीएनडीटी एक्ट की पालना के निर्देश प्रदान कर रजिस्ट्रेशन रजिस्टर और फार्म एफ की स्थिति से अवगत हुए और विजिट रजिस्टर बनाने, तरीकेबद्ध डाटा इंद्राज करने और कमियों को समय पर पूरा करने के निर्देश प्रदान कियेजिला कार्यक्रम समन्वयक पीसीपीएनडीटी नगीना शर्मा ने एक्टिव ट्रेकर की जानकारी जुटाकर मुखबिर योजना की आईईसी प्रदर्शन बढ़ाने की आवश्यकता जताई। निरीक्षण दौरान डीपीसी-आईईसी लखन सिंह लोधा मौजूद रहे।

एक दिवसीय कन्हैया दंगल कल

करौली, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित खादी भंडार के सामने आम बस्ती कि ओर से एक दिवसीय विशाल कन्हैया दंगल का आयोजन 11 जून बुधवार को किया जा रहा है। आयोजन समिति के भैरोलाल ठेकेदार ने बताया कि विशाल कन्हैया दंगल में कन्हैया दंगल पार्टी दुर्गेसी घटा दिमाचडी मंडावरी और बाडा पिपलाई कन्हैया दंगल पार्टी शामिल होकर धार्मिक रचनाओं को कन्हैया के माध्यम से दंगल में प्रस्तुत कर लोगों का मनोरंजन करेंगी आयोजन खादी भण्डार आम बस्ती की ओर से आयोजित किया जा रहा है आयोजन को सफल बनाने के लिए गिर्राज ठेकेदार,मन्नू ठेकेदार,लाला भगत,गोपी,झंडू ठेकेदार सहित आम बस्ती की ओर से तैयारी की जा रही है।

बजट घोषणाओं व योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

भरतपुर, (निसं)। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विभागवार बजट घोषणाओं एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिला कलक्टर ने आगामी हरियालो राजस्थान अभियान अंतर्गत पौधारोपण करने के लिए विभागवार शीघ्र ही स्थान चिन्हित कर गड्ढे करने के निर्देश दिए, सभी संबंधित अधिकारी विभागवार अपनी मांग वन विभाग और जिला परिषद को भिजवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यानुसार नर्सरियों में पौधे तैयार रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने 20 जून तक आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत के विभागवार विभिन्न गतिविधियों को निर्धारित पोर्टल में अपलोड करने के निर्देश दिए, साथ ही सभी संबंधित अधिकारी अपने विभागवार जल संरक्षण, जल स्त्रोतों की सफाई, तालाब, बावडी निर्माण, परंपरागत जलाशयों के पुनरूद्धार, वृक्षारोपण के लिए गड्ढे करने, पर्यावरण व जल संरक्षण की गतिविधियां संचालित कर कार्य में प्रगति करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार समीक्षा करते हुये आरबीएम अस्पताल में नवीन ब्लॉक में एवं क्रिटिकल केयर यूनिट अन्य वार्डों के कार्यों में प्रगति एवं जनाना अस्पताल के पीछे दीवार बनाने और गेट लगाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने शहर के बाईपास निर्माण, फ्लाईओवर के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक स्वीकृतियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस के सहयोग से एलसी 38 आरओबी से अतिक्रमण हटाकर रोड ओवर ब्रिज निर्माण कार्य में प्रगति करें। उन्होंने कहा कि बरसात आने से पूर्व सुरक्षा की दृष्टि से शीघ्र क्षतिग्रस्त सडकों पर पैचवर्क किया जाए जिससे आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने यातायात चौराहे से भगतसिंह चौराहे तक के अधूरे सडक मार्ग को शीघ्र ही पूरा कर डामरीकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने आरएसआरडीसी से आयुर्वेद कॉलेज के नवीन भवन निर्माण कार्य, उच्चौन आईटीआई, बैर आईटीआई, लोहागढ़ स्टेडियम में स्पोर्ट कॉम्पलेक्स के सिंथेटिक ट्रैक सहित अन्य कार्यों में प्रगति करने एवं कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने दीनदयाल नगर में अतिक्रमण हटाकर पौधारोपण करने की कार्य योजना बनाए एवं तारबंदी भी की जाए। रणजीत नगर में भी पौधारोपण करने हेतु गड्ढे करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने बरसात से पूर्व शहर में नालियों और नालों की साफ-सफाई करवाने, सीवरेज के कार्यों को गति देने, शहर के सभी जल कुण्डों की सफाई करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एडीएम सिटी को निर्देश दिए कि रात्रि में शहरी क्षेत्र की सडकों एवं चौराहे पर रोड लाइट नियमित सुचारू रूप से संचालित रहे। उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई एवं समाधान के लिए त्रिस्तरीय जनसुनवाई में एवं राजस्थान मुख्यमंत्री सम्पर्क पोर्टल पर स्टार एवं लंबित प्रकरणों की प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए।जिला कलक्टर ने कहा कि सभी विभाग बजट घोषणाओं, बजट घोषणाओं सांसद एवं विधायक निधि के स्वीकृत कार्यों की प्रगति के निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुये कार्यकारी ऐजेन्सियों के साथ संबंधित विभाग भी कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखकर समयबद्धता से कार्य पूरा कराने के लिये टीम भावना के साथ कार्य करें।

उन्होंने सडक निर्माण, भवन निर्माण कार्य, पेयजल, विद्युत सुविधाओं से संबंधित कार्य को गति देते हुये शीघ्रता से कराने के निर्देश दिए।इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद मृदुलसिंह, अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, शहर राहुल सैनी, सचिव बीडीए नीलिमा तक्षक, निदेशक घना मानस सिंह, सीओ सिटी पंकज यादव सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भरतपुर में जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

सार-समाचार

रात्रि चैपाल कार्यक्रम जारी

करौली, (निसं)। जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने जून माह के लिये रात्रि चैपाल कार्यक्रम जारी किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप 13 जून शुक्रवार को करौली पंचायत समिति की ठाम पंचायत काशीपुरा, 17 जून मंगलवार को नादौती पंचायत समिति की ठाम पंचायत बरदाला, 24 जून मंगलवार को मण्डरायल पंचायत समिति की ठाम पंचायत पांचौली, 26 जून गुरूवार को हिण्डौन पंचायत समिति की ठाम पंचायत लहचौडा में सांय 6.30 बजे से रात्रि चैपाल आयोजित कर संवेदनशीलता के साथ जन समस्याऐं सुनी जायेंगी और मौके पर अधिक से अधिक परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करवाया जाकर परिवादियों को राहत प्रदान की जाएगी। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिये।

विकलांग सहायता समिति ने दिव्यांगों को उपकरण बांटे

भरतपुर, (निसं)। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा समिति प्रांगण में सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आनंद गुप्ता, न्यू फ्रेन्ड्स कॉलोनी दिल्ली, दीपिका मेहता, सुभाष बंसल ,बंसल मिष्ठान भंडार, बासन गेट भरतपुर, प्रतिभा आर्य भरतपुर, एवं प्रमोद कुमार सिंघल, क्लॉथ मर्चेन्ट, पुराना डाक खाना भरतपुर के सहयोग से दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, कान की मशीन, कृत्रिम पैर प्रदान किए गए। इस अवसर पर संस्था सचिव डॉ यू.एस. जूरैल, कोषाध्यक्ष दीपिका मेहता, कार्यकारिणी सदस्य, चंद्रशेखर लवानिया, आजीवन सदस्य लोकेश सिंघल, समिति कर्मचारी कृष्ण कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

जल संरक्षण संरचनाओं के कार्य शुरू

करौली, (निसं)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने बताया कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाडे के तहत सोमवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग एवं स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण द्वारा नवीन अमृत सरोवर व नये जल संग्रहण एवं जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का शुभारम्भ किया गया। हरियालो राजस्थान के अंतर्गत खड्डे आदि बना कर आगामी वर्षा ऋतु में रोपित किये जाने हेतु पौधारोपण की तैयारी की गई। प्राचीन तालाब, जोहड इत्यादि की साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य किये गये। वहीं घास बुआई की पूर्व तैयारी साथ ही चारागाहों का चिन्हीकरण एवं पौधारोपण कार्यों की अठीम तैयारी की गई। उन्होंने बताया कि "कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान" के तहत आवश्यक स्वीकृति, गावों के जल स्त्रोतों की मैपिंग, साफ-सफाई, मरम्मत, सोख्ता गड्ढो की साफ-सफाई, गांवो के मुख्य मार्गो, चैराहों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई का कार्य श्रमदान कर किया गया। इसके साथ ही सार्वजनिक निर्माण द्वारा सरकारी भवनों में स्थित त्ज्ॅभ्ृ की साफ-सफाई, रोड साइड पौधारोपण हेतु अग्रिम तैयारी की गई। कलेक्टर ने बताया कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाडे के तहत आज 10 जून मंगलवार को जलठाहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.1 के अंतर्गत किये गये पूर्ण कार्यों का अवलोकन, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.2 के अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों को स्वीकृत करने की कार्यवाही कि।

आम सूचना

मैं कि सुरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. इन्दल सिंह आयु 58 वर्ष जाति जाट निवासी ग्राम बीलौठ उप तहसील लखनपुर तहसील नदबई जिला भरतपुर (राज.) हाल निवासी म.नं. 241, जसवन्त नगर, भरतपुर (राज.) का हूं। मैं शपथपूर्वक बयान करता हूं कि मेरा पुत्र राजकुमार व उसकी पत्नी श्रीमती संजू उर्फ कीर्ति झगडालू किस्म के लोग हैं, आये दिन बेवजह तंग व परेशान करते हैं एवं गाली-गलौच करते रहते हैं। राजकुमार घर में आये दिन उत्पात मचाता है एवं गलत संगत में पड गया है। ये दोनों मेरा व मेरी पत्नी का कहना नहीं मानते हैं व समझाने पर झूठे मुकदमे लगाने की धमकी देते हैं तथा संजू उर्फ कीर्ति के परिजन मेरे व मेरी पत्नी के विरूद्ध दहेज का झूठा मुकद्मा लगाने की धमकी देते हैं। इसलिए मैं मेरे पुत्र राजकुमार व उसकी पत्नी संजू उर्फ कीर्ति को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। भविष्य में मेरा पुत्र राजकुमार व संजू उर्फ कीर्ति किसी से कोई लेन-देन करते हैं या पूर्व में कोई लेन-देन किया हो या किसी प्रकार की अवैध हरकतें एवं मुकद्मेबाजी करते हैं तो उसके लिए समस्त कानूनी, विधिक व आपराधिक कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। जिससे मेरा व मेरी पत्नी का कोई भी संबंध व सरोकार नहीं होगा।

आम सूचना

मैं गुड्डी बाई पत्नि स्व. श्री रामभजन मीना निवासी माँच तह. व जिला करौली शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरे पति श्रीरामभजन मीना की 06.06.2024 को मृत्यु हो चुकी है। जिसके नाम एक ट्रैक्टर नं. RJ34RA7902 हैं। मैं उनकी धर्मपत्नि हूँ। अब उनके नाम के वाहन को मेरे नाम कराना चाहती हूँ। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह 7 दिवस के अन्दर जिला परिवहन कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकता है। समय निकलने बाद आपत्ति स्वीकार नही मानी जावेगी।

अपील की सुनवाई के लिये नियम दिन की प्रत्यर्थी को सूचना

(आदेश 41 के नियम 14)

नाम न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी स्थान सवाई माधोपुर

मंजू वगै. विरूद्ध विकास वगै.

अपील 225 आर.टी.एक्ट

अपील नं.... सन....

श्रीमान S.D.O. सी टोडाभीम के न्यायालय की तारीख 28/6/24 को.... की अपील

नाम मोहर सिंह पुत्र धुन्धी जाति मीना स्थान लाडपुर तहसील टोडाभीम जिला करौली

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में.... की डिक्री की अपील... द्वारा उपस्थित की गई इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है इस अपील की सुनवाई के लिये इस न्यायालय द्वारा ता. 17 माह 06 सन् 25 नियत की गई है।

यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।

यह आज तारीख 02 माह 06 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

अन्तर्गत धारा 225 आर.टी.एक्ट

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी महोदय सवाई माधोपुर

1. मंजू पत्नि अभिषेक जाति जागा निवासी शिवजी नगर, शास्त्री नगर, जयपुर।
2. रीना देवी पत्नी प्रहलाद जाति मीना निवासी नसिया कोलोनी गंगापुरसिटी तह. व जिला गंगापुर सिटी।

....अपीलान्टस्

बनाम

1. विश्राम पुत्र शिवलाल
2. लज्जा पुत्री शिवलाल
3. हुकनबाई पुत्री शिवलाल
4. बिरना पुत्री शिवलाल
5. चौथी पुत्री शिवलाल
6. बालकिशन पुत्र श्रीराम
7. सोनबाई पत्नी श्रीराम
8. लख्खो बाई पुत्री श्रीराम
9. नीरी पुत्री श्रीराम
10. गुड्डी पुत्री श्रीराम
11. किन्तों पुत्री श्रीराम
12. रामसहाय पुत्र जोहरी
13. धर्मी पुत्र भीका
14. भम्बल पुत्र भीका
15. काडू पुत्र भीका
16. धनौला पुत्री भीका
17. लोटनबाई पुत्री भीका
18. लखनबाई पुत्री भीका
19. गल्ली पुत्री भीका
20. मल्ली पुत्री भीका
21. निरमा पुत्री भीका
22. सरोज पुत्री भीका
23. मोतीलाल पुत्र धुन्धी
24. रामप्रसाद पुत्र धुन्धी
25. मोहरसिंह पुत्र धुन्धी 4
26. रणवीर पुत्र धुन्धी
27. भूरी पुत्री धुन्धी
28. काडी देवी पत्नी धुन्धी समस्त जातियान मीना निवासी लाडपुर तहसील टोडाभीम जिला गंगापुरसिटी।
29. कल्लू बेग पुत्र अहमद बेग
30. जरीना पुत्री अहमद बेग, जातियान मुसलमान निवासीयान काजी, पाडा, टोडाभीम तहसील टोडाभीम, जिला करौली
31. रहीसा पुत्री अहमद बेग, जातियान मुसलमान निवासीयान काजी, पाडा, टोडाभीम तहसील टोडाभीम, जिला करौली
32. सितारा पुत्री अहमद बेग, जातियान मुसलमान निवासीयान काजी, पाडा, टोडाभीम तहसील टोडाभीम, जिला करौली
33. तहसीलदार महोदय, तहसील टोडाभीम।
34. सबरजिस्ट्रार महोदय, तहसील टोडाभीम।

मोहर रेस्पोण्डेन्टस

ग्रीष्मकालीन अभिरूचि शिविर का निरीक्षण किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। अग्रवाल महिला सेवा समिति गंगापुर सिटी द्वारा अग्रवाल खंडेलाल भवन ट्रस्ट (श्री बद्रीनाथ जी के मंदिर) में ग्रीष्मकालीन अभिरुचि 15 दिवसीय समर शिविर में निरीक्षण करने हेतु समाज के पदाधिकारी वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र गर्ग, जिला अध्यक्ष गोविंद बरनाला, अग्रवाल कर्मचारी विकास समिति अध्यक्ष राधामोहन गोयल ने कैंप का निरीक्षण कर शिविर की काफी सराहना की।

इस अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल अध्यक्ष पदमा अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल खंडेलवाल धर्मशाला ट्रस्ट समिति अध्यक्ष रविंद्र खण्डेलवाल, चंचल गुप्ता अनीता मित्तल, महेंद्र गर्ग व संतोष गर्ग, अध्यक्ष पदमा अग्रवाल सहित समाज के पदाधिकारियों द्वारा सभी बच्चों को रोजाना अल्पाहार कराया जा रहा है। जिला अध्यक्ष रेखा गर्ग ने शिविर की व्यवस्थाओ की सराहना करते हुए आयोजक मण्डल को धन्यवाद दिया। शिविर मुख्य संयोजक सरोज गर्ग और मंजू मंगलम ने बताया कि 150 के करीब रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। अग्रवाल विकास कर्मचारी परिषद अध्यक्ष राधा मोहन गोयल, देवेंद्र अकाउंटेंट , घनश्याम गुप्ता, बालकृष्ण बंसल द्वारा आज सभी बच्चों को आइसक्रीम वितरित की गई।

ब्राह्मण समाज प्रदेश उपाध्यक्ष सावित्री शर्मा, तहसील अध्यक्ष रेणु व्यास ने रविवार को शिविर कार्यक्रम का निरीक्षण किया और अग्रवाल महिला सेवा समिति द्वारा लगाए गए शिविर को देख के बहुत उत्साहित होते हुए कहा कि इस तरह के कैंप रोजगार की दिशा अंकित करते हैं। इस दौरान हंसा जिंदल, अनीता पंसारी, अंजू जिंदल, अंजू मालपानी, हेमलता अग्रवाल, हेमलता सिंघल, लक्ष्मी गुप्ता, सुनीता तुलारा, कृष्णा गुप्ता, गीता गर्ग आदि महिलाएं उपस्थित थी।

अभिरूचि शिविर का अवलोकन करती समाज की महिलाएं।

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

करौली, (निसं)। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग बबलू शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पिछडे वर्ग के छात्र-छात्राओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि इसी कडी में निःशुल्क अनुदानित छात्रावास एवं आवासीय विद्यालय एक मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है जिसके माध्यम से छात्र-छात्राऐं आसानी से अपना पंजीयन करवा कर पात्रता अनुसार अधिक से अधिक लाभ ले सकते है। विभाग द्वारा संचालित विद्यालय, महाविद्यालय स्तरीय राजकीय एवं अनुदानित छात्रवासों एवं आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि प्रवेश के संबंध में विभाग द्वारा ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किये जाने की व्यवस्था लागू की है। जिसके अन्तर्गत विभागीय छात्रावासों में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रवेश पोर्टल के माध्यम से भरे जायेगे।

हर्षवर्धन शर्मा सलाहकार नियुक्त

गंगापुर सिटी, (निसं)। निदेशालय स्थानीय निकाय विभाग राज.सरकार जयपुर ने आदेश के द्वारा नगर परिषद गंगापुर सिटी में स्थानीय न्यायालयों में पैरवी हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता हर्षवर्धन शर्मा एवं दिनेश चंद्र शर्मा एवं रजत गुप्ता को विधि सलाहकार नियुक्त किया है।

पोस्टर व मॉडल प्रतियोगता आयोजित

भरतपुर, (निसं)। कृषि महाविद्यालय भुसावर पर ग्रामीण उद्यमिता कृषि जागरूकता अभियान के तहत कृषि स्नातक विद्यार्थियों को उच्च कृषि तकनीकी ज्ञान से अवगत कराने के लिए पोस्टर एवं मॉडल प्रतियोगता आयोजित की गयी।

महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि प्रदर्शित मॉडलों में समन्वित कृषि मॉडल सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। उन्होंने बताया कि किसानों को समन्वित खेती अपनानी चाहिए। किसान अपने खेत पर गेंहू, सरसों, बाजरा, ज्वार, तिल आदि फसलें उगाते है, यह एकल खेती किसानों के लिए लाभकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि किसान फसलों के साथ बागबानी व पशुपालन भी अपनायें। फसलों से उत्पादित भूसा व दाना पशुओं के चारे के काम आयेगा। पशुओ के दूध से अधिक आमदनी होगी। उन्होंने कहा कि किसान गोबर गैस प्लांट भी लगाये। गोबर गैस प्लांट से गैस मिलेगी जिससे रसोई में खाना बनाने व घर में प्रकाश करने के काम में लाया जा सकता। उन्होंने बताया कि इससे प्राप्त स्लरी एक बेहतरीन खाद होता है जो कि खेत की सेहत सुधारने व फसलोत्पादन बढाने से उपयोगी है। किसान अपने ट्यूबवैल पर परिवार के उपयोग लायक फल व सब्जी भी उगाये। फल एवं सब्जियों की उच्च तकनीकी खेती किसान के लाभ को कई गुना बढा देती है। समन्वित खेती में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है, इससे किसान की आमदनी बढती है।

साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

करौली, (निसं)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आवश्यक सेवाओं के सम्बन्ध में साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कलेक्टर ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये व कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सक्रिय व समन्वयता से कार्य करने को कहा। उन्होंने बताया कि आगामी वर्षा में मानसून को देखते हुए वर्षा जल संरक्षण व संग्रहण को बढावा देने एवं अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए आमजन को जागरूक करें। जिससे अभियान को जिले में सफल बनाया जा सके। जिला कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीणा को विभिन्न स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संस्थानों के नियमित निरीक्षण, चिकित्सालयों में दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, मौसमी बीमारियों के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने, विद्युत विभाग के अधिकारी को सुचारू रूप से बिजली की आपूर्ति सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए आदेशित कियाबैठक में गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने जिले के शहरी एवं ठामीण क्षेत्रों में सुव्यवस्थित जलापूर्ति बनाये रखने के लिए जन-स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभागके अधीक्षण अभियंता प्रकाशचंद मीना को निर्देशित किया। जिससे गर्मियों के दिनों में किसी भी प्रकार के पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। बैठक में उन्होंने अधीक्षण अभियंता से मौजूदा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से संबन्धित जानकारी प्राप्त की। जल जीवन मिशन के अंतर्गत वर्तमान प्रगति की समीक्षा की और हेंडपम्प मरम्मत अभियान की प्रगति के सम्बंध में विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की। इस दौरान जिला कलक्टर ने पीएचईडी, विद्युत व चिकित्सा विभाग को सक्रिय रहकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये है। बैठक में जिला कलेक्टर ने कृषि, सडक, पेयजल व विद्युत आपूर्ति, मौसमी बीमारी, संपर्क पोर्टल, ई-फाइलिंग निस्तारण समय आदि की जिले में प्रगति की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने कहा कि समस्त अधिकारी राजस्थान संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री कार्यालय, लोकायुक्त कार्यालय, मानवाधिकार आयोग कार्यालय, संभागीय आयुक्त कार्यालय से प्राप्त प्रकरण, जनसुनवाई व रात्रि चैपालों में प्राप्त प्रकरणों एवं 90 दिन से लंबित चल रहे परिवादों का निर्धारित समय सीमा से पूर्व निस्तारण कर आमजन को राहत दिलवाना सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने राज्य सरकार की मंशा अनुरूप आगामी मानसून के देखते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मार्मिक पहल हरियालो राजस्थान के तहत वृहद वृक्षारोपण महाअभियान को जिले में सफल बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां विभागवार सुनिश्चित करने के निर्देश समस्त विभागाध्यक्षों को दिये।

जिला कलेक्टर ने राजस्व, माइनिंग, सेल टैक्स, परिवहन एवं आबकारी विभाग को राज्य सरकार की मंशा के अनुसार शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसके अलावा अन्य लंबित प्रकरणों को समय सीमा में निस्तारण करने, ई-फाईल एवं ई-डाक पर शत-प्रतिशत कार्यवाही कर नियमित रूप से डिस्पोजल करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल, उप वन संरक्षक सुमित बंसल आदि मौजूद रहे।

क्रिश्चियन मोर्चा ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, सौंपा मांगपत्र

भरतपुर, (निसं)। देश में ईसाई समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा व अत्याचारों के खिलाफ तथा आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा ने सोमवार को शहर में प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम मांगपत्र सौंपा।

इस मौके पर राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा ने ज्ञापन में कहा कि ईसाई समुदाय ने देश में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा व सामाजिक कल्याण में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए लंबे समय से योगदान दिया है, लेकिन इसके बावजूद भी इस समुदाय के विशेषकर अनुसूचित जाति से जुडे लोगों के खिलाफ बढती हिंसा व समुदाय व लोकतंत्र को परिभाषित करने वाली बहुलतावाद दोनों को खतरे में डाल रही है। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड की आबादी में ईसाई समुदाय की संख्या 2.3 प्रतिशत है, जिन्होंने हमेशा देश में संविधान, देशभक्ति, बंधुत्व व समानता व स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखा। लेकिन इसके बावजूद भी कुछ लोग मौलिक अधिकारों के खिलाफ जाकर इस समुदाय के लोगों को बेवजह प्रताडित करने का काम कर रहे है, जबकि मौलिक अधिकारों के विरोध में संसद को भी कानून बनाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यूनाईटेड क्रिश्चियन फोरम के आंकडों के अनुसार वर्ष 2024 में हिंसा और प्रताडना की 834 घटनाएं दर्ज हुई, जो कि वर्ष 2023 में 734 से अधिक थी।

ईसाई समुदाय के खिलाफ शत्रुता और हिंसा को बढावा देने के लिए राष्ट्र के असहिष्णु दृष्टिकोण को बढावा देने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी संगठन रहे है।मांगपत्र के माध्यम से उन्होंने मांग की कि सभी हिंसा की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर आरोपियों को जवाबदेह ठहराया जाए, धार्मिक, स्वतंत्रता अधिनियमों की समीक्षा कर उनके दुरूपयोग पर रोक लगाई जाए, राज्य सरकारों को धार्मिक समाता और स्वतंत्रता को बनाए रखने के निर्देश दिए जाए, अनुसूचित जाति के ईसाई आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में तेजी लाई जाए, जोखित में पडे ईसाई समुदायों के लिए सुरक्षात्मक तंत्र को मजबूत किया जाए, अंतर धार्मिक संवाद को बढावा देकर सांप्रदायिक सदभाव के लिए एक राष्ट्रीय मंच स्थापित किया जाए।

भरतपुर में राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

राजपूत सभा ने दी श्रद्धांजलि

गंगापुर सिटी, (निसं)। क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह के आकस्मिक निधन पर राजपूत सभा सवाईमाधोपुर की तरफ से एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन होटल नरूका प्राइड में सोमवार को सुबह 11 बजे किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाध्यक्ष दीपक सिंह नरूका ने रोल साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजली अर्पित कर किया। जिलाध्यक्ष ने रोल साहब के द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों को याद करते हुए कहा कि रोल साहब के नाम से मशहूर भगवान सिंह जी ने अपना जीवन समाज सेवा में व्यतीत कर दिया। उनके सौम्य व्यवहार के सभी कायल थे। जिला महा मंत्री महेश पाल जादौन ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला। इस दौरान जिलाध्यक्ष दीपक नरूका, महामंत्री महेश पाल जादौन, महूकलां अध्यक्ष शिम्भू सिंह, अजय सिंह राठौड, रघुराज सिंह, नरेश सिंह कुंसाय आदि मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मूडियॉ पंचायत समिति टोडाभीम जिला करौली

क्रमांक / ग्रा.प./ निविदा /2025/03 दिनांक : 9/6/2025

ई-निविदा सूचना 2/2025-26

ग्राम पंचायत मूडियॉ मे वित्तीय वर्ष 2025-26 अन्तर्गत महात्मा गाँधी नरेगा योजना एवं अन्य सभी पंचायती राज योजनान्तर्गत करवाये जाने वाले कार्यो मे निर्माण सामग्री आपूर्ति की दर अनुमोदन हेतु संविदा वाणिज्यिक कर विभाग में जीएसटी अधिनियम-2017 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मों से ई-प्रोक्यूरमेंट पद्धति से ग्राम पंचायत स्तर पर ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। संवदेक/फर्म निविदादाता के द्वारा निविदा का सम्पूर्ण विस्तृत विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in तथा www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

UBN NO. ZKR2526A0153

UBN NO. ZKR2526GLOB00231

(अतरसिंह) ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत मूडियॉ

(सजन देवी) सरपंच, ग्राम पंचायत मूडियॉ

उदयपुर और डीडवाना में अलग-अलग हादसों में पांच बच्चों की दर्दनाक मौत

उदयपुर के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में तीन बच्चे सोम नदी में डूबे, डीडवाना में पौंड में दो बच्चे डूबे, मौत

उदयपुर : नदी में डूबने से तीन सगे भाई-बहनों की मौत

- खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में सोम नदी की घटना, भैंस को लेने नदी पार कर रहे थे बच्चे

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में बीती शाम तीन बच्चों की सोम नदी में डूबने से मौत हो गई। तीनों बच्चे सगे भाई-बहन थे। रविवार शाम छह बजे भैंस को लेने नदी पर गए थे, नदी पार करते समय तीनों बच्चे गहरे पानी में गए और डूब गए। सोमवार सुबह तीनों के शव नदी में तैरते मिले, जिन्हें स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला।

खेरवाड़ा थानाधिकारी दलपत सिंह ने बताया कि हादसे में लराठी गांव के गवार फला निवासी दिनेश मीणा के तीन बच्चे निरमा (15), खुशबू (13) और पुत्र कल्पेश (11) की मौत हो गयी है। निरमा कक्षा दस की छात्रा थी, खुशबू सातवीं और कल्पेश छठी कक्षा में छात्र था। रविवार शाम तीनों भाई-बहन भैंस को तलाशते हुए सोम नदी पहुंचे थे। भैंस नदी के दूसरी तरफ दिखायी दी, तो तीनों बच्चों ने नदी में पानी के किनारे किनारे चलकर दूसरी तरफ जाने का प्रयास किया। इस दौरान बच्चे गहरे पानी में गिर गए और डूब गए। बच्चे लापता हुए तो परिजनों ने उनकी रातभर तलाश की, लेकिन बच्चे नहीं मिले। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने बच्चों के शव सोम नदी में तैरते हुए देखते तो पुलिस और परिजनों को सूचना दी। दर्दनाक हादसे में तीनों बच्चों की इस दर्दनाक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल पसरा हुआ है। स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने बताया कि स्थानीय प्रशासन से कई बार यहां पुल बनाने की मांग की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जो पुल बना है वह भी दो किमी दूर है। ऐसे में लोगों को नाव या ट्यूब के सहारे ही नदी पार करके जाना पड़ता है।

डीडवाना : पौंड में डूबने से दो बच्चों की मौत

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिले के मौलासर थाना क्षेत्र के खानड़ी गांव में आज उस वक्त बड़ा हादसा हो गया, जब गर्मियों की छुट्टियों में अपने ननिहाल दाऊदसर आए दो बच्चों की पानी के पौंड में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद बच्चों के परिजनों में शोक व्याप्त हो गया।

जानकारी के अनुसार बच्चे अपने ननिहाल दाऊदसर आए हुए थे। खानड़ी स्थित एक खेत में सिंचाई के लिए बनाए गए पौंड में नहाने के लिए उतरे। इसी दौरान एक बच्चे का पैर फिसल गया और वह पौंड की गहराई में डूबने लगा। इस पर वहां मौजूद दूसरे बच्चे ने भी उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी, लेकिन वह भी पानी में डूबने लगा। इस पर वहां मौजूद तीसरे बच्चे ने तुरंत आसपास के लोगों को सूचना देकर मौके पर बुलाया, जिन्होंने दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। मृत बच्चों की पहचान लाडनूं निवासी 12 वर्षीय अकील पुत्र सरवर खान और लक्ष्मणगढ़ निवासी 11 वर्षीय रियान पुत्र सत्तार खान के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही मौलासर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सिंचाई पौंड की पाल तोड़कर पानी निकालकर पौंड खाली करवाया। घटना को लेकर मृत बच्चों के परिजनों ने पुलिस में कोई रिपोर्ट नहीं दी है।

ठगी गिरोह का पर्दाफाश

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना पुलिस टीम ने लग्जरी कारों को किराये पर ले जाकर खुर्द-बुर्द कर बैचान करने के मामला का खुलासा करते हुए ठगी के दो आरोपियों को मध्यप्रदेश के भोपाल से गिरफ्तार किया है। पकड़े गये ठगों के कब्जे से पुलिस टीम ने दो कारें भी बरामद की है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि 7 जून को फरियादी पंकज महावर ने उद्योग नगर थाने में कारों को किराये पर ले जाकर खुर्द-बुर्द कर बैचान करने का प्रकरण दर्ज कराया। शहर एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने वाहनों में लगे जीपीएस एवं सीसीटीवी फुटेज तथा मोबाईल नम्बरों की कॉल डिटेल के आधार पर आरोपियों को ट्रेस कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो ठगी के आरोपी कृष्णा नगर बैरसिया रोड़ भोपाल निवासी सैयद नाजिस अली उर्फ नज्जू (26) एवं मालीपुरा पीरगेट थाना कोतवाली जिला भोपाल निवासी आदि मोहम्मद खान (20) को मध्यप्रदेश के भोपाल से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने गिरफ्तार ठगों के पास से एक कार इनोवा क्रीस्टा और एक कार मारूती बेलेनो को बरामद किया।

अवैध हथियार सहित चार जने गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (पिसं)। जिला पुलिस ने फिर से हथियार तस्करी के नए नेटवर्क का खुलासा किया है। इसमें चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से तीन पिस्टल, चार मैगजीन और एक चले हुए कारतूस तथा एक स्कॉर्पियो गाड़ी सहित काबू किया। यह कार्रवाई लालगढ़ जाटान पुलिस द्वारा की गई है।

डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के तार मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के एक गांव से जुड़े हैं। इनमें से मास्टरमाइंड तथा उसका दोस्त वहां से हथियार खरीदकर लाए थे और यहां बेचते थे। अधिक जानकारी को आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। सीओ ग्रामीण राहुल यादव ने बताया कि लालगढ़ जाटान थाने से तीन टीमों ने अलग-अलग कार्रवाई की। पहली कार्रवाई एएसआई बलवंतसिंह की टीम ने की। गश्त के दौरान 7 जून को गोधुवाली ढाणी 14 एसपीएम निवासी रोहित सहारण से एक पिस्टल बरामद कर गिरफ्तार किया। दूसरी टीम में एएसआई साहबराम बाजिया ने नाकाबंदी के दौरान स्कॉर्पियो को रुकवाया। चालक टिब्बी थाना क्षेत्र के गांव पन्नीवाली निवासी जसकरण सिंह उर्फ जस्सी से एक पिस्टल व उसके साथी फतेहपुर ढालिया निवासी सुखचैन सिंह उर्फ सुखा रायसिख पुत्र परमजीत सिंह को एक खाली मैगजीन व एक कारतूस का खोखा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। स्कॉर्पियो जब्त की गई है। तीसरी टीम में हैड कांस्टेबल धर्मवीर सिंह ने गश्त के दौरान ताखरांवाली के निकट चक 7 टीकेडब्ल्यू ढाणी निवासी सन्नी साईं से एक पिस्टल बरामद कर गिरफ्तार किया गया है।

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :– 2226906, फोन :– 0151-2226902, 0151-2226905
E-mail:- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site www.bikanermc.org
क्रमांक / स्वा. / 2025–26 / 9037 दिनांक :– 05.06.2025
ई–निलामी सूचना (वर्ष 2025–2026)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम बीकानेर के नगरीय क्षेत्र में मृत पशुओं को उठानें एवं निस्तारण करने का ठेका कार्यादेश जारी होने की दिनांक से 02 वर्ष की अवधि के लिए ई–निलामी आमंत्रित की जाती है। प्रार्थना पत्र शुल्क जमा कराने की दिनांक 11.06.2025 को सांय 06:00 बजे तक तथा बोली प्रारम्भ करने की दिनांक 16.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 16.06.2025 को सांय 04.00 बजे तक का समय रहेगा। इच्छुक नीलामी दाता नीलामी कार्यक्रम ई–निविदा बिजनेस रूल्स आदि की जानकारी बेवसाईट www.bikanermc.org पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/3872 आयुक्त

बिजयनगर कांड : मुख्य आरोपी की जमानत याचिका खारिज

अजमेर, (कासं)। बिजयनगर ब्लैकमेल कांड में मुख्य आरोपी अफराज उर्फ अफरान उर्फ जिब्राइल उर्फ अप्पू की जमानत याचिका सोमवार को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 के न्यायाधीश ने खारिज कर दी है। आरोपी द्वारा पीड़िताओं पर शारीरिक संबंध बनाने और धर्म बदलने का दबाव बनाया था। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपी ने हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच शत्रुता फैलाने का काम किया है।

मामले के अनुसार मुख्य आरोपी अफराज पर आरोप है कि उसने नाबालिग छात्राओं को मोबाइल फोन उपलब्ध कराए और अन्य सह अभियुक्तों के साथ मिलकर शारीरिक शोषण के लिए दबाव बनाया। आरोपी अपने मोबाइल फोन से सह अभियुक्तों से बातचीत करवाने के लिए भी छात्राओं पर दबाव डालता था। पुलिस द्वारा की गई जांच और सबूतों के आधार पर कोर्ट ने पाया कि आरोपी का रोल घटना में अत्यंत गंभीर है। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने बताया कि अफराज ने मासूम छात्राओं को ब्लैकमेल कर उन्हें शारीरिक शोषण के जाल में फंसाया। आरोपी द्वारा की गई हरकतें न सिर्फ पीड़िताओं के मानसिक और शारीरिक शोषण किया। यह घटना समाज के लिए भी अत्यंत घातक हैं। इसी आधार पर अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

543.50 क्विंटल नकली मूंगफली, मूंग और ग्वार के बीज जब्त

- कृषि विभाग की कार्रवाई में नकली बीज और उर्वरकों का बड़ा जखीरा पकड़ा
- भारतीय किसान संघ ने बड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत की ओर भी इशारा किया

बीकानेर, (निसं)। कृषि विभाग की सघन कार्रवाई के दौरान नकली बीज और उर्वरकों का बड़ा जखीरा पकड़ा गया है। 543.50 क्विंटल नकली मूंगफली, मूंग और ग्वार बीज जब्त किए गए, जबकि 29 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। कार्रवाई के बाद भारतीय किसान संघ ने बड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत की ओर भी इशारा किया है।

बीकानेर में नकली खाद-बीज बेचने के खेल पर कृषि विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि किसान किस तरह से योजनाबद्ध लूट के शिकार हो रहे हैं। वहीं 89.60 क्विंटल बीज की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। निरीक्षण के दौरान 18 क्विंटल उर्वरक भी सीज किया गया। कार्रवाई की अगुवाई कर रहे अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार त्रिलोक कुमार जोशी के नेतृत्व में गठित टीमें नेशनल क्रॉप साइंस खारा, किशनलाल श्याम सुंदर करणी इंड. एरिया, जयदयाल एग्रो अनाज मंडी, लक्ष्मी एग्रो एजेंसी बीकानेर, श्री चारभुजा एग्रो इंडस्ट्रीज बीछवाल एवं हुसंगसर एवं केशरीचंद उदयचंद अनाज मंडी समेत आठ प्रतिष्ठानों पर जांच के लिए भेजी गई थी। इन प्रतिष्ठानों पर गंभीर अनियमितताएं पाई गई।

कृषि विभाग की कार्रवाई के बाद भारतीय किसान संघ ने भी मोर्चा खोलते हुए कृषि मंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विभाग की आंखों के सामने वर्षों से यह नकली खाद-बीज का धंधा चलता रहा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसान संघ ने मांग की है कि न केवल दोषी व्यापारियों पर, बल्कि उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई हो जिनकी लापरवाही या मिलीभगत से यह खेल फला-फूला। ज्ञापन में बताया गया कि बीकानेर और नोखा में पूर्व में भी नकली डीएपी पकड़ी गई थी, लेकिन जांच में लीपापोती कर दोषियों को बचा लिया गया। यहां तक कि नकली डीएपी भरने में विभागीय अधिकारियों के रिश्तेदारों के नाम भी सामने आए। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि बीकानेर जिले में एक ही लाइसेंस पर कई दुकानों का संचालन हो रहा है और कई जगहों पर छापे की खानापूर्ति कर असली ठिकानों को छोड़ दिया गया।

किसान संघ ने कृषि मंत्री से मांग की है कि जयपुर या अन्य जिले की स्वतंत्र टीम से जांच करवाई जाए, ताकि सही तस्वीर सामने आ सके। साथ ही इफ्को जैसे नामी ब्रांड को भी जिम्मेदार ठहराते हुए कानूनी कार्रवाई में शामिल किया जाए। यह मामला सिर्फ नकली बीज बेचने का नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य, उनकी मेहनत और विश्वास के साथ हुए विश्वासघात का है।

कार्यालय नगर पालिका बसवा (दौसा)
क्रमांक :– न.पा.ब. / 2025 / 1309 दिनांक :– 04.06.2025
BID सूचना
समस्त पंजीकृत संवेदक / सामाजिक संस्थाओ को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका बसवा NIB Code DLB2526A2105 तथा UBN No. DLB2526WSRC06861 कार्य करवाना चाहती है अतः इच्छुक व्यक्ति नियत दिनांक 10.06.2025 को 2:00 बजे तक अपनी दर ऑफलाईन प्रस्तुत कर सकते है । निविदा आनलाईन बेवसाईट http://sppp..goverment.gov.in पर देखी जा सकती है । निविंदा से संबंधित शर्ते उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।
अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बसवा
राज.संवाद / सी / 25 / 3806

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)
क्रमांक– निविदा / 2025 / 713–15 दिनांक : 06.06.2025
निविदा सूचना
नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ऑफ लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य की निविदा बेचे जाने दिनांक 17.06.2025 को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक विक्रय एंव दोपहर 12 बजे तक प्राप्त कर दिनांक 17.6.2025 को 5 बजे उपस्थित निविदादाता के समक्ष खोली जायेगी तथा शेष विवरण व निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण जानकारी विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
NIB code- DLB2526A2147
UBN:-

DLB2526SSOB06978	DLB2526WSOB06996	DLB2526SSOB07000
DLB2526SSOB07002	DLB2526SSOB07007	DLB2526SSOB07009
DLB2526SSOB07011	DLB2526SSOB07013	DLB2526SSOB07015

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़
राज.संवाद / सी / 25 / 3847

शिक्षकों के साथ 278 डीईओ भी गर्मी की छुट्टियों पर

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में पहली बार है जब शिक्षकों और बच्चों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी भी गर्मी की छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। यह स्थिति तब है जब फील्ड में 300 से अधिक जिला शिक्षा अधिकारियों के पद रिक्त है।

जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने के लिए राज्य सरकार ने 11 फरवरी को वर्ष 2023- 24 और 2024 -25 की डीपीसी करवाई। डीपीसी में पदोन्नत हुए 278 जिला शिक्षा अधिकारियों को चार महीने बाद भी नए स्थान पर पोस्टिंग नहीं मिली है। सभी पदोन्नत डीईओ आज भी स्कूलों में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत है। उधर, 17 मई से स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई है। छुट्टियां शुरू हुए भी लगभग तीन सप्ताह से अधिक समय बीत चुका हैं। अब एक जुलाई से वापस स्कूल शुरू हो जाएंगे। लेकिन पदोन्नत जिला शिक्षा अधिकारियों को अभी तक पदस्थापन नहीं मिला है। यही कारण है कि पदोन्नत जिला शिक्षा अधिकारी फील्ड में काम करने की बजाय छुट्टियों का लुफ्त उठा रहे हैं। विदित रहे कि डीपीसी में लगभग 329 प्रधानाचार्यों का डीईओ के पद पर चयन हुआ, लेकिन 51 प्रधानाचार्य डीईओ पद पर कार्यरत ग्रहण से पहले ही सेवानिवृत हो चुके हैं। ऐसे में अब 278 पदोन्नत प्रिंसिपलों को डीईओ के पद पर पदस्थापन मिलना है। जिला शिक्षा अधिकारियों के पदों पर लंबे समय बाद पदोन्नति होने के बाद पदस्थापन नहीं होने से अनेक अधिकारी तो सेवानिवृत्त हो गए है। राज्य सरकार को पदस्थापन मामले को गंभीरता से लेते हुए पदोन्नत हुए डीईओ के पदस्थापन आदेश जल्दी जारी करने चाहिए।

युवती से गैंगरेप

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र में युवती के साथ गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि सोशल मीडिया के जरिए उसकी एक युवक से दोस्ती हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया और होटल में ले जाकर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिए। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने उसे बाद में अपने फ्लैट पर बुलाया जहां उसके दोस्त ने भी मदद की। इसके बाद आरोपियों ने अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी और दो साल तक ब्लैकमेल करते रहे। आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर करीब एक लाख रुपये भी हड़प लिए। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। युवती का आरोप है कि कई बार सुनसान जगहों पर ले जाकर गाड़ी में भी उसके साथ दुराचार किया गया, जबकि उसका दोस्त बाहर पहरा देता था। पीड़िता को बाद में पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और शादी की बात को लेकर टालमटोल करता रहा।

आबादी इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट दिखा, वन विभाग की टीम पहुंची

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में केशवनगर स्थित एसबीआई बैंक के पास स्थित एक बंगले के गेट पर लेपर्ड नजर आया। चौकीदार के चिल्लाने पर लेपर्ड छलांग मारते हुए सड़क पर चला गया। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वहीं वन विभाग की टीम ने सोमवार सुबह आस पास सर्च अभियान चलाया लेकिन लेपर्ड नजर नहीं आया।

जानकारी के अनुसार वार्ड 64 में केशवनगर मैन रोड पर एसबीआई बैंक की ब्रांच है। इसके पास ही अभिषेक जैन का बंगला है जिसकी निगरानी के लिए चौकीदार मीठालाल को रखा गया है। बंगले में किराएदार भी रहते हैं। चौकीदार ने बताया रात करीब 11.27 बजे बंगले के गेट पर लेपर्ड को बैठा देखा था। उससे देखते ही मेरी चीख निकल गई। मेरे चिल्लाने पर लेपर्ड छलांग मारते हुए बंगले के बाहर की तरफ सड़क पर चला गया। चौकीदार ने बताया कि लेपर्ड बंगले के अंदर कूदने वाला था, लेकिन उसके चिल्लाने की आवाज पर बाहर सड़क पर छलांग लगा दी।

बंगले के मालिक अभिषेक जैन ने बताया कि वह रात को एक शादी कार्यक्रम से घर आकर सो गए थे। किराएदार अपूर्व जैन ने चौकीदार से बात की तो उसने लेपर्ड के बारे में बताया। सुबह कैमरा देखा तो लेपर्ड नजर आया। सीसीटीवी में बंगले के गेट पर लेपर्ड बैठा दिखा है। चौकीदार के चिल्लाने पर गेट से छलांग मारते हुए सडक पर चला गया। इसके बाद रोड क्रॉस करते हुए प्रेमनगर कॉलोनी में जाते दिखा। लेपर्ड का आवाजाही वाली सडक पर आने की सूचना पर सोमवार सुबह वार्ड के पूर्व पार्षद राकेश जैन मौके पर पहुंचे और डीएफओ अजय चित्तौड़ा को सूचना दी। इसके बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी यशपाल सिंह मौके पर आए। करीब 10.35 बजे वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग की टीम लेपर्ड के रेस्क्यू के लिए टीम आस पास के खेतों में भी पहुंची। टीम ने कहा कि हम यहां चेक कर रहे हैं और किसी को भी कोई मूवमेंट को लेकर जानकारी मिले तो तुरंत सूचना उनको दें। क्षेत्रीय वन अधिकारी यशपाल सिंह ने लोगों को आश्वस्त किया कि हमारी टीम यहां निगरानी करेगी। उन्होंने कहा कि सर्च में जो भी सामने आएगा उसके अनुसार जरूरत पडी तो पिंजरा भी लगाएंगे।

पूर्व पार्षद राकेश जैन ने बताया कि ये पूरा आबादी इलाका है। आसपास कई पॉश कॉलोनियां बसी है। मुख्य सडक पर 24 घंटे गाडियों की आवाजाही रहती है। यहां पर कॉलोनियों के बच्चे खेलते है। लेपर्ड दिखने के बाद से सभी दशहत में है। जैन ने बताया लेपर्ड जब तक पकड़ में नहीं आता हैं तब तक लोग घबराए हुए है। जैन ने बताया कि इस मामले में हमने कलेक्टर नमित मेहता को भी सूचित किया है।

कार्यालय नगर पालिका निवाई
क्रमांकः–न.पा.नि. / निर्माण / 2025–26 / 2796 दिनांकः– 03.06.2025
ई. बोली सूचना संख्या :– 11/2025–2026
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाइन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व 'http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :–

बोली का कार्य	NIB Code:- DLB2526A1175 (कुल 9 कार्य)
Unique Bid Number	DLB2526WSOB06940,06936, 06946, 06949, 06975, 06981, 06989, 06994, 06997
बोली की कुल लागत	Rs 138.70 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनाक	दिनांक 09.06.2025 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	दिनांक 20.06.2025 सांय 18.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	दिनांक 23.06.2025 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	120 Day

राज.संवाद / सी / 25 / 3818 अध्यक्ष नगर पालिका निवाई अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका निवाई

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राज.)
क्रमांक : एफ.14( )( ) / ननिअ / उद्यान / 2025–26 / 643 दिनांक : 16.05.2025
ई–नीलामी सूचना
रजिस्ट्रेशन एवं अमानत राशि ऑनलाईन जमा कराने :– 05.06.2025 सांय 06:00 बजें से
दिनांक व समय 11.06.2025 को सांय 06:00 बजें तक।
ऑनलाईन बोली की दिनांक व समय :– 12.06.2025 प्रातः 11:00 बजें से
13.06.2025 को प्रातः 11:00 बजें तक।
नीलामी स्थल एवं समस्त भुगतान प्रक्रिया – ऑनलाईन
नगर निगम अजमेर द्वारा निम्नांकित अवधि के लिये निम्न वर्णित पार्किंग स्थल के संचालन हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की जाती हैः–
UBN-ANN2526SLOB00044

क्र. सं.	पार्किंग स्थल का नाम	ठेका अवधि	(प्रतिभूति) अमानत राशि	प्रारम्भिक सरकारी बोली (प्रथम वर्ष)
1	1) महादेव ढाबे के सामने पार्किंग 2) बजरंग गढ गेट के अन्दर पार्किंग 3) गोगाजी मंदिर के सामने पार्किंग सुभाष उद्यान	3+2 वर्ष	28,000 / –	1400000 / –

अतः इच्छुक व्यक्ति / फर्म / संस्था LSG E-AUCTOIN के ऑनलाईन पोर्टल https://lsgeauction.rajasthan.gov.in पर नियमानुसार रजिस्ट्रेशन कराकर ई–नीलामी में भाग ले सकते है। नियम व शर्तो की जानकारी नगर निगम अजमेर की अन्यकर शाखा में किसी भी कार्यालय दिवस व समय पर ली जा सकती है एवं नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/mcajmer व Rajasthan State public Procurement Portal पर भी सूचना उपलब्ध है।
राज.संवाद / सी / 25 / 3844 उपायुक्त

कार्यालय नगर निगम जोधपुर (दक्षिण)
नगर निगम भवन, पोलीटेक्नीकल कॉलेज परिसर के अन्दर, गौरव पथ, जोधपुर
फोन संख्या:- 0291-2651464, फैक्स:- 0291-2641464, ई-मेल:- ceojnn@gmail.com
क्रमांकः– 4402 दिनांकः– 05.06.2025
श्री अन्नपूर्णा रसोई संचालन हेतु अभिरूचि की अभिव्यक्ति का (Expression of interest EOI) आमंत्रण
श्री अन्नपूर्णा रसोई संचालन हेतु अभिरूचि की अभिव्यक्ति (Expression of interest EOI) का आमंत्रण निदेशालय स्थानीय निकाय राज. जयपुर की अभिरूची की अभिव्यक्ति क्रमांक एफ 15(ग) पी.डी / डीएलबी / इरयो / 20 / पार्ट–1 / 170 दिनांक 04.08.2020 की निरन्तरता में जोधपुर नगर निगम दक्षिण (DLO) के अधीन EOI में संलग्न स्थान हेतु श्री अन्नपूर्णा रसोई के संचालन के लिए प्रस्ताव दिनांक 17.06.2025 शाम 04.00 बजे तक अभिरूचि आमंत्रित की जाती है।
विस्तृत अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) नगर निगम जोधपुर दक्षिण की वेबसाइट www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjs से प्राप्त / डाउनलोड की जा सकती है।
आयुक्त एवं संचिव जिला स्तरीय समन्वय एवं मॉनिटरिंग समिति (श्री.अ.र.यो.) नगर निगम जोधपुर
राज.संवाद/सी/25/3883

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति जायल (नागौर)
S. No. : 35 - 44 Date : 06/06/2025
Notice Inviting Bid (NIB DAM2526A0148 /2025-26)
E-Bids are invited from manufacturers/direct importers/Authorized Dealer up to 10.00 A.M. of 23/06/2025 for procurement of IT AND ASSAYING EQUIPMENTSon Tender on behalf of office of the Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Jayal Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti, Jayal or State Public Procurement Portal website **sppp.raj.nic.in** or **https://eproc.rajasthan.gov.in** or website **https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam/** The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/-(1000+18% GST) through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Jayal, payable at Jayal Details of bid are following :-

S. NO.	Bid Title	UBN No.
1	IT AND ASSAYING EQUIPMENTS	DAM2526GLRL00222

Raj.Samwad/C/25/3865 सचिव

कार्यालय नगर पालिका खाजूवाला जिला–बीकानेर (राज.)
क्रमांकः– न.पा.खा / निविदा / निर्माण / 2025–26 / 460–61 दिनांकः– 04.06.2025
–: ई–निविदा सूचना 03/2025–26 :–
नगर पालिका क्षेत्र में निर्माण कार्य नियमानुसार पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट WWW.SPPP.RAJASTHAN.GOV.IN व WWW.EPROC.RAJASTHAN.GOV.IN पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

S.No.	UBN No
1	DLB2526WSOB06888

क्र. सं.	निविदा ऑनलाईन डाउनलोड व अपलोड करने की दिनांक	निविदा भौतिक प्रपत्र जमा करवाने की अन्तिम दिनांक	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक
1	दिनांक 05.06.2025 को सायं 06:00 बजे से दिनांक 16.06.2025 सांय 06:00 बजे तक	दिनांक 17.06.2025 को दोपहर 12:00 बजें	दिनांक 18.06.2025 को दोपहर 02:00 बजे से लगातार

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, खाजूवाला
राज.संवाद / सी / 25 / 3817

अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम और पुलिस टीम पर हमला

- 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी और निगमकर्मी घायल, अधिकारियों को जान बचाकर मौके से भागना पड़ा
- पुलिस ने लोगों को तितर-बितर करने के लिए छह हवाई फायर किए, मौके पर आरएसी जाब्ता बुलाया
- अतिक्रमणकारियों ने पथराव शुरू किया, चार जेसीबी और एक कार में तोड़फोड़ की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में सोमवार को अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम और पुलिस की टीम पर लोगों ने पथराव कर दिया। इसमें 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी और निगमकर्मी घायल हो गए। दो के सिर में गंभीर चोटें आईं। लोगों ने चार जेसीबी और एक कार में तोड़फोड़ की। अधिकारियों को जान बचाकर मौके से भागना पड़ा।

जानकारी के अनुसार उम्मेदसागर बांध क्षेत्र में 500 मीटर के दायरे में बड़ी संख्या में अवैध निर्माण हो गए। कई पक्के मकान बन गए। जोधपुर विकास प्राधिकरण भी पहले कई बार कार्रवाई कर चुका है, लेकिन अतिक्रमण पूरी तरह नहीं हटे। सोमवार सुबह नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम उम्मेदसागर बांध क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंची थी, लेकिन लोगों ने विरोध में पत्थर बरसाए। लोगों ने पुलिस और निगम की टीम पर पथराव किया। इसमें 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी और निगमकर्मी घायल हो गए। सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी ने उम्मेदसागर और आसपास अतिक्रमण को देखते हुए सीएम को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की थी। जेडीए, पुलिस और पीएचईडी की संयुक्त कार्रवाई में पूर्व में 103 अतिक्रमण हटाए गए थे। जलदाय विभाग के ताजा सर्वे में 229 और अतिक्रमण चिह्नित किए गए। इन्हें हटाने की कार्रवाई सोमवार को शुरू की गई।

पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि सुबह जब पुलिस और नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची, तो अतिक्रमणकारियों ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस पथराव करने वालों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बांध क्षेत्र को अवैध कब्जों से मुक्त कराया ही जाएगा। हिंसा में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के पुलिस ने लोगों को तितर-बितर करने के लिए छह हवाई फायर किए। मौके पर आरएसी जाब्ता बुलाया गया है। पथराव करने वाले बदमाशों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि मौके पर पत्थरबाजी के घटना के बाद पुलिस, निगम और पीएचडी की टीम जान बचाकर भागना पड़ा। जेसीबी चलाने वाले सात चालक भी चोटिल हो गए। 30-40 कच्चे मकान हटाने के बाद ही लोगों ने पथराव कर दिया।

महापौर दक्षिण वनिता सेठ ने कहा कि नगर निगम के आदेश पर अतिक्रमण प्रभारी स्वरूप सिंह कार्रवाई करवा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने पथराव कर दिया, जिसमें जेबीसी ड्राइवर और निगम कर्मचारी घायल हो गए। महापौर ने कहा कि यह गलत है कि लोग अवैध कब्जे भी करें और फिर पथराव भी करें। जो अतिक्रमण हैं, वो ध्वस्त होंगे ही।

बिजली कनेक्शन के संबंध में महापौर ने बताया कि निगम समय पर पहुंच गया था और बिजली विभाग अवैध कनेक्शन काट रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग से बातचीत कर सभी अवैध कनेक्शन हटवा दिए जाएंगे। पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजर्षि राज ने बताया कि कार्रवाई में राजकार्य में बाधा डालने वाले असामाजिक तत्वों की धरपकड़ शुरू कर दी गई है। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस को अभियान में लगाया गया है। जब तक अतिक्रमण नहीं हट जाता तब तक पुलिस वहां तैनात रखी जाएगी। स्थिति को देखते हुए मौके पर 10 से ज्यादा थानों का जाब्ता तैनात किया गया है। 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें महिलाएं भी शामिल हैं।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.) नया पावर हाउस रोड, जोधपुर-342003, दूरभाषः- (0291) 2651201
अल्पकालिक ई-निविदा सूचना
TNJDZ-34 " फलौदी सर्कल के अंतर्गत (ओ एंड एम) सब डिवीजन आऊ के तहत 125 नग कृषि कनेक्शन जारी करने के लिए 11 केवी लाइन 31.5 किमी और 11/0.4 केवी सब स्टेशन का निर्माण, जिसमें श्रम दर के आधार पर एस/डी स्टोर से साइट तक सामग्री का परिवहन शामिल है-2022" (UBN No JVV2526WSOB00212), TNJDZ-35 फलौदी सर्कल के अंतर्गत (ओ एंड एम) सब डिवीजन बाप के तहत 100 कृषि कनेक्शन जारी करने के लिए 11 केवी लाइन 31.5 किमी और 11/0.4 केवी सब स्टेशन का निर्माण, जिसमें श्रम दर के आधार पर एस/डी स्टोर से साइट तक सामग्री का परिवहन शामिल है-2022" (UBN NoJVV2526WSOB00213), TNJDZ-36 "फलोदी सर्कल के अंतर्गत (ओ एंड एम) सव डिवीजन देचू के तहत 150 कृषि कनेक्शन जारी करने के लिए 11 केवी लाइन 16.5 किमी और 11/0.4 केवी सब स्टेशन का निर्माण, जिसमें श्रम दर के आधार पर एस/डी स्टोर से साइट तक सामग्री का परिवहन शामिल है-2022" (UBN No JVV2526WSOB00214), TNJDZ-37 "फलोदी सर्कल के अंतर्गत (ओ एंड एम) सब डिवीजन फलोदी के तहत 114 कृषि कनेक्शन जारी करने के लिए 11 केवी लाइन 25.08 किमी और 11/0.4 केवी सब स्टेशन का निर्माण, जिसमें श्रम दर के आधार पर एस/डी स्टोर से साइट तक सामग्री का परिवहन शामिल है-2022" (UBN No. JVV2526WSO800215), TNJDZ-38 "फलोदी सर्कल के अंतर्गत (ओ एंड एम) सव डिवीजन लोहावट व् वापिनी के तहत 140 कृषि कनेक्शन जारी करने के लिए 11 केवी लाइन 23.1 किमी और 11/0.4 केवी सब स्टेशन का निर्माण, जिसमें श्रम दर के आधार पर एस/डी स्टोर से साइट तक सामग्री का परिवहन शामिल है-2022" (UBN No JVV2526WSCIB00216), TNJDZ-39 "फलोदी सर्कल के अंतर्गत (ओ एंड एम) सब डिवीजन मतोड़ा के तहत 150 कृषि कनेक्शन जारी करने के लिए 11 केवी लाइन 17.5 किमी और 11/0.4 केवी सब स्टेशन का निर्माण, जिसमें श्रम दर के आधार पर एस/डी स्टोर से साइट तक सामग्री का परिवहन शामिल है-2022" (UBN No JVV2526WSOB00217)
अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑनलाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।
सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढनें की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर उपलब्ध करायी जायेगी।
राज.संवाद/सी/25/3845 संभागीय मुख्य अभियंता (जो.जो.)
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

''जल संरक्षण और प्रकृति'' पर विशेष परिचर्चा

बाल एवं महिला संस्कार शिविर के सत्रहवें सत्र का जयपुर स्थित सोहम फार्म में भव्य आयोजन किया ।

- सत्र में ''जल संरक्षण और प्रकृति'' विषय पर परिचर्चा में पर्यावरण और समाज से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया

जयपुर। सम्पूर्णा संस्था द्वारा आयोजित 40 दिवसीय बाल एवं महिला संस्कार शिविर के सत्रहवें सत्र का भव्य आयोजन जयपुर स्थित सोहम फार्म में किया गया। समाज में महिलाओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण व जल संरक्षण के उद्देश्य से विगत 32 वर्षों से कार्यरत सम्पूर्णा संस्था द्वारा यह संस्कार शिविर 25 वर्षों से एक विशिष्ट परंपरा बन चुका है। इस शिविर में प्रतिभागियों को प्रार्थना, मंत्रोच्चारण, वैदिक श्लोक, शिष्टाचार तथा सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास की दिशा में मार्गदर्शन दिया जाता है।

इस विशेष सत्र में ''जल संरक्षण और प्रकृति'' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण और समाज से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में सम्पूर्णा की कार्यकारी अध्यक्ष आशा जैन ने सभी विशिष्ट अतिथियों का पटका पहनाकर और प्रतीकचिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। सम्पूर्णा की संस्थापिका डॉ. शोभा विजेन्द्र ने अपने वक्तव्य में संस्था द्वारा जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा, ''प्रकृति के संरक्षण में हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जल संकट से बचने के लिए हमें अपने स्तर पर छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे।''

प्रख्यात लेखिका डॉ. शिप्रा माथुर ने अपने संबोधन में कहा कि ''देश के 70 प्रतिशत जल स्त्रोत वनों से जुड़े हैं, अत: वन क्षेत्रों और वनवासियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।'' उन्होंने जल संरक्षण के लिए चिंतन, मनन और निदिध्यासन (गहन अनुशीलन) की आवश्यकता पर बल दिया।

दीपक पर्वतीयार, संरक्षक ग्लोबल बिहारी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ''सूर्य, जल और वायु ईश्वर की अमूल्य देन हैं। इन पर किसी प्रकार का कर लगाना अन्यायपूर्ण है, क्योंकि ये संसाधन सबके लिए समान रूप से उपलब्ध हैं।''

ऑटोरिक्शा चोरी करने वाले दम्पति गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटोरिक्शा चोरी करने वाले दम्पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित सवारी बनकर किराए पर लिए ऑटोरिक्शा के मालिक को धोखे से दुकान पर भेजकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने ऑटो रिक्शा चोरी करने वाले आरोपित किशोर कुमार उर्फ सन्नी (42) और उसकी पत्नी आशा (30) निवासी पालनपुर गुजरात हाल प्रताप नगर सांगानेर को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी श्याम सुन्दर ने बताया कि आठ जून को थाने में पीड़ित मंजूर अहमद ने मामला दर्ज करवाया था कि ऑटो रिक्शा चलाता है। सात जून को रेलवे स्टेशन पर खड़ा था। इस दौरान एक व्यक्ति के साथ महिला आई। जिन्होंने स्वामी कॉलोनी चलने की कहा। इस पर पीडित ऑटोरिक्शा में बैठाकर रवाना हो गया। ऑटोरिक्शा चोरी का पता चलने पर पर पीड़ित ने मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर चोरी में शामिल दंपती को चिन्हित कर धर-दबोचा।

सेबी के नाम पर साइबर धोखाधड़ी : पुलिस ने निवेशकों को चेताया

- साइबर अपराधी सेबी के लेटरहेड और सर्टिफिकेट की नक़ल कर रहे इस्तेमाल

जयपुर । साइबर अपराधी लगातार अपनी चालें बदल रहे हैं और अब उन्होंने निवेशकों को ठगने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) जैसे प्रतिष्ठित वित्तीय नियामक का नाम इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए आम जनता और निवेशकों को इस नए धोखाधड़ी के जाल से सावधान रहने को कहा है। पुलिस ने साफ किया है कि धोखेबाज सेबी के फर्जी लेटरहेड, रिकवरी सर्टिफिकेट और यहां तक कि सील का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि वे सेबी अधिकारी बनकर लोगों को ठग सकें।

कैसे बिछाया जा रहा है ये जाल

पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी इन दिनों निवेशकों को ऐसे संदेश या आदेश भेज रहे हैं, जो देखने में बिल्कुल सेबी से जारी हुए लगते हैं। इन फर्जी दस्तावेजों में सेबी का लेटर हेड और रिकवरी सर्टिफिकेट की हूबहू नकल होती है, जिससे पहली नज़र में इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। वे खुद को सेबी का अधिकारी बताते हैं और निवेशकों को विभिन्न बहाने बनाकर झांसे में लेते हैं। उनका मकसद निवेशकों की मेहनत की कमाई को हड़पना होता है।

सेबी ने इस धोखाधड़ी से बचाव के लिए कुछ महत्वपूर्ण तरीके बताए हैं, जिनकी मदद से आप किसी भी आदेश या नोटिस की प्रमाणिकता की पुष्टि कर सकते हैं। सेबी द्वारा पारित हर आदेश उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर सेक्शन में उपलब्ध होता है। अगर आपको कोई आदेश मिलता है, तो सबसे पहले उसे सेबी की वेबसाइट पर जाकर सत्यापित करें। सेबी द्वारा जारी सभी रिकवरी सर्टिफिकेट सेक्शन में देखे जा सकते हैं। किसी भी रिकवरी सर्टिफिकेट की सच्चाई जानने के लिए इस सेक्शन को ज़रूर जांचें।सेबी हर आदेश में एक ''अद्वितीय दस्तावेज़ पहचान संख्या'' जारी करता है। आप इस यूडीआईएन को सेबी की वेबसाइट पर पर जाकर सत्यापित कर सकते हैं। यह सबसे आसान और सुरक्षित तरीका है किसी भी दस्तावेज की प्रामाणिकता जांचने का यदि कोई व्यक्ति खुद को सेबी अधिकारी बताता है, तो आप उसके नाम, ईमेल आईडी और संपर्क नंबर को सेबी की वेबसाइट पर जांच सकते हैं।सेबी ने यह भी बताया कि वह केवल अपने आधिकारिक डोमेन वाले ईमेल पते से ही आदेश जारी करता है। किसी भी अनाधिकृत या संदिग्ध ईमेल से प्राप्त संदेशों पर विश्वास न करें।

राजस्थान पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई इस प्रकार की धोखाधड़ी का प्रयास करता है, तो इसकी तत्काल सूचना साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर दें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही निकटतम पुलिस स्टेशन अथवा साइबर पुलिस स्टेशन में भी रिपोर्ट करें।

मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में अधिकारियों को निर्देश दिए

- महिला-दिव्यांग-बुजुर्ग की परिवेदनाओं को मुख्यमंत्री दे रहे प्राथमिकता, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, किसान, युवा, मजदूर इन चार वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई में भी इन वर्गों की समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। परिवादियों के लिए मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही जनसुनवाई उम्मीद की किरण बन गई है। जनसुनवाई में हजारों की संख्या में परिवादी मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हैं। मुख्यमंत्री भी संवेदनशीलता के साथ मौके पर ही उनका निस्तारण कर उन्हें संबल दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आज सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर हुई जनसुनवाई में महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न वर्गों की परिवेदनाओं को व्यक्तिश: विस्तार से सुना तथा अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला कलक्टर नियमित रूप से जनसुनवाई कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को हल करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिला स्तर पर ही परिवादी को राहत पहुंचाई जाए ताकि उसे अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण किया जाए। साथ ही, अधिकारी जनता से जुड़े कामों को पूरी जिम्मेदारी से करें।

जनसुनवाई के दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रही कैंसर पीड़िता प्रेमलता ने इलाज में आ रही समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को प्रेमलता के शीघ्र इलाज करवाने के निर्देश दिए। अब प्रेमलता कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज नि:शुल्क ले सकेगी।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शेष रही ग्राम पंचायतों में होगा सहकारी समितियों का गठन

- प्रस्ताव प्राप्त होने पर अतिरिक्त शिथिलता दिए जाने पर होगा विचार : प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप राज्य की शेष रही सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन किया जाना है। इन समितियों के गठन से राज्य में सहकारिता का नेटवर्क मजबूत होगा तथा अधिक लोगों तक सहकारिता की योजनाओं का लाभ पहुंच पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन समितियों के गठन के कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय अवधि से पूर्व शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के प्रयास किये जाएं।

राजपाल सोमवार को शासन सचिवालय स्थित कक्ष से वीसी के माध्यम से नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियों की स्थापना के लिए सदस्य संख्या एवं न्यूनतम हिस्सा राशि के मापदण्डों में 50 प्रतिशत का शिथिलन दिया गया है, जिससे लक्ष्यों की प्राप्ति में आसानी होगी। नवीन समिति की स्थापना के लिए अब न्यूनतम सदस्य संख्या 150 एवं न्यूनतम हिस्सा राशि 1.50 लाख रुपये होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कम जनसंख्या घनत्व वाले जिलों में प्रस्ताव मिलने पर और भी शिथिलता दिए जाने पर विचार किया जा सकता है। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि समिति गठन के मापदण्डों में दी गई शिथिलता से पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों एवं जिला परिषद् सीईओ आदि को भी पत्र लिखकर अवगत करवाया जाना चाहिए ताकि इसका अधिकाधिक लाभ मिल सके।

पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालयर में महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी समाज के प्रेरणास्त्रोत भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कर्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी रजनीश चनाना सहित वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं ने भगवान मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया। उनकी वीरता और बलिदान ने आदिवासी समाज को जागरूक किया और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। राठौड़ ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें संघर्ष, समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की प्रेरणा देता है।

'मानसून पूर्व तैयारियों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त'

जयपुर। आगामी मानसून पूर्वतैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगा, बारिश, बारिश जनित परिस्थितियों के चलते किसी भी प्रकार का हादसा होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के खिलाफ व्यक्तिश: जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जिले में बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के समस्त आवश्यक इंतजाम समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संबंधित विभागों की मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में नगर निगम जयपुर ग्रेटर आयुक्त रुक्मणी रियार एवं नगर निगम जयपुर हैरिटेज आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने मानसून को लेकर नगर निगम की तैयारियों एवं इंतजामों की जानकारी दी। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

कचरे के ढ़ेर में मिला मानव भ्रूण

जयपुर। लालकोठी थाना इलाके में स्थित रवींद्र रंगमंच के पास कचरे के ढेहर में सोमवार को मानव भ्रूण पड़ा होने की सूचना के बाद सनसनी फैल गई और मावन भ्रूण को देखने के लिए राहगीरों की भीड़ जमा हो गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मानव भ्रूण को अपने कब्जे में लेकर सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया।

पुलिस ने बताया की सोमवार को रवींद्र रंगमंच के पास खाली पड़ी जगह में कचरे के ढेहर में मानव भ्रूण पड़ा होने की जानकारी मिली थी। मानव भ्रूण को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर एसएमएस के मुर्दाघर में रखवाया है।

रिश्वत मामले में ए.एस.पी. और डी.टी.ओ. को जमानत नहीं

- अदालत ने मामले में गिरफ्तार जिला परिवहन अधिकारी पून्याराम मीणा की जमानत अर्जी भी खारिज कर दी है

जयपुर, 9 जून। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम 1 ने सरकारी अधिकारियों को डरा-धमकाकर मासिक बंधी के जरिए रिश्वत लेने के मामले में एसीबी के तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र कुमार शर्मा को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इसी तरह अदालत ने मामले में गिरफ्तार जिला परिवहन अधिकारी पून्याराम मीणा की जमानत अर्जी भी खारिज कर दी है। पीठासीन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि मामले में अनुसंधान लंबित है और आरोपी पर रिश्वत का गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

आरोपी सुरेन्द्र कुमार शर्मा की ओर से कहा गया कि उसे मामले में फंसाया गया है। उसे एसीबी के जयपुर मुख्यालय पर अटैच किया गया था। वहीं उसे गिरफ्तार करते समय सवाई माधोपुर से जुडा कोई काम लंबित नहीं था। इसके अलावा उसके पास न तो कोई दस्तावेज बरामद हुए और ना ही सह आरोपी से मोबाइल पर किसी तरह की बातचीत सामने आई है।

वहीं उसे अभिरक्षा में लेने से पूर्व भारतीय सुरक्षा संहिता के जरूरी प्रावधानों की भी अवहेलना की गई है। दूसरी ओर आरोपी पून्याराम की ओर से कहा गया कि एफआईआर में उसका नाम नहीं है। वहीं उससे न तो कोई रिश्वत राशि बरामद हुई है और ना ही उसने किसी अन्य के लिए रिश्वत राशि प्राप्त की है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

जमानत अर्जियों को विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने कहा कि दलाल रामराज मीणा का मोबाइल सर्विलांस पर लेने के दौरान रिश्वत के इस रैकेट का खुलासा हुआ है। आरोपियों ने आपस में षडयंत्र कर दलालों के जरिए विभिन्न लोक सेवकों के मोबाइल को रिकॉर्ड किया और उसने मासिक बंधी के रूप में भारी मात्रा में रिश्वत राशि ली है। वहीं फिलहाल प्रकरण में अनुसंधान चल रहा है। ऐसे में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया है।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया

जयपुर । नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सोमवार को वार्ड नं. 87 में सफाई व्यवस्था का दौरा किया। इस दौरान महापौर ने आमजन से सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का फीडबैक लिया। जन समस्याओं को सुना तथा मौके पर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश भी दिए। महापौर ने सभी मुख्य मार्गों का निरीक्षण किया तथा नाला सफाई का निरीक्षण करते हुए नाले से बाहर पड़े मलबे को देखकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। जोन उपायुक्त को उसे तुरंत उठवाने के निर्देश दिए। साथ ही महापौर ने संबंधित जोन उपायुक्त एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था सुदृढ़ हो इसके लिए लगातार फील्ड में जाएँ। सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें, पायी गयी खामियों को दूर करें।

1 करोड़ 6 लाख रुपये की स्मैक सहित एक तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने खोह नागोरियान थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 6 लाख रुपये कीमत की 530 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित एक तस्कर को पकड़ा है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि आरोपित यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक झालावाड़ से स्मैक तस्करी कर लाता था और जयपुर के बडे स्मैक तस्कर को देता था। पुलिस गिरफ्तार स्मैक तस्कर से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने खोह नागोरियान थाना इलाके में अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी कर रहा है। एक महीने में दो बार झालावाड़ से स्मैक की सप्लाई लेकर जयपुर के स्मैक तस्कर अशोक उर्फ टेल्या सांसी, विक्की सांसी और पिंटू सांसी को देता है। आरोपित तस्कर झालावाड़ के अकलेरा निवासी सानू खां से स्मैक खरीदता था और साथ ही स्मैक का पैसा ई-मित्र के जरिए झालावाड़ के नशा तस्कर सानू खां को भेजता है। आरोपित तस्कर स्मैक तस्करी से मिलने वाले पैसे से शौक-मौज करता है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

परिंडा महोत्सव का आयोजित

जयपुर । ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन व मंगल विहार विकास समिति द्वारा शिव हनुमान मंदिर मंगल विहार गोपालपुरा में परिंडा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरीश मल्होत्रा व विशिष्ट अतिथि गिरधारी अग्रवाल रहे । कार्यक्रम संयोजक अनिल खूंटेटा रहे। इस अवसर पर स्टार हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ राकेश केदावत और उनकी टीम ने ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर व अन्य पदाधिकारियों उपाध्यक्ष आशा शर्मा, सहसचिव डॉ राज टॉक , कोषाध्यक्ष मनीषा जैन का उनके सामाजिक सेवा कार्य हेतु दुपट्टा ,मेडिकल किट व पौधा देकर सम्मानित किया व सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने की अपील की ।

नकबजनी की वारदात करने वाले सहित दुपहिया वाहन चोर भी गिरफ्तार

जयपुर। हरमाडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात करने वाले एक शातिर नकबजन को धर-दबोचा है और उसके पास से चुराए गए जेवरात भी बरामद किए गए है। इसके अलावा दुपहिया वाहन चुराने वाले को भी पकडकर उसके पास से चोरी की एक स्कूटी जब्त की है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि हरमाडा थाना पुलिस ने नकबजनी करने वाले एक शातिर नकबजन मनीष स्वामी उर्फ मन्नू उर्फ मन्या निवासी हरमाड़ा को गिरफ्तार किया गया है जिसके पास से सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए गए है। आरोपी नशा करने का आदि है और नशे के शौक को पूरा करने के लिए दिन के समय कॉलोनियों में रेकी करता है और मौका मिलने पर दीवार फांद कर नकबजनी की वारदात को अंजाम देता है। नकबजनी के दौरान चुराए गए जेवरात को औने-पौने दामों में बेच कर नशा पूर्ति में खर्च कर देता है।वही दूसरी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले वाहन चोर अंकुर झा उर्फ सोनू निवासी करधनी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

'भाजपा ने नगरीय निकाय व पंचायतीराज उपचुनावों में रचाया परचम'

36 में से 28 सीटों पर हासिल की विजय : मदन राठौड़

- 'डोटासरा स्वयं की विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी को नहीं दिला पाए जीत, लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका वार्ड में भाजपा प्रत्याशी की जीत'
- 'जनता कांग्रेस के झूठ और ढकोसले को अब और नहीं करेगी बर्दाश्त'
- 'उपचुनाव परिणाम भाजपा की नीति, नीयत और नेतृत्व में जनता के विश्वास को करता है प्रदर्शित'

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर प्रदेश की जनता का विश्वास अर्जित करते हुए नगरीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनावों में ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। पार्टी ने पूर्व में प्राप्त सीटों से लगभग दोगुनी सीटों पर विजय दर्ज करते हुए कुल 36 में से 27 सीटों पर कमल खिलाया है और एक जीत भाजपा समर्थित प्रत्याशी की हुई। इस प्रकार कुल 28 सीटें भाजपा के खाते में आई। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रिय नीतियों एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रतिफल है, जिसे जनता ने खुले मन से स्वीकारा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी के सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह जीत प्रदेश की जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता का भाजपा पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है, जो कि इस उपचुनाव में साफ तौर पर दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भाजपा के पास 36 में से केवल 15 सीटें थीं, जबकि इस बार पार्टी ने 27 सीटों पर जीत दर्ज की है।

प्रदेश कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव निराशाजनक रहा। कांग्रेस जिन 15 सीटों पर पहले काबिज थी, उनमें से अब केवल 4 पर ही सिमट कर रह गई है। यह कांग्रेस के गिरते जनाधार और नेतृत्व की विफलता को दर्शाता है। राठौड़ ने बताया कि प्रदेश की जनता ने केंद्र और राज्य सरकार की विकासोन्मुख, पारदर्शी व जनहितकारी नीतियों पर अपनी मुहर लगाई है। भाजपा कार्यकर्ता और नेतृत्व प्रदेश की जनता के इस विश्वास को आगे भी कायम रखने हेतु कृतसंकल्पित है और हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि जिला परिषद की 6 में से 5 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। इसी प्रकार पंचायत समिति के 18 सीटों पर हुए उपचुनावों में भाजपा ने 12 पर विजय प्राप्त की, जबकि कांग्रेस को मात्र 3 सीटों पर संतोष करना पड़ा। शेष 3 सीटों पर अन्य दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों को जीत मिली है। नगर पालिका उपचुनावों में भी भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है। कुल 12 सीटों में से 10 पर भाजपा के प्रत्याशियों ने जीत का परचम लहराया है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा आए दिन अनर्गल और बेबुनियाद बयानबाजी कर जनता को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, लेकिन अब प्रदेश की जनता ने उन्हें एक बार फिर करारा जवाब दिया है। नगर निकाय चुनावों में लक्ष्मणगढ़ - जो कि स्वयं डोटासरा की विधानसभा सीट है - वहां कांग्रेस प्रत्याशी की करारी हार इस बात का सबूत है कि जनता कांग्रेस के झूठ और ढकोसले को अब और बर्दाश्त नहीं करेगी। डोटासरा अपनी ही सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को जिताने में नाकाम रहे, जो कांग्रेस नेतृत्व की जमीनी हकीकत को उजागर करता है।

राठौड़ ने कहा कि डोटासरा भाजपा पर झूठा प्रचार करने में व्यस्त हैं, लेकिन उनके अपने क्षेत्र की जनता ने उन्हें ही आईना दिखा दिया है। यह हार सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि कांग्रेस की नीतियों और ढकोसलेबाज़ी की हार है। कांग्रेस अब केवल झूठ बोलने, भ्रम फैलाने और जनता को धोखा देने वाली पार्टी बनकर रह गई है। जनता ने साफ संदेश दे दिया है कि उन्हें विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद चाहिए - और ये सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही दे सकती है। यह परिणाम न सिर्फ कांग्रेस के खोखले दावों को उजागर करता है, बल्कि भाजपा की नीति, नीयत और नेतृत्व में जनता के विश्वास को भी मजबूती से स्थापित करता है।

ड्रग्स सप्लाई करने आए दो तस्कर पुलिस गिरफ्त में

- दो लाख रुपये की अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए और चौपहिया वाहन जब्त

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने शिवदासपुरा थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए दो लाख रुपये कीमत की 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए(ड्रग्स) सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा परिवहन में प्रयुक्त एक लग्जरी चौपहिया वाहन भी जब्त किया है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि आरोपित यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक झालावाड़ से तस्करी कर जयपुर में स्मैक तस्कर को देता था। पुलिस गिरफ्तार तस्करो से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने शिवदासपुरा थाना इलाके में अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए तस्करी करने वाले आरोपित तस्कर इन्द्रपाल (31) और शम्भू लाल (35) को गिरफ्तार किया गया है और दोनो ही झालावाड़ के रहने वाले है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए और परिवहन में प्रयुक्त एक लग्जरी चौपहिया वाहन जब्त की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए अरबाज खान उर्फ राजू निवासी झालावाड से खरीदकर लेकर आते है और अपनी चौपहिया वाहन से जयपुर में सप्लाई करते है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने अफीम और डोडा चूरा जब्त किया

जयपुर। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) राजस्थान ने अवैध अफीम और अवैध डोडा चूरा जब्त कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुन्देल ने बताया कि केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की चित्तौड़गढ -2 डिविजन के अधिकारियों ने पिंड गांव के पास पिंड-कलंदर खेड़ा रोड पर एक मोटरसाइकिल को रोक कर उसके पास से 04.493 किलोग्राम अवैध अफीम के दो पैकेट सहित एक मोटरसाइकिल को जब्त किया है। साथ ही इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। बुन्देल ने बताया कि विशेष सूचना मिली कि मारवाड़ क्षेत्र का एक तस्कर छोटी सादड़ी क्षेत्र से मोटरसाइकिल पर अवैध अफीम लेकर मंगलवाड के रास्ते मारवाड़ क्षेत्र में जाएगा। इस पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ -2 डिविजन के अधिकारियों की एक टीम गठित कर रवाना किया गया तथा संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी गई। वाहन की पहचान करने के बाद टीम ने मोटरसाइकिल को रोका। जिसके परिणामस्वरूप 04.493 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। इसके अलावा केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) प्रतापगढ़ डिवीजन 1, 2 और प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों ने भी कार्रवाई करते हुए हड़मतिया जागीर और बम्बोरी, तहसील छोटी सादड़ी, जिला प्रतापगढ़ के बीच सड़क पर एक पिकअप वाहन को रोका और 138.580 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा वाहन के साथ जब्त किया तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती की समस्या से परेशान ग्रामीणों का प्रदर्शन

सहायक अभियंता कार्यालय पर महिलाओं ने हंगामा किया, पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई

नारायणपुर, (निसं)। भीषण गर्मी में बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से कस्बे के बास बैरिसाल मोहल्ले के पुरुषों और महिलाओं का सोमवार को गुस्सा फूट पड़ा। बिजली की बार-बार कटौती और कम वोल्टेज की समस्या से परेशान ग्रामीण व महिलाएं सोमवार सुबह सहायक अभियंता कार्यालय पहुंची और बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

नारायणपुर कस्बे के बास बैरिसाल मोहल्ले के पुरुषों और महिलाओं ने सहायक अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

- रविवार शाम से ही बिजली की आपूर्ति गड़बड़ा रही है, घरों में कम वोल्टेज से उपकरण बंद पड़े हैं

प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बताया कि रविवार शाम से ही बिजली की आपूर्ति लगातार गड़बड़ा रही है। घरों में कम वोल्टेज के कारण पंखे, कूलर, फ्रिज जैसे जरूरी उपकरण बंद पड़े हैं। इस भीषण गर्मी में छोटे बच्चों की हालत सबसे ज्यादा खराब हो रही है। लोगों को रात भर बिना पंखे के सोना पड़ा, जिससे उनका गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति दुरुस्त नहीं की गई तो वे बिजली ग्रिड पर धरना देने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद विभाग की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रांसफार्मर खराब होने का असर पूरे क्षेत्र में देखने को मिला। सोमवार को बानसूर रोड, गुवारियों का मोहल्ला, मुख्य बस स्टैंड की पेयजल आपूर्ति भी बाधित रही। पानी नहीं मिलने से इन इलाकों के लोग काफी परेशान नजर आए और विभाग के प्रति नाराज़गी जताई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बिजली और पानी जैसी आवश्यक सेवाओं में लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामीणों ने मांग की है कि खराब ट्रांसफार्मर को तुरंत बदला जाए और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर युवा नेता राकेश दायमा, अविनाश सेठी, पप्पू सक्सेना, गोविंद छिपी, सत्यनारायण सेठी, पूजा जांगिड़, पूजा खंडेलवाल, विद्या जांगिड़, कृष्णा देवी, पिस्ता जांगिड़, मोहित शर्मा, वेदराज छिपी, गोविंद सिंह, रामधन शर्मा, विकास प्रजापत, सुनील यादव, अशोक बागड़ी, प्रवीण धोबी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बिजली निगम के सहायक अभियंता नितिन गुप्ता ने बताया कि बिजली संकट ट्रांसफार्मर जलने के कारण उत्पन्न हुआ है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग की ओर से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और जल्द ही बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

हाईकोर्ट ने बैंक अधिकारी पर 50 हजार का जुर्माना लगाया

जोधपुर, (कासं)। न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए एक ही अनुतोष पर राजस्थान ग्रामीण बैंक के खिलाफ बार-बार रिट याचिका दायर किए जाने पर राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश रेखा बोराणा ने बैंक अधिकारी हरीश शर्मा पर 50 हजार रुपए जुर्माना लगाते हुए रिट याचिका सारहीन मानते हुए खारिज कर दी और प्रार्थी को आदेश दिया कि जुर्माना राशि वादकरण कल्याण कोष में जमा करा कर रसीद पेश करें।

- बार-बार रिट याचिका दायर करने पर आदेश दिया

बैंक अधिकारी श्रेणी द्वितीय पद पर कार्यरत शर्मा ने रिट याचिका दायर कर कहा कि बैंक की ओर से जारी आरोप पत्र 19 अक्टूबर 2023 को रद्द कर बैंक अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। राजस्थान ग्रामीण बैंक की ओर से बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आर एन माथुर और अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि प्रार्थी न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने का आदी हो चुका है और न्यायालय की खंडपीठ और एकलपीठ ने आदेशों में इसका जिक्र किया है, लेकिन शर्मा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसी आरोप पत्र पर बेतुके और आधारहीन तथ्यों पर 6 याचिकाएं दायर की जा चुकी है सो इस याचिका को हर्जाने के साथ खारिज की जाए। अधिवक्ता आर एन माथुर और अधिवक्ता अनिल भंडारी के तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश रेखा बोराणा ने 50 हजार रुपए जुर्माने के साथ रिट याचिका खारिज कर दी।

उन्होंने कहा कि बैंक की प्रारंभिक आपत्ति पर प्रार्थी को रिट याचिका वापिस लेने का अवसर दिया था, जिसे उसने नकार दिया। उन्होंने कहा कि याची ने इस न्यायालय में एक के बाद एक छह से अधिक रिट याचिका और अपील इसी आरोप पत्र के बाबत दायर की और पूर्व आदेशों में उसे बैंक के अनुशासनात्मक अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्तियां 15 दिवस में दर्ज कराने का अवसर दिया, लेकिन प्रार्थी न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने का आदी हो चुका है और बैंक के समक्ष आपत्तियां दर्ज नहीं कर फिर से एक और रिट याचिका दायर करने का दुस्साहस किया। उन्होंने कहा कि किसी भी याची को न्याय का दुरुपयोग करने की छूट नहीं दी जा सकती है। उन्होंने बेतुकी रिट याचिका करने पर प्रार्थी को आदेश दिया कि 30 दिन में जुर्माना राशि वादकरण कल्याण कोष में जमा करा न्यायालय में रसीद पेश करें। उल्लेखनीय है कि हरीश शर्मा ने राजस्थान ग्रामीण बैंक के खिलाफ पिछले सात माह में राजस्थान उच्च न्यायालय में 30 रिट याचिका दायर की, जिसमें से 25 याचिका खारिज हो चुकी है।

युवक का शव मिला

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई-हलैना रोड पर शनि मन्दिर के समीप रविवार देर शाम संदिग्ध स्थिति में युवक का शव मिलने के मामले में पुलिस ने शिनाख्त होने के बाद नदबई चिकित्सालय में युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस सूत्रों की माने तो नदबई क्षेत्र के गांव बुढ़वारी खुर्द निवासी रामेश्वर सिंह पुत्र मन्होरी सिंह विगत तीन दिन पहले अपने घर से लापता हो गया, जिसका रविवार देर शाम नदबई हलैना फाटक पर शनि मन्दिर के समीप संदिग्ध स्थिति में शव मिला। संदिग्ध स्थिति में युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच करते हुए शव को चिकित्सालय के मुर्दाघर में रखवा दिया। बाद में सोमवार को शिनाख्त होने पर पुलिस ने युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया। हालांकि, इस संदर्भ में पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ।

भरतपुर में गैंगरेप के दो आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में मथुरा गेट थाना पुलिस ने एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने एवं गर्भपात का प्रयास के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चार आरोपियों ने चाकू का भय दिखाकर 14 साल की नाबालिग के साथ गैंगरेप किया था। जब नाबालिग गर्भवती हो गई तो आरोपी उसका जबरन अबॉर्शन करवाने के लिए ले गए। जब नाबालिग के परिजनों को पता लगा तो नाबालिग के पिता ने मथुरा गेट थाने में चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।

- जब नाबालिग गर्भवती हो गई तो आरोपी उसका जबरन अबॉर्शन करवाने ले गए

सीओ सिटी पंकज यादव ने बताया कि 31 मई को एक व्यक्ति ने एफआईआर दर्ज करवाते हुए बताया था कि 31 मार्च 2025 को मेरी नाबालिग बेटी के साथ फारुख, सदाकत, समीर, अज्जू ने चाकू की नोक पर गैंगरेप किया, जिसके बाद व्यक्ति की नाबालिग बेटी गर्भवती हो गई। जब आरोपियों को इसका पता लगा तो सभी आरोपी नाबालिग का जबरन अबॉर्शन करवाने के लिए ले गए। एफआईआर दर्ज करने के बाद नाबालिग का मेडिकल करवाया गया। जिसके बाद आरोपियों की तलाश की गई। सदाकत और फारुख नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विवाहिता की मौत

आहोर, (निसं)। आहोर थाना क्षेत्र के चरली गांव में रविवार की रात एक विवाहिता द्वारा आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रेखा पत्नी प्रकाश मेघवाल निवासी चरली ने बीती रात अपने रहवासी मकान के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर आहोर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को फंदे से उतारकर आहोर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतका के पिता उदयराज मेघवाल सहित आहोर मेघवाल समाज ने लोगों ने विरोध जताया। मृतका के पिता उदयराज मेघवाल का कहना है कि ससुराल पक्ष के लोग उसकी पुत्री को पिछले एक साल से प्रताड़ित कर रहे थे। सुबह आहोर मेघवाल समाज के काफी संख्या में लोग आहोर थाने पहुंचे और थानाधिकारी करणसिंह से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक अनिल पुरोहित, थानाधिकारी करणसिंह एमओबी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गहनता से जांच की।

सीएम भजनलाल ने लाखावत के परिवार को ढांढस बंधाया

नागौर/मेड़ता सिटी, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को टहला (रियां बड़ी) पहुंचे, जहां उन्होंने राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत की धर्मपत्नी रतन कंवर के निधन पर शोक प्रकट किया तथा परिवार को ढांढस बंधाते हुए स्व. रतन कंवर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भगवान से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

नाबालिग से गैंगरेप

बीकानेर, (निसं)। यहां एक क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोपी युवक पेट दर्द का बहाना बनाकर 15 वर्षीय किशोरी को दवाई दिलाने के नाम पर ले गया और अपनी बहन के घर में दो लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता के भाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पीड़िता और उसका भाई ईंट भट्टे पर काम करते हैं। आरोपी युवक, जो वहीं काम करता है, लड़की को साथ ले गया। वहां आरोपी के दो बहनोइयों ने गैंगरेप किया।

'युवाओं की अद्वितीय क्षमता के चलते वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है भारत'

जोधपुर, (कासं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), जोधपुर में लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत अपने युवाओं की अद्वितीय क्षमता के चलते वैश्विक नेतृत्व की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा अब केवल रोजगार ढूंढने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बन चुका है, जो स्टार्टअप और नवाचार के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है।

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया
- भारत का युवा अब केवल रोजगार ढूंढने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बन चुका है : ओम बिरला

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि भारत आधुनिक विज्ञान और अपनी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा की शक्तियों को समाहित करते हुए वैश्विक मंच पर एक संतुलित, नैतिक और चिरस्थायी विकास मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने छात्रों और युवाओं से आग्रह किया कि वे विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनें और तकनीक एवं ज्ञान का उपयोग समाजोत्थान के लिए करें।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भा. प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत के तकनीकी संस्थान विशेषकर आईआईटी जैसे संस्थान देश के डिजिटल इकोसिस्टम और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी से निकले युवाओं ने न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस अवसर पर बिरला ने आईआईटी जोधपुर की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्थान मरुस्थलीय क्षेत्र में परिवर्तन का वाहक बना है, जो युवाओं को वैश्विक गुणवत्ता की शिक्षा, शोध और नवाचार की सुविधा देकर उन्हें सशक्त बना रहा है। उन्होंने 'रिसर्च इनिशिएटिव ग्रांट' का वितरण भी किया, जिससे नवाचार संबंधी परियोजनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा, साथ ही संस्थान की नई वेबसाइट का शुभारंभ किया और परिसर में पौधारोपण भी किया। बिरला ने जोर दिया कि देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर नवाचार और उत्कृष्टता के केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉलेज और विश्वविद्यालयों को ऐसी सोच विकसित करनी चाहिए जिससे छात्रों में न केवल ज्ञान बल्कि समस्या सुलझाने की योग्यता, उद्यमशीलता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी हो। इससे पहले सुबह वायुयान द्वारा लोकसभा स्पीकर सोमवार को जोधपुर पहुंचे तो एयरपोर्ट पर भाजपा पदाधिकारी ने और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए आईआईटी संस्थान के लगातार विकसित होने पर बधाई दी और कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए संस्थान की ओर से लगातार नवाचार किया जा रहे हैं।

सीवरेज के पानी में उगाई जा रही है सब्जियां

बीकानेर, (निसं)। यहां वल्लभ गार्डन एवं सुदर्शना नगर में खुले नाले व सीवर लाइन के गंदे पानी से सैकड़ों बीघा जमीन में सब्जियां, धनिया, पुदीना, हरी प्याज, पालक और पशुओं को खिलाने के लिए घास उगाई जा रही है। स्थानीय निवासी इसके खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी संदिग्ध है। स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो चुका है।

वल्लभ गार्डन में वर्षों से सीवरेज और गंदे पानी के नालों से पानी चोरी कर सुदर्शना नगर की विवादित जमीन पर इन सब्जियों को उगाया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार खुला सीवर पानी फलों और सब्जियों में गम्भीर बैक्टीरिया, पैरासाइट और हैवी मेटल्स का स्रोत बन सकता है। इस तरह की फसलें और सब्जियां साल्मोनेला और लीव मनेरिया जैसे रोग जनकों से संक्रमित हो सकती हैं। गंभीर संक्रमण, दस्त, पेट में ऐंठन, लीवर व किडनी की समस्याएं आम हैं। सब्जियां खाने वाले स्थानीय लोगों में पेट की शिकायतें बढ़ी हैं। पशुपालकों ने बताया कि उनके पशुओं पर भी इसका असर पड़ रहा है, क्योंकि गंदे पानी की घास पशुओं को खिलाई जा रही है। इस समस्या के लिए नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, पर्यावरण विभाग और जल आपूर्ति प्राधिकरण को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। बीकानेर के तत्कालीन कलेक्टर नमित मेहता के कार्यकाल में बुलडोजर चलाकर कार्रवाई हुई थी, लेकिन नए कार्यकाल में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्वास्थ्य विभाग (हेल्थ डिपार्टमेंट) द्वारा अब तक न तो सब्जियों के नमूने लिए गए हैं और न ही पशुओं को खिलाई जा रही घास के, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

- सब्जियां खाने वाले स्थानीय लोगों में पेट की शिकायतें बढ़ी

छह दिन से रेवदर रोडवेज बुकिंग कार्यालय बंद

रेवदर, (निसं)। रेवदर उपखंड मुख्यालय रेवदर के एकमात्र बस स्टैंड की बुकिंग खिड़की पिछले छह दिन से बंद है। सरकारी बसों की कमी से यात्री और ग्रामीण परेशान हैं। सिरोही, आबूरोड और अन्य बड़े शहरों के लिए न टिकट मिल रहा है न बसें। मार्च-अप्रैल में 15 दिन तक बुकिंग कार्यालय बंद रहा था। तब लोगों के विरोध के बाद रोडवेज अधिकारियों ने खिड़की दोबारा शुरू की थी। शीघ्र समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। रेवदर और आसपास के गांवों में बड़ी संख्या में प्रवासी रहते हैं। ये लोग अहमदाबाद, सूरत, बड़ौदा, मुंबई, पुणे जैसे शहरों में काम करते हैं। त्योहारों पर इन्हें गांव आना-जाना होता है। बसें नहीं होने से इन्हें निजी वाहनों में महंगा किराया देकर सफर करना पड रहा है।

पूर्व विधायक भाजपा जगसीराम कोली ने कहा कि मैं रोडवेज अधिकारियों से बात करूंगा। बुकिंग खिड़की शुरू करवाने और बच्चों के लिए शेड्यूल बढ़ाने की मांग करूंगा।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष आनंद जोशी ने कहा कि मुझे जानकारी नहीं थी। आपने बताया तो पता चला। अब मैं आबूरोड डिपो का सब डिपो बना दिया गया। यहां से 15 बसें चलने लगी। 2013 में सब डिपो भी बंद कर दिया गया और केवल स्टॉपेज रह गया। अब सिर्फ 7-8 बसें ही चल रही हैं। इससे प्रवासी, महिलाएं, विद्यार्थी और बुजुर्ग परेशान हैं। निजी वाहनों में इन्हें रोडवेज की छूट नहीं मिलती। मजबूरी में दोगुना किराया देना पड रहा है।

रेवदर विधायक मोतीराम कोली ने कहा कि मैंने दो दिन पहले ही आबूरोड के चीफ मैनेजर से बात की है। जल्द बुकिंग कार्यालय शुरू करने को कहा है। नहीं हुआ तो बडा आंदोलन करेंगे। भाजपा की उदासीनता से बंद हुआ। विधानसभा में यह मुद्दा उठाऊंगा और डिपो शुरू करवाकर रहूंगा।

बिलाड़ा क्षेत्र के पारम्परिक जल स्त्रोत जैव विविधता के लिये स्वर्ग बने

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान सरकार की जल संरक्षण पर आधारित दूरदर्शी नीतियों और प्रशासन की सक्रियता ने बिलाड़ा क्षेत्र के पारंपरिक जल स्त्रोतों को न केवल संजीवनी दी है, बल्कि इन्हें जैव विविधता के स्वर्ग में बदल दिया है। रामासनी और ओलवी के तालाब, नीलकंठ महादेव सरोवर, कापरडा तालाब, चंदेलाओ तालाब और आसपास के खेत आज प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और सुंदर आवास बन चुके हैं। हर साल सेंट्रल एशिया, मंगोलिया जैसे दूरस्थ देशों से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर आने वाले 10 से 12 हजार पक्षी यहां शीत ऋतु बिताते हैं।

ईथोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की संयुक्त सचिव प्रो. रेणु कोहली ने बताया कि क्षेत्र में 100 से अधिक प्रजातियों के पक्षी पंजीकृत हैं। इनमें नॉर्दर्न पिंटेल, स्पॉट-बिल्ड डक, कॉमन टील, ग्रे लग गूज, पैलिकन, शिकरा, मार्श हैरियर और दुर्लभ लाल कलगीदार पोचार्ड जैसी अनेक प्रजातियां शामिल हैं। ओलवी और रामासनी के तालाब पक्षियों को न केवल पानी बल्कि प्रचुर मात्रा में जलमग्न वनस्पति और कीट प्रदान करते हैं, जो इनके भोजन का मुख्य स्त्रोत हैं। यहाँ बारहेडेड गीज़, ग्रेलग गूज, नॉर्दर्न शॉवेलर जैसे जलपक्षियों की बड़ी संख्या देखने को मिलती है। ओलवी तालाब पर रफ का 1000 से अधिक पक्षियों का झुंड देखा गया है।

- रामासनी और ओलवी के तालाब, नीलकंठ महादेव सरोवर, कापरडा तालाब, चंदेलाओ तालाब और आसपास के खेत आज प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिए एक सुरक्षित आवास बन चुके हैं
- हर साल सेंट्रल एशिया, मंगोलिया जैसे दूरस्थ देशों से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर आने वाले 10 से 12 हजार पक्षी यहां शीत ऋतु बिताते हैं

स्थानीय प्रशासन द्वारा जलाशयों की सफाई, वर्षा जल संग्रहण की सतत व्यवस्था और अतिक्रमण रोकने के प्रयासों ने इन पारंपरिक जल स्त्रोतों की गुणवत्ता बनाए रखी है, जिससे इन पक्षियों को एक सुरक्षित वातावरण मिल सका है। सबसे आकर्षक पक्षी में से एक है नर सैंडग्राउज, जो अपने बच्चों के लिए पंखों में पानी भरकर 20 किलोमीटर तक उड़ता है।

प्रो. कोहली बताती हैं कि इसके शरीर के निचले पंख विशेष रचना के होते हैं जो पानी सोख सकते हैं। यह पक्षी जलाशय में पंखों को डुबोकर पानी भरता है। एक बार में लगभग 25 मिलीलीटर पानी भरकर और फिर घोंसले में जाकर चूजों को पंखों से पानी पिलाता है। इस बार ओलवी तालाब पर सैंडग्राउज की असाधारण संख्या दर्ज की गई है। जो पक्षी पहले कभी-कभार दिखते थे, अब झुंड के झुंड में नजर आ रहे हैं। यह जल संरक्षण और जैव विविधता के बीच का जीवंत रिश्ता दर्शाता है। राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन, अमृत सरोवर योजना और जलाशयों के पुनर्जीवन की दिशा में उठाए गए कदमों के फलस्वरूप बिलाड़ा क्षेत्र के पारंपरिक जल स्त्रोत आज केवल पानी के भंडार नहीं, बल्कि जैविक विविधता के केंद्र बन गए हैं।

सरपंच अशोक बिश्नोई के अनुसार, कुछ संरक्षित क्षेत्र घोषित किए जाने तथा प्रशासन और स्थानीय लोगों के समर्पण ने इन जलाशयों को एक नई पहचान दी है।

उपखंड अधिकारी बिलाड़ा मृदुला शेखावत ने बताया कि क्षेत्र के ये तालाब केवल पानी के स्त्रोत नहीं, बल्कि जीव-जगत के लिए जीवनदायिनी नदियों जैसे बन चुके हैं। यह उदाहरण है कि जब सरकारी नीतियां, स्थानीय प्रशासन और समुदाय साथ मिलकर काम करें, तो परंपरागत संसाधन कैसे नए जीवन का आधार बन सकते हैं। शेखावत ने कहा कि इन जलाशयों में गूंजते पक्षियों के कलरव के साथ राजस्थान सरकार की जलदृष्टि की गूंज भी सुनाई देती है जो भविष्य को हरा-भरा बनाने की ओर एक मजबूत कदम है।

'कैंसर से तो में बच गया, लेकिन ये प्राचार्य अशोक आर्य तो मेरी जान जरूर ले लेंगे''

जयपुर। (रुक्टा डेमोक्रेटिक) ने अलवर कला कॉलेज के कैंसर पीड़ित लाइब्रेरियन प्रहलाद राम बुनकर की सकुशल सेवानिवृत्ति में सहयोग के लिए सकारात्मक पहल की उम्मीद के साथ अलवर कला कॉलेज प्राचार्य, शिक्षक संघ के पदाधिकारी, प्रोफेसर एवं अशैक्षिणक कर्मचारियों को खुला पत्र लिखकर निवेदन किया है। पत्र की प्रतिलिपि उच्च शिक्षामंत्री एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा को प्रेषित की है।

कॉलेज शिक्षा राजस्थान संगठन के प्रदेश संयोजक एवं अलवर कला कॉलेज में लंबे अर्से तक सेवारत रहे प्रो. रमेश बैरवा ने पत्र में लिखा है कि प्रहलाद राम बुनकर लाइब्रेरियन की सेवानिवृत्ति इसी 31 जुलाई 2025 में होने को है। बुनकर वर्ष 2015 से कैंसर पीड़ित है। आज भी उपचाराधीन है। इनका स्वास्थ्य अक्सर खराब रहता है। कुछ ही दिन पूर्व फिर से कैंसर की जांच हुई है, जिससे बुनकर बहुत चिंतित है। लाइब्रेरियन अपनी व्यथा बता रहे हैं कि "कहीं ऐसा नहीं हो कि मेरी सेवानिवृत्ति सिर्फ कागजों में ही हो। जब मैं फिर से अस्पताल में रहूं या फिर इस दुनिया में ना रहूं।"

प्रहलाद राम बुनकर

- (रुक्टा डेमोक्रेटिक) ने अलवर कला कॉलेज प्राचार्य, शिक्षक संघ के पदाधिकारी, प्रोफेसर एवं अशैक्षिणक कर्मचारियों को पत्र लिखा
- अलवर कला कॉलेज के कैंसर पीड़ित लाइब्रेरियन प्रहलाद राम बुनकर की सकुशल सेवानिवृत्ति में सहयोग के लिए सकारात्मक पहल की उम्मीद

लाइब्रेरियन बुनकर को बहुत मेहनती, कर्मठ कार्मिक हैं। इनकी 35 वर्ष से अधिक की राजकीय सेवा में डॉ. अशोक आर्य के सिवाय किसी भी प्राचार्य से एक भी स्पष्टीकरण नहीं मिला है। कला कॉलेज अलवर की पुस्तकालय के संचालन के लिए जरूरी 10 बुक लिफ्टर में से इनके पास एक भी नहीं है। एक कैंसर पीड़ित लाइब्रेरियन करीब एक लाख धूलभरी पुस्तकों की गर्मी में एल्युमिनियम एवं शीशे के केबिन में बैठकर अमानवीय हालातों में अपने कार्य का निष्पादन करते रहे हैं। इन कैंसर पीड़ित लाइब्रेरी को कूलर तक नहीं दिया गया जिससे इनका स्वास्थ्य बिगड़ता रहता है। अक्सर मानसिक दबाव में रहना पड़ता है। लाइब्रेरियन बुनकर बहुत ही ज्यादा ही परेशान और चिंतित है। यहां तक कह रहे हैं कि "कैंसर से तो मैं जैसे तैसे बच गया लेकिन प्राचार्य अशोक आर्य तो मेरी जान जरूर ले लेंगे।" दलित प्राचार्य द्वारा एक दलित अधीनस्थ कार्मिक लाइब्रेरियन जो कि कई वर्षों से कैंसर पीड़ित है, आज भी परेशान है, को सताना तो और भी चिंता और शर्म की बात है। लाइब्रेरियन की चिंता है कि यदि इनकी सेवानिवृत्ति अटका दी गई तो उनकी आर्थिक स्थिति और बदतर हो जाएगी। स्वास्थ्य और बिगड़ जाएगा। लाइब्रेरियन की चिंता है कि प्राचार्य अशोक आर्य दुर्भावनावश इनकी सेवानिवृत्ति अटकाने पर तुले हुए हैं जिसके लिए आए दिन इन्हें स्पष्टीकरण पर स्पष्टीकरण एवं मौखिक धमकी देते रहे हैं। प्रोफेसरों, लेखाधिकारी एवं स्टाफ के अन्य कर्मचारियों को दबाव में लेकर इनके विरुद्ध दस्तावेज तैयार करते हैं। इनके विरुद्ध मिथ्या आरोप लगवाते हैं। प्राचार्य अशोक आर्य तो लाइब्रेरियन को यह भी कहते हैं कि तू तो रमेश बैरवा का आदमी है। तू उच्च अधिकारियों को मेरी शिकायत करता है। प्रो. रमेश बैरवा ने लिखा है कि यह निवेदन पत्र इसलिए भी लिख रहा हूं कि क्योंकि आज भी इनकी मूल पहचान इस अलवर कला कॉलेज से ही है। इनका कहना है कि आप मुझे चाहे जितना सता लो, लेकिन इस बेचारे कैंसर मरीज, परेशान लाइब्रेरियन को और ज्यादा मत सताओ, इनकी सेवानिवृत्ति होने दो।

होप 90 रन के स्कोर पर आउट हुए। उन्होंने 38 गेंदों का सामना कर 49 रन बनाए। होप के आउट होने के बाद एविन लुईस, शेरफेन रदरफोर्ड और जॉनसन चार्ल्स भी जल्दी आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने 117 रन पर 4 विकेट खो दिए।

वेस्टइंडीज बल्लेबाज, 90 रन की पारी खेलने के बाद।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

संजय मांजरेकर

भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की टेस्ट क्रिकेट में कोई तुलना नहीं। रेड बॉल फॉर्मेट में कोहली का करियर रोहित से बहुत ज्यादा आगे हैं। रोहित अगर इंग्लैंड में ज्यादा टेस्ट खेलते तो उनका बैटिंग औसत 30 का भी नहीं रहता। लेकिन टेस्ट में दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर रहा। रोहित को विराट से जोड़ना गलत संजय मांजरेकर ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, उन्हें रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस होगी, लेकिन उन पर इस बात का दबाव नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

इंग्लैंड ने दूसरा टी-20 चार विकेट से जीता, वेस्टइंडीज से सीरीज भी जीती

नई दिल्ली, 9 जून ।इंग्लैंड ने ब्रिस्टल में खेले गए दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लैंड तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने के साथ ही सीरीज पर कब्जा कर लिया है।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 196 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया इंग्लैंड ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंडीज की खराब शुरुआत रही। पहली ही गेंद पर एविन लुईस आउट हो गए। हालांकि, उसके बाद कप्तान शाई होप और दूसरे ओपनर जॉनसन चार्ल्स ने पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी की।

होप 90 रन के स्कोर पर आउट हुए। उन्होंने 38 गेंदों का सामना कर 49 रन बनाए। होप के आउट होने के बाद एविन लुईस, शेरफेन रदरफोर्ड और जॉनसन चार्ल्स भी जल्दी आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने 117 रन पर 4 विकेट खो दिए। जॉनसन चार्ल्स ने 39 गेंदों का सामना कर 47 रन बनाए। रोमारियो शेफर्ड और रोवमैन पॉवेल के बीच 13 गेंदों पर 31 रन की साझेदारी पांचवें विकेट के लिए रोमारियो शेफर्ड और रोवमैन पॉवेल के बीच 13 गेंदों पर 31 रन की साझेदारी हुई। पॉवेल 34 रन बना कर आउट हुए। छठे विकेट के लिए शेफर्ड ने जेसन होल्डर के साथ 14 गेंदों पर 42 की साझेदारी कर स्कोर 190 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। होल्डर ने 9 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए।

इंग्लैंड के लिए ल्यूक वुड ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए इंग्लैंड के लिए वुड ने 4 ओवर में 25 रन खर्च करते हुए 2 विकेट लिए। ब्रायडन कार्स ने 42 रन देकर 1 सफलता हासिल की। जेकब बेथल ने 3 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिया।

आदिल राशिद महंगे साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में 59 रन खर्च किए। 19वें ओवर में उन्होंने 31 रन दे दिए। इंग्लैंड की भी शुरुआत खराब 197 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की भी खराब शुरुआत रही। 9 के स्कोर पर जेमी स्मिथ पवेलियन लौट गए। उसके बाद जोस बटलर और बेन डकेट ने दूसरे विकेट के लिए 37 गेंदों पर 63 रन की साझेदारी कर पारी को संभाला। बटलर ने तीसरे विकेट के लिए हैरी ब्रूक के साथ 29 गेंदों पर 40 रन की साझेदारी की। छठे विकेट के लिए टॉम बेंटन ने जैकब बेथेल के साथ 15 गेंदों पर 43 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

अल्जारी जोसेफ वेस्टइंडीज के सफल गेंदबाज रहे वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी जोसेफ ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। उन्होंने 4 ओवर में 45 रन खर्च किए। उनके अलावा अकील हुसैन ने 4 ओवर में 33 रन देकर 1 विकेट लिया।होल्डर की गेंदबाजी भी अच्छी रही और उन्होंने 3.3 ओवर में 30 रन देकर 1 सफलता अपने नाम की। रोमारियो शेफर्ड और रोस्टन चेज को भी 1-1 सफलता मिली।

विग्ने कप मैच में 78 रनों की पारी के बाद हुआ विवाद

जिम्बाब्वे क्रिकेटर सिकंदर रजा ने लगाया नस्लीय दुर्व्यवाह का आरोप

नई दिल्ली, 9 जून। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने स्थानीय कोच पर नस्लीय दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। यह घटना 1 जून को विग्ने कप मैच के दौरान की है। वह अपनी टीम ओल्ड हरारियंस की तरफ से रेनबो क्रिकेट क्लब के खिलाफ खेल रहे थे। हरारे मेट्रोपॉलिटन क्रिकेट एसोसिएशन में शिकायत दी उन्होंने इसकी शिकायत हरारे मेट्रोपॉलिटन क्रिकेट एसोसिएशन में दी है। क्रिकेट की वेबसाइट क्रिक इन्फो के मुताबिक रजा ने आरोप लगाया है कि वह ओल्ड हरारियंस क्लब में ओल्ड हरारियंस और रेनबो क्रिकेट क्लब के बीच खेले गए मैच के दौरान जब ग्राउंड से बाहर जा रहे थे, तब कोच ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की।

रजा ने कहा, ''मैं इस घटना की पूरी जांच की मांग करता हूं। अगर कोच दोषी पाया जाता है, तो उन्हें ऐसा सबक सिखाया जाना चाहिए कि भविष्य में किसी के साथ ऐसी घटना न हो।'' मैच के दौरान रजा ने 56 गेंदों में 78 रन बनाए, जिससे उनकी टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 402 रन बनाए। जवाब में रेनबो क्रिकेट क्लब ने 39 ओवर में 8 विकेट पर 225 रन बनाए और पद्धित से 142 रनों से मैच हार गई। में लाहौर कलंदर्स को खिताब जिताने में अहम रोल निभाया था

रजा ने में लाहौर कलंदर्स को खिताब जिताने में अहम रोल निभाया था। उन्होंने लाहौर में खेले गए फाइनल में क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ विजयी रन बनाए थे। उन्होंने 7 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाए थे। साथ ही एक विकेट भी लिया था। यह 2025 में रजा का दूसरा टी20 फ्रेंचाइजी ट्रॉफी रहा। इससे पहले उन्होंने 20 भी जीता था। दूसरे टी-20 में इंग्लैंड 4 विकेट से जीत:वेस्टइंडीज से सीरीज भी जीती; बटलर-डकेट की 63 रन की साझेदारी, बेंटन-बेथेल ने दिलाई जीत

इंग्लैंड ने ब्रिस्टल में खेले गए दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लैंड तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने के साथ ही सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया है। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 196 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 6 विकेट खोकर ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

दौसा ने जालोर को छह विकेट से हराया

कोलिन शील्ड प्रतियोगिता में अपने पहले मैच में दौसा ने जालोर को 6 विकेट से हराया

जयपुर, 9 जून। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि कोलिन शील्ड प्रतियोगिता में दौसा टीम ने जालौर की टीम को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी है। दौसा ने टॉस जीतकर पहले

गेंदबाजी को चुना और दौसा ने जालोर को 50 ओवर में 243 रनो पर रोक दिया।

दौसा की ओर से करन मीना ने 56 रन देकर 3 विकेट, पृथ्वी नागरवाल ने 34 रन देकर 2 विकेट लिए और सभी गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी और बेहतरीन छेत्र रक्षण कर जालोर को 243 रन पर रोक दिया । दौसा की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआती साझेदारी में देवकृत शर्मा ने 38 बॉल पर 50 रन ,दिव्याशु ने 106 बॉल पर 83 रन और सचिन शर्मा ने 51 बॉल पर 68 रन की ताबड़तोड़ बैटिंग की सहायता से 38.2 ओवर में 4 विकेट खोकर 247 रन बना दिए और मिराज खेल मैदान पर 6 विकेट से जीत दर्ज की । सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा टीम के सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दी गई साथ ही अगले मैचों में टीम के खिलाड़ियों को इस मैच में अपनी कमजोरियों को दूरकर शानदार खेलने हेतु प्रेरित किया।

केपीएल टूर्नामेंट : राजघराना टाइगर्स ने जीता कप अल्टीमो डेयरडेविल्स बनी उपविजेता

जयपुर, 9 जून। पिंकसिटी के एसएमएस स्टेडियम में वैश्य समाज द्वारा पिछले चार दिनों से चल रही केपीएल लीग में राजघराना टाइगर्स ने जीता कप, अल्टीमो डेयरडेविल्स बनी उपविजेता। मीडिया इंचार्ज अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि केपीएल में डे नाइट फाइनल मुकाबला अल्टीमो डेयरडेविल्स और राजघराना टाइगर्स के बीच हुआ।टॉस हारकर पहले खेलते हुए अल्टीमो डेयरडेविल्स ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर मात्र 112 रन बनाए जिसमें मोहित लाहोटी ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए 32 रनों का योगदान दिया और टाइगर्स के ध्रुव बाकलीवाल ने 3 विकेट लिए थे। लगातार विकेट गिरने के चलते एक वक्त 87 रनों पर 7 विकट गिर गए थे, किंतु ध्रुव 41 रन नाबाद बना राजघराना टाइगर्स को लगातार तीसरी बार कप जितवाया। फाइनल के बेस्ट प्लेयर ध्रुव बाकलीवाल रहे। और दूसरा आकर्षण का केंद्र बॉलीवुड एक्टर्स सोनाली राऊत रही। इस दौरान जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खण्डेलवाल, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, पूर्व महापौर ज्योति शरद खण्डेलवाल, भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल, विख्यात समाज सेवी सुरेश पाटोदिया, शिव कुमार मकराना, पवन गोयल, राजेन्द्र मित्तल, जेके जैन, सुधीर गोधा, तरुण जैन इत्यादि मौजूद रहे।

करौली क्रिकेट एसोसिएशन की हाईकोर्ट में याचिका जस्टिस आनंद शर्मा की कोर्ट में होगी सुनवाई आज

जयपुर, 9 जून। अवकाश क़ालीन न्यायाधीश जस्टिस आनंद शर्मा की अदालत में होगी सुनवाई। स्वदीप सिंह होरा की ओर से दायर की गई याचिका। करोली क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव शिवचरण माली की है याचिका। हाईकोर्ट में खेल सचिव नीरज के पवन के आदेश के ख़िलाफ़ हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका। करोली क्रिकेट संघ के सचिव शिवचरण माली को अपदस्थ करने के ख़िलाफ़ रजिस्ट्रार सहकारिता और नीरज के पवन के आदेश को दी गई हाई कोर्ट में चुनौती।

पैराग्वे के पास ब्राजील के खिलाफ खोने के लिए कुछ नहीं है : अल्फारो

साओ पाउलो, 9 जून। पैराग्वे के मैनेजर गुस्तावो अल्फारो ने कहा है कि उनकी टीम ब्राजील के खिलाफ अपने महत्वपूर्ण विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले में इस विश्वास के साथ उतरेगी कि खेल के सबसे बड़े मंच 'विश्वकप' में जगह बनाना उसकी पहुंच में है और उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। साओ पाउलो के कोरिंथियंस एरिना में मंगलवार को होने वाले क्वालीफायर मुकाबले से पहले अल्फारो ने कहा, यह ऐसा मैच है जिनमें हमारे पास जीतने के लिए सब कुछ है और हारने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, ब्राजील हमेशा एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी रहा है, लेकिन साथ ही हम जानते हैं कि अगर हम जीतते हैं तो हम वह हासिल कर सकते हैं जिसके लिए हम प्रयासरत रहे हैं। यह एक ऐसा सपना है जो 15 वर्षों से पूरा नहीं हुआ है।

टीम इंडिया के होम सीरीज के वेन्यू शिफ्ट हुए

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट कोलकाता से दिल्ली शिफ्ट हुआ

नई दिल्ली, 9 जून। इंटरनेशनल होम सीजन और साउथ अफ्रीका ए के भारत दौरे के लिए वेन्यू में बदलाव किए हैं। टीम इंडिया अक्टूबर से दिसंबर के बीच वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से सीरीज खेलेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट की सीरीज अक्टूबर में होगी। जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज नवंबर-दिसंबर में खेलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट जो पहले कोलकाता में होना था, अब नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस बीच, 14 नवंबर से शुरू होने वाले साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट नई दिल्ली से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शिफ्ट कर दिया गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद

और दिल्ली में 2 टेस्ट टीम इंडिया का होम सीजन वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज से शुरू होगा। 2 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा। 10 अक्टूबर से दूसरा टेस्ट कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन अब ये दिल्ली में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप ( ) का हिस्सा हैं। इसके बाद टीम इंडिया 19 से 25 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया में 3 वनडे की सीरीज खेलेगी। फिर 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में 5 टी-20 की सीरीज भी होगी। साउथ अफ्रीका से पहला टेस्ट दिल्ली से कोलकाता शिफ्ट हुआ ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलनी है।

18 नवंबर से कोलकाता में पहला टेस्ट और 26 नवंबर से गुवाहाटी में दूसरा टेस्ट शुरू होगा। पहला टेस्ट पहले दिल्ली में खेला जाना था। बरसापारा स्टेडियम में पहली बार रेड बॉल से इंटरनेशनल मैच होगा। इससे पहले यहां वनडे और टी-20 के 12 इंटरनेशनल मैच खेले जा चुके हैं।

आरडी बाहेती जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरू, डॉ. नीरज के. पवन ने उद्घाटन किया

जयपुर, 9 जून। सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडौर बैडमिंटन हॉल पर आरडी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप का उद्घाटन प्रमुख खेल सचिव डॉक्टर नीरज के पवन (खेल व युवा मामलात) आरडी बाहेती तथा प्रदीप बाहेती द्वारा किया गया। डॉ नीरज के पवन व प्रदीप बाहेती ने प्रथम शटल कॉक फेंक कर शुरूआत की। डॉ नीरज के. पवन ने इस मौके पर सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें शानदार प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। जिला सचिव मनोज दसोत ने बताया प्रतियोगिता में लगभग 700 खिलाड़ी भाग लेंगे।

ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता के अनुसार आज खेले गए लगभग 350 मैच, जिसमें अंडर 15 वर्ग के क्वालीफाई राउंड में, जिन्हें जीत यह 16 खिलाड़ी अभिषेक समी चौधरी, लक्ष्य देवंद, विकास कुमार, आरव, अर्शदीप मिश्रा, यशराज, युवराज सिंह, काव्य मनवानी देव चौधरी, दिवांशु गगन, साक्षात बीजारणिया, अभिनव चौधरी, कीर्तिराज, अर्जुन विजयवर्गीय तथा सिद्धांत जीतकर मेन राउंड में पहुंचे। वही अंदर 15 लड़कियों में दो राउंड जीतने के बाद सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अगले राउंड में पहुंचे। अतुल गुप्ता ने बताया उद्घाटन समारोह राजस्थान बैडमिंटन जगत के अशोक कॉलोनी, वीरेंद्र भार्गव, अलका बत्रा, रितु लोहिया, जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के पैटर्न राजीव नागोरी, राजेंद्र पाटनी, जगदीश खत्री, विकास माथुर, अमन कुमावत, आदि उपस्थित रहे। मंगलवार को अंडर 15, अंडर 17 व सीनियर वर्ग के महिला व पुरुष वर्ग के एकल मैच खेले जाएंगे ।

कोटियान और काम्बोज के नाबाद अर्द्धशतक, मुकाबला रहा ड्रॉ

नार्थम्पटन, 9 जून। तनुष कोटियान (नाबाद 90) और अंशुल काम्बोज (नाबाद 51/ दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंडिया ए और इंग्लैंड लायंस के बीच खेला गया दूसरा अनौपचारिक टेस्ट चौथे दिन सोमवार को ड्रा रहा। कोटियान और काम्बोज की जोड़ी ने इंग्लैंड लायंस के गेंदबाजों की खूब परीक्षा ली और की आठवें विकेट के लिए 149 रनों की अविजित साझेदारी कर इंडिया ए के लिए 92 ओवर में सात विकेट पर 417 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड लायंस को जीत के लिए 439 रनों का लक्ष्य मिला। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड लायंस की शुरुआत खराब रही और उसने एक के बाद एक 26 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। टॉम होंज (सात), एमिलियो गे (पांच) और जार्डन क्रॉक्स (शून्य) पर आउट हुये। इंग्लैंड के 11 ओवर में तीन विकेट पर 32 रन बनाये जाने के बाद मैच को ड्रा घोषित कर दिया गया। अंशुल काम्बोज ने दो विकेट लिये और तुषार देशपांडे ने एक बल्लेबाज को आउट

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता

जयपुर, 9 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बतायाकि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वाराबीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफीक्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रहीराज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में आज नागौर, चूरू, टोंक, चित्तौड़, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, हनुमानगढ़, धौलपुर, बारां, दौसा, राजसमंद वपाली जीते। आज के मैचों में हिमांशु पुजारी, मिलिंद पाटीदार, प्रदीप बारेसा, रामेश्वर लाल गायरी, रोहित बंजारा, अभिषेक प्रताप सिंह, सिद्धार्थ गौतम, सचिन शर्मा, महिपाल लोमरोर, दीपक गौर, भगवत सिंह, शोएब खान, आदित्य वाधवा, रमन घारू, दिव्यांशु सिंह का शानदार प्रदर्शन रहा।

65वां केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत का समापन आज

खेल राज्यमंत्री के.के. विश्नोई होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर, 9 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की ओर से आयोजित 65वां केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत का समापन मंगलवार को होगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि खेल राज्य मंत्री के. के. विश्नाई होगें। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि आबू पर्वत में 65वां केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का समापन कल होगा। खेल राज्य मंत्री के.के. विश्नोई मुख्य अतिथि होगें। जबकि समारोह की अध्यक्षता जिला कलक्टर सिरोही व आईएएस अल्पा चैधरी करेगी। समारोह के विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक सिरोही व आईपीएस अनिल कुमार बेनीवाल, उपखंड अधिकारी व आईएएस डॉ. अन्शु प्रिया, वित्तीय सलाहकार खेल परिषद महावीर मीणा और द्रोणाचार्य अवार्डी व खेल परिषद के मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया होंगे। मुख्य शिविर निदेशक और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि आबू पर्वत शिविर 6 खेलों में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में हैंडबाल, वॉलीबाल, बास्केटबाल, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स और तीरंदाजी शामिल है। 80 बालक और 80 बालिकाओं सहित कुल 160 खिलाडी शिविर में भाग ले रहे है। शिविर 21 मई से शुरू हुआ था।

सौरभ कुमार नए घरेलू सत्र में आंध्रप्रदेश के लिए खेलेंगे

लखनऊ, 9 जून। उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के 32 वर्षीय स्पिन गेंदबाज सौरभ कुमार नए घरेलू सत्र में आंध्रा की ओर से खेलेंगे। सौरभ ने बताया कि उसे उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल चुका है और वह इस नई पारी को लेकर बहुत उत्साहित हैं। सौरभ ने कहा, मैं कुछ नए मौके तलाश में था और पिछले कुछ दिनों से मेरी दो-तीन टीमों से बात हो थी। अंतत: मैंने आंध्रप्रदेश का चयन किया, क्योंकि वह एक बेहतर टीम है और एलीट ग्रुप में खेलती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पुष्कर में ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान'' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार इको फ्रेंडली प्रोडक्ट्स की स्टॉल्स का अवलोकन किया और महिलाओं को तुलसी के पौधे भी भेंट किए।

‘जल संरक्षण हमारी जिम्मेदारी, प्रदेश को ''हरियालो राजस्थान'' बनायेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अजमेर में विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया, ब्रह्मा मंदिर में पूजा की

- **मुख्यमंत्री ने कहा, पुष्कर को धार्मिक व सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार पहले चरण में 127 करोड़ रूपये तथा दूसरे चरण में 38 करोड़ रूपये खर्च कर रही है।**

पुष्कर/जयपुर, 9 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, जल का कोई विकल्प नहीं है, जल है तो कल है। ऐसे में आने वाली पीढ़ी को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए जल संरक्षण हम सबकी महती जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जल की आवश्यकता को समझते हुए प्रदेशभर में विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरूआत की है। उन्होंने आ ान किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान से जुड़ें, जिससे राजस्थान में पानी की कमी नहीं रहे तथा हमारा प्रदेश हरियालो राजस्थान बने।

शर्मा सोमवार को पुष्कर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीर्थराज पुष्कर की इस पावन धरा पर पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां स्थित ब्रह्मा जी का मंदिर और सावित्री माता का मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को समझते हुए डेढ़ साल में पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए देशभर में 'कैच द रेन' अभियान प्रारंभ किया था। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान का शुभारंभ किया।

शर्मा ने कहा कि पुष्कर को एक भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर एवं परिसर के विकास के लिए विभिन्न कार्य चरणबद्ध रूप से करवाए जा रहे हैं। पहले चरण में लगभग 127 करोड़ रु. की लागत से घाट नवीनीकरण, सावित्री वाटिका, ब्रह्मा मंदिर से ब्रह्मा घाट तक कॉरिडोर, ब्रह्मा चौक से वराह घाट तक कॉरिडोर सहित विभिन्न कार्य किए जाएंगे। दूसरे चरण में कुल 38 करोड़ की लागत से नया मेला मैदान, प्रवेश और सूचना केंद्र का निर्माण किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने आमजन से इस अभियान में बढ़ चढ़कर भागीदारी करने की अपील की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजमेर जिले में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के प्रथम चरण के अंतर्गत 13.51 करोड़ रुपये के 553 जल संग्रहण संरचनाओं तथा द्वितीय चरण के अंतर्गत 9 करोड़ 61 लाख रुपये की 176 जल संग्रहण संरचनाओं का वर्चुअली लोकार्पण किया। शर्मा ने अजमेर जिले के बंदिया एवं मुहामी गांव के कॉजवे एवं फीडर मरम्मत कार्य, फूल सागर बीर जलाशय का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सभा स्थल पर राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार इको फ्रेंडली प्रोडक्ट्स की स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा महिलाओं को तुलसी के पौधे भी भेंट किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ब्रह्मा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तीर्थराज पुष्कर का पूजन तथा जलाभिषेक किया तथा ब्रह्मा मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा, मंदिर परिसर में स्थित ब्रह्म वाटिका में सिंदूर का पौधरोपण भी किया।

सरकारी शिक्षक ने मंत्री मदन दिलावर को रिश्वत देने का प्रयास किया

जनसुनवाई के दौरान यह शिक्षक मिठाई का डिब्बा व लिफाफे में पाँच हजार रूपये लेकर पहुँचा

- **बाँसवाड़ा के घाटोल ब्लॉक में कार्यरत चंद्रकांत वैष्णव को शिक्षा मंत्री की सूचना पर हिरासत में ले लिया गया।**

जयपुर, 9 जून। शहर के सोडाला थाना इलाके के सिविल लाइंस स्थित एक सरकारी शिक्षक ने मंत्री के आवास पहुंचकर रिश्वत देने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। जानकारी में सामने आया कि आरोपित शिक्षक पाठ्यक्रम समिति में शामिल होने के लिए जनसुनवाई के दौरान प्रार्थना पत्र लेकर आया था। इसके साथ एक लिफाफा और मिठाई का डिब्बा भी था। लिफाफे में पांच हजार रुपए थे। मामले की जानकारी मिलने पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोडाला थाना पुलिस को सूचना दे दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित शिक्षक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रुपयों का लिफाफा देने वाले युवक का नाम चंद्रकांत वैष्णव है और वह बांसवाड़ा के घाटोल ब्लॉक में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बुधा में कार्यरत है। पुस्तक लेखन का काम राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद करती है। उसी लेखन प्रक्रिया में आरोपित शिक्षक स्वयं को शामिल करवाना चाहता है। इसी मंशा के साथ सोमवार सुबह चंद्रकांत मंत्री के जयपुर के सिविल लाइंस स्थित आवास पर पहुंचा था।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि वे सोमवार सुबह जनसुनवाई कर रहे थे। उसी दौरान, सरकारी शिक्षक चंद्रकांत वैष्णव पाठ्यक्रम समिति में शामिल करने की मांग के लिए प्रार्थना पत्र लेकर आया। इसके साथ, शिक्षक एक लिफाफा और मिठाई का डिब्बा भी लाया था। लिफाफे में पांच हजार रुपए थे तो उन्होंने सामान्य लिफाफा समझ कर रख लिया, क्योंकि रोज सिफारिश के पत्र के साथ कई लिफाफे आते हैं। जब लिफाफा संदिग्ध दिखा तो उसे खोलने पर, उसमें पांच हजार रुपए थे। इस पर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस अपने स्तर पर पूछताछ कर रही है तो वहीं, विभाग की एक अलग टीम भी जांच में जुटी है।

आरोपित टीचर एबीवीपी और संघ की विचारधारा से जुड़ा होना बताया गया है।

सरकारी शिक्षक ने पत्र में लिखा कि 'वह छात्र जीवन से ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और संघ की विचारधारा से जुड़ा है। वह भारतीय मजदूर संघ जैसे संगठन से जुड़ा है तथा इसके अलावा, शिक्षा विभाग में विभागीय गतिविधियों में कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुका है। वर्तमान सरकार की मंशानुसार नई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति कक्षा 6-8 विज्ञान विषय में लेखक के रूप में शामिल करने की अनुशंसा करवाने का श्रम करें।

मंत्री दिलावर ने कहा कि यह मेरे जीवन की पहली घटना है। उनको लगभग 35 - 36 साल राजनीति में हो गए। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ, जब किसी को ये लगा हो कि शिक्षा मंत्री पैसे देकर काम करते हैं।

पहले परंपराएं रही होंगी। इसलिए आरोपित शिक्षक ने हिम्मत की है। ये दुखद बात है कि लोगों की सोच ये है कि शिक्षा मंत्री पैसे लेते हैं।

पाक बमबारी में क्षतिग्रस्त घरों का अतिरिक्त मुआवजा मिलेगा

नयी दिल्ली, 09 जून। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गृह मंत्रालय से पाकिस्तान की गोलाबारी में क्षितग्रस्त हुए 2060 मकानों के लिए केंद्र सरकार के मुआवजे के अतिरिक्त 25 करोड़ रुपए का प्रावधान करने को कहा है।

- **केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा पूर्ण क्षतिग्रस्त मकान के लिए 2 लाख रु. और आंशिक रुप से क्षतिग्रस्त मकान के लिए एक लाख रु. मुआवजा दिया जाएगा।**

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तानी गोलाबारी में क्षतिग्रस्त हुए घरों के लिए हाल ही में मुआवजा राशि दिए जाने की घोषणा की थी। गृह मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि पूरी तरह से क्षतिग्रस्त प्रत्येक घर के लिए दो लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त प्रत्येक घर के लिए एक लाख रुपये की अतिरिक्त मुआवजा राशि की घोषणा का त्वरित अनुपालन सुनिश्चित कराया गया है।

ग्रैटा थनबर्ग के जहाज पर इज़रायल ने कब्जा किया

जानी मानी जलवायु एक्टिविस्ट ग्रैटा थनबर्ग 12 मानवाधिकारवादियों के साथ पानी के जहाज़ से गाज़ा पट्टी के लोगों के लिए सहायता ले जा रही थी

- **इज़रायल की तमाम चेतावनियों के बाद भी जब ''फ्रीडम फ्लोटिला'' संगठन का जहाज मैडलीन नहीं रुका तो इज़रायल ने बीच समंदर में ही जहाज पर कब्जा कर लिया।**
- **फ्रीडम फ्लोटिला की स्थापना गाज़ा के लोगों को राहत सामग्री पहुंचाने के लिए गई थी।**

तेल अवीव, 9 जून। फिलीस्तीन के गाज़ा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए ग्रैटा थनबर्ग (जानीमानी क्लाइमेट एक्टिविस्ट) सहित, 12 ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट्स के समूह के जहाज को इज़रायली सैनिकों ने अपने कब्जे में ले लिया है। उसपर बीच समंदर इज़रायली सैनिक सवार हो गए हैं। इस जहाज का नाम मैडलीन है और फ्रीडम फ्लोटिला गठबंधन अभियान समूह ने टेलीग्राम ऐप पर कहा है कि जहाज से ''कनैक्शन टूट गया है''। इसके साथ एक तस्वीर भी पोस्ट की गई जिसमें लाइफ जैकेट पहने लोग हाथ ऊपर करके बैठे दिख रहे हैं। ट्विटर पर वीडियो पोस्ट करके एक्टिविस्ट्स ने दावा किया है कि उन्हें इज़रायली सेना ने किडनैप कर लिया है।

इज़रायल के रक्षा मंत्री इज़रायल काट्ज ने पहले ही अपनी सेना को आदेश दिया था कि जहाज को गाज़ा की नाकाबंदी तोड़ने से पहले ही रोक दिया जाए। इज़रायल का दावा है कि वह नहीं चाहता कि हथियार हमास तक पहुंचें और उन्हें ही रोकने के लिए नाकाबंदी जरूरी है। इज़रायल के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मैडलीन ''सुरक्षित रूप से इज़रायल के तटों की ओर बढ़ रहा है।''

फ्रीडम फ्लोटिला गठबंधन का हिस्सा, मैडलीन गाज़ा पर इज़रायल के किए नाकाबंदी को तोड़ने के लिए राहत सामग्री के साथ पिछले हफ्ते सिसली से रवाना हुआ था। गाज़ा युद्ध 7 अक्टूबर, 2023 को इज़रायल पर हमास के हमले से शुरू हुआ था। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि हमास के हमले में इज़रायली पक्ष के 1,218 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे। वहीं, रविवार को, हमास द्वारा संचालित गाज़ा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गाज़ा में मरने वालों की कुल संख्या 54,880 तक पहुंच गई है, जिनमें से अधिकांश नागरिक हैं।

हमास के हमले से पहले से ही इज़रायल ने गाज़ा पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू कर रखी है। यानी समुद्र के रास्ते वो गाज़ा में कुछ नहीं आने देता। इस नाकाबंदी का विरोध करने और मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए 2010 में फ्रीडम फ्लोटिला गठबंधन की स्थापना की गई थी।

एसआई पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि उसके बेटे का जल्दी ही विवाह होने वाला है। इसके साथ ही उसकी बेटी का गौना भी होना है। इसलिए उसे अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाए। जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक अनुराग शर्मा ने कहा कि आरोपी जेल के अस्पताल से उचित चिकित्सा सुविधा हासिल कर रही है। ऐसे में केवल इस आधार पर उसे अंतरिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। इसके अलावा, आरोपी श्रवण का बेटा नाबालिग है। इसलिए उसकी शादी भी संभव नहीं है। अदालत ने सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद, मामले की सुनवाई 2 जुलाई को तय की है।

'11 साल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी लेने के लिए भी आमंत्रित किया। मोदी ने अपने पोस्ट में कहा, ''सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान! 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर, एनडीए सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, जन-केन्द्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है, लेकिन साथ ही, हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं!''

मेघालय के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके पर्यटन पर असर पड़ता है।

अब सरकार इस बात से राहत महसूस कर रही है कि यह मामला व्यक्तिगत था और ''वो उत्तर भारतीय'' ही इसके लिए जिम्मेवार थे।

जांच जारी है और जहाँ साजिशों की अनेक ''कॉन्स्पिरेसी थ्योरी'' चल रही हैं, तथ्य यह है कि यह मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है और हर जगह इसी की बात हो रही है!!

देश भर में करोना के 6491 एक्टिव केस

राहत की बात है कि गत 24 घंटों में करोना संक्रमण से कोई मौत नहीं हुई

- **करोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस (1957) केरल में हैं। राजस्थान में भी करोना पैर पसार रहा है, यहां 128 एक्टिव केस हैं।**

नयी दिल्ली, 09 जून। देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या सोमवार सुबह तक 6491 पहुंच गयी और राहत की बता यह है कि इसके संक्रमण से पिछले 24 घंटों के दौरान किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक 358 नए संक्रमण के मामले सामने आए, जिससे कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 6,491 हो गई। राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों में कोरोना से संबंधित किसी अन्य मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों की संख्या 65 पर स्थिर है।

कोरोना संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां आज सुबह सक्रिय मामलों की संख्या 1957 तक पहुंच गई और दिल्ली में लगभग 42 नए मामले सामने आए, जिससे कुल मामलों की संख्या 728 हो गई।

इसके अलावा गुजरात में 980, पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 607, कर्नाटक में 423, तमिलनाडु में 219, उत्तर प्रदेश में 225, राजस्थान में 128, हरियाणा में 100, आंध्र प्रदेश में 85, पुडुचेरी में 11, सिक्किम में 31, मध्य प्रदेश में 43, झारखंड में चार, छत्तीसगढ में 41, बिहार में 50, ओडिशा में 34, जम्मू-कश्मीर में नौ, पंजाब में 35, असम में चार, गोवा में नौ, तेलंगाना में नौ, उत्तराखंड में छह, चंड़ीगढ़ में दो, हिमाचल प्रदेश तीन, त्रिपुरा में एक सक्रिय मामले हैं। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण को कोई मामला सामने नहीं आया है।

कोरोना की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार आज सुबह तक देश भर से 624 मरीजों के स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है।

इस बीच, कोविड-19 के लिए जिम्मेदार वायरस सार्स-सीओवी-2 खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह अब अप्रत्याशित आपातकाल की तरह व्यवहार नहीं करता है - बल्कि, यह फ्लू की तरह बीमारियों के आवर्ती चक्र का हिस्सा बन गया है।

मंत्रालय के अनुसार हाल ही में हुई वृद्धि के जवाब में, केंद्र सरकार ने अस्पताल की तैयारियों और ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न राज्यों में मॉक ड्रिल शुरू की है।

शिक्षा मद के 2291 करोड़ रु. रोकने के मामले में तत्काल सुनवाई जरुरी नहीं

नयी दिल्ली, 09 जून। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार पर समग्र शिक्षा योजना (एसएसएस) की 2291.30 करोड़ रुपए की धनराशि रोकने का आरोप लगाते हुए उसका भुगतान करने का निर्देश देने की तमिलनाडु सरकार की याचिका पर शीघ्र तत्काल सुनवाई करने से सोमवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने मामले का विशेष उल्लेख करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन की तत्काल सुनवाई की दलीलें सुनने के बाद कहा,इसमें कोई जल्दबाजी नहीं है, ग्रीष्मकालीन के बाद इस पर सुनवाई की जा सकती है।

तमिलनाडु सरकार ने लाखों बच्चों के पढ़ाई संबंधित नुकसान का का हवाला देते हुए अपनी याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था।

राज्य की द्रमुक सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत दायर अपनी मूल याचिका में उसने केंद्र सरकार को 2,291.30 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश देने की मांग की, जिसमें एक मई, 2025 से लेकर डिक्री की प्राप्ति तक 2,151.59 करोड़ रुपये की मूल राशि पर छह फीसदी प्रति वर्ष ब्याज शामिल है।

मोदी जी ने, 11 जून ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह मुद्दा अभी भी अनसुलझा बना हुआ है। इसी कारण से मंत्रिमंडल में फेरबदल रुका हुआ है। अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ समस्याओं ने प्रधानमंत्री मोदी और उनकी छवि तथा प्रधानमंत्री पद पर गहरा प्रभाव डाला है।

वे ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए किसी भी आरोप का उत्तर देने में असमर्थ रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का श्रेय उन्होंने (ट्रंप ने) लिया। इस बिन्दु पर, प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चुप्पी और लगातार चुप्पी बनी हुई है। भाजपा और आरएसएस दोनों के भीतर आगामी दिशा को लेकर बेचैनी और असंतोष है, और यह समझ नहीं आ रहा कि भारतीय नेतृत्व को अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कैसे और क्यों पीछे धकेल दिया गया।

यह तो पक्का है कि राष्ट्रपति ट्रंप, युद्धविराम, भाजपा अध्यक्ष पद और कई अन्य मुद्दों पर सवाल उठेंगे, इसलिए बेहतर है कि सरकार को परेशान कर रहे इन विवादित मुद्दों से दूर रहा जाए और किसी और को इनका सामना करने दिया जाए।

टाइगर के हमले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के कोई इंतजाम नहीं कर रहा है।

मंदिर चौकीदार की मौत से गुस्साए ग्रामीण गणेश धाम पर बैठ गए और निर्णय लिया कि जब तक प्रशासन द्वारा मांगों को लेकर सहमति नहीं बनती, तब तक धरने से नहीं उठेंगे। उधर अगले आदेश तक रणथंभौर का गणेश मंदिर मार्ग बंद कर दिया गया। मुख्य वन संरक्षक अनूप के आर ने बताया कि रणथंभौर दुर्ग स्थित गणेश मंदिर के पास ही जैन मंदिर है। जैन मंदिर में तीन चौकीदार हैं। इनमें एक राधेश्याम माली (60) सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे शौच करने निकला, तभी टाइगर ने उस पर हमला कर दिया। उसकी चीख सुनकर दोनों साथी चौकीदारों ने वन विभाग को सूचना दी। विभाग की टीम ने मंदिर के निकट खून के छींटे देखकर राधेश्याम की तलाश की। खून के निशानों के पीछे-पीछे करीब 30 मीटर दूर गए तो चौकीदार का शव मिल गया। शव के पास राधेश्याम की लाठी व टॉर्च मिलीं। वन कर्मचारियों ने शव सामान्य चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंचाया। तथापि, किस टाइगर ने हमला किया, यह अभी पता नहीं चल सका है।

महागठबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। राजनैतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि राहुल गांधी की जनसामान्य, खासतौर से उपेक्षित समुदायों एवं महिलाओं, तक पहुँच का गहरा असर हुआ है। हाल ही में हुई जातिगत जनगणना की घोषणा, जिसकी अधिसूचना 16 जून को की जायेगी, से जातिगत सक्रियता एवं लामबंदी में बहुत वृद्धि हुई है। बताया जाता है कि ओबीसी, एमबीसी तथा मुस्लिम वोट बैंक जदयू-भाजपा से दूर हो रहे हैं।

भाजपा की परेशानियों को बढ़ाने वाला एक बड़ा कारण यह भी है कि उसके पास कोई ऐसा प्रभावी स्थानीय नेता नहीं है, जो तेजस्वी यादव की बढ़ती लोकप्रियता का मुकाबला कर सके। बिहार में भाजपा का कोई ऐसा नेता न होना, जो प्रचार को नेतृत्व दे सके तथा कार्यकर्ताओं को एकजुट कर सके, भाजपा की एक कमज़ोरी एवं कमी रही है। इसके अलावा, वक्फ के मुद्दे को विवादास्पद तरीके से हैंडल करने से बहुत से मुस्लिम मतदाता भाजपा से दूर हो गये हैं। वे अब आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन के पीछे इकट्ठे होते दिखाई दे रहे हैं।

राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर वर्तमान स्थिति बनी रहती है तो महागठबंधन दो-तिहाई सीटें हासिल कर सकता है। ठाकुर ने कहा, ''बिहार में एनडीए की स्थिति तेजी से खराब हो रही है। अगर एनडीए अपने आंतरिक मतभेदों एव टकरावों का समाधान नहीं करता है तथा नेतृत्व का कोई विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत नहीं करता है, तो पटना जाने वाली सड़क उसके लिये ब्लॉक होती जा रही है।''

बिहार की चुनावी लड़ाई जैसे-जैसे गति पकड़ रही है, सबकी नज़रें इस बात पर लगी हुई हैं कि भाजपा अपनी रणनीति को कैसे सुधारती है या फिर एक नई शक्ति से परिपूर्ण विपक्षी मोर्चे द्वारा सत्ता से बाहर कर दिये जाने का खतरा उठाने की स्थिति में पहुँचती है।

मुंबई में लोकल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने दुर्घटना का मुख्य कारण अत्यधिक भीड़ बताया है, कथित तौर पर उस समय कई यात्री ट्रेन के दरवाजों पर लटके हुए थे।

घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे अधिकारी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच अभी चल रही है।

इस दुर्घटना से प्रभावित मार्ग पर लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गयी हैं। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि पांच लोगों की मौत हो गई है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी भी लंबित है। बचाव और जांच के प्रयास जारी रहने के कारण आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि रेलवे ने लोकल ट्रेन से गिरकर पांच ट्रेन यात्रियों की मौत की दुर्घटना मामले के वास्तविक कारणों की जांच शुरू कर दी है।

''बाहरी'' व्यक्तियों को खदेड़ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकारी और निजी संपत्ति को हुए कुछ नुकसान के साथ-साथ सड़कों पर हुई हिंसा के लिए वास्तव में इतनी कठोर कार्रवाई की जरुरत है। अर्धसैनिक बलों की तैनाती, कथित रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी के, लॉस एंजलिस के गवर्नर की इच्छा के विरुद्ध की गई है।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, इस बीच इससे भी आगे बढ़ चुके हैं तथा उन्होंने और अधिक बल भेजने की बात कही है। उनके विदेश मंत्री, पीट हेगसेथ, ने चेतावनी दी है कि सक्रिय ड्यूटी वाले मरीन सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और अशांत इलाकों में तैनाती के लिए सैनिक पूरी तरह तैयार हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन और स्वयं राष्ट्रपति इस प्रदर्शन को एक अवसर के रूप में लेना चाहते हैं, ताकि वे घरेलू अशांति को दबाने के लिए सैनिकों की तैनाती की अपनी तत्परता दिखा सकें। अमेरिका में यह बात दुर्लभ मानी जाती है कि एक डैमोक्रैटिक व लिबरल सोसाइटी में किसी नागरिक विरोध को बल प्रयोग से दबाया जाए।

लेकिन ट्रंप के दो उद्देश्य हैं, पहला, अपने सख्त नेता की छवि को दर्शाना, और दूसरा, प्रशासन के लिए जो घटनाएं बहुत हानिकारक हैं, उनसे ध्यान हटाना, जैसे कि ट्रंप का तथाकथित ''बिग एंड ब्यूटीफुल बिल,'' जिसका तात्पर्य है कि वे खर्च और घाटे में वृद्धि के साथ-साथ अपने परम मित्र एलन मस्क के साथ खुले आम झगड़ा कर रहे हैं।

उदार विचारधारा वाले लोगों का मानना है कि यह एक ध्यान भटकाने की रणनीति है, जिसका खतरनाक सामाजिक प्रभाव हो सकता है। राष्ट्रपति जानबूझकर हिंसा और अशांति के दृश्य को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, ताकि अमेरिका की धरती पर नियमित सैनिकों की तैनाती के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें। यहां तक कि पूर्व सैनिकों के कुछ संगठन भी, राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए विरोध प्रदर्शन को बढ़ाने की ट्रंप की कोशिशों का विरोध कर रहे हैं।

जिस तरह से देश अप्रवासियों और रंगभेद के खिलाफ कड़े रुख की ओर बढ़ रहा है, उसके कारण उच्च शिक्षा या नौकरी की तलाश के लिए अमेरिका एक खतरनाक जगह बनता जा रहा है। भारतीय छात्रों के साथ, जिनके वीज़ा वैध थे, गंभीर दुर्व्यवहार की खबरें भी सामने आई हैं।

विदेशी छात्रों में, चीनी छात्रों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया है और कई के वीज़ा रद्द कर दिए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप, चीनी छात्रों के आवेदन में भारी गिरावट आई है।

ये घटनाक्रम अमेरिका को बहुत महंगे पड़ने वाले हैं। कई विदेशी छात्रों ने अमेरिका में काम करना जारी रखा है और देश के विकास में बहुत योगदान दिया है तथा दे रहे हैं। लेकिन डॉनल्ड ट्रंप और उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति के बाद विदेशी प्रतिभाओं का प्रवाह अब बहुत कम हो जाएगा।

राजा हत्याकांड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस को सूचना मिली कि सोनम रघुवंशी को उत्तरप्रदेश के गाजीपुर में बरामद किया गया है। इसके बाद मेघालय पुलिस और इंदौर पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। इसमें तीन संदिग्धों को राउंड अप कर लिया गया है। तीनों आरोपी राज कुशवाह, विशाल चौहान और आकाश राजपूत इंदौर के हैं। मेघालय पुलिस इन तीनों से आगे की पूछताछ कर रही है। एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। दो आरोपियों को इंदौर से और एक को इंदौर के पास से हिरासत में लिया गया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908